नई दिल्ली । मंगलवार, 07 जुलाई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :182 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कपः ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट ... | @ विचार सूखती धरती, बढ़ती प्यासः जल दिवालियापन... | @ व्यापार लगातार चौथे सत्र में बाजार में छाई हरियाली...

राम मंदिर मामलाः चंपत राय-अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर, कृष्ण मोहन नए महासचिव

गोविंद देव गिरी बोले-हमें बांटने की कोशिश

एजेंसी ■ अयोध्या

अयोध्या में सोमवार को राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने बताया कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि मंदिर में चोरी मामले के सामने आने के बाद दोनों ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए जांच पूरी होने तक पद से अलग रहने का फैसला किया है।

गोविंद देव गिरी ने कहा कि चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के नियमों के अनुसार किसी सदस्य द्वारा इस्तीफा देने पर उसे स्वीकृत माना जाता है। ऐसे में दोनों के इस्तीफे प्रभावी हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि चंपत राय और अनिल मिश्रा लंबे समय से ट्रस्ट के कार्यों से जुड़े रहे हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने स्वयं को ट्रस्ट के कामकाज से अलग करने का निर्णय लिया है। ट्रस्ट ने चंपत राय की जिम्मेदारियां कृष्ण मोहन को

सौंपने का फैसला किया है। अब वह अपनी टीम के साथ मंदिर ट्रस्ट के कार्यों का संचालन करेंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गोविंद देव गिरी ने कहा कि मामले को लेकर कई तरह की बातें कही जा रही हैं और समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि आरोप लगाए जा रहे हैं कि केवल दानपात्रों से ही नहीं, बल्कि कई कीमती वस्तुएं भी चोरी हुई हैं। इन आरोपों के बीच ट्रस्ट ने कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएं मीडिया के सामने प्रस्तुत कीं।

उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के पास 2,800 से अधिक वस्तुओं का विस्तृत रजिस्टर

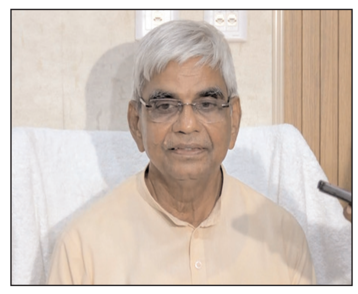

मौजूद है। इनमें दर्ज कई वस्तुओं में से कुछ को प्रमाण के तौर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाया गया। उन्होंने भरोसा जताया कि ट्रस्ट भविष्य में और अधिक सतर्कता तथा पारदर्शिता के साथ कार्य करेगा।

गोविंद देव गिरी ने कहा कि कुछ अधिकारियों की नियुक्ति के लिए एक समिति का गठन किया गया है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि ट्रस्ट की अगली बैठक 22 जुलाई को आयोजित होगी। तब तक विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट भी आने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि एसआईटी रिपोर्ट मिलने के बाद ट्रस्ट उसकी समीक्षा करेगा और कुछ नए न्यासियों की नियुक्ति की घोषणा भी की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि जो भी अपराधी हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें उचित सजा मिलनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना को आधार बनाकर देशभर में अनावश्यक राजनीतिक माहौल बनाया जा रहा है।

गोविंद देव गिरी ने कहा, 'आज वे लोग हमें उपदेश दे रहे हैं जिन्होंने कभी कारसेवकों पर गोलियां चलवाई थीं। राम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वाले लोग अचानक रामभक्ति की बात कर रहे हैं। इसके पीछे कई कारण हैं, लेकिन सबसे बड़ा उद्देश्य समाज को बांटना है।'

उन्होंने कहा कि अगर आपको लगता है कि आपका कोई सामान गायब है तो आप ट्रस्ट से समय लीजिए, आकर मिलिए और पूरी जानकारी रखिए। आप सभी धैर्य रखें, अपराधियों को दंड मिलेगा।

अमृतकाल में बन रहे चोरी के नए कीर्तिमान : मीनाक्षी नटराजन

एजेंसी ■ भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस की तरफ से भोपाल में पार्टी के तमाम नेताओं की मौजूदगी में मीनाक्षी नटराजन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान नीट पेपर लीक के खिलाफ बोलते हुए उन्होंने कहा कि अमृतकाल के नाम पर रोज नए चोरी के कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं, जो चिंता पैदा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लाडली बहना की बात हो रही है, लेकिन दो लड़कियों ने आत्महत्या कर ली। पूरे देश में 12 बच्चों ने आत्महत्या कर ली है। यह दुखद है। उन्होंने इसके पीछे सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। मीडिया से बातचीत में मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि तीन मुद्दों को लेकर हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की दो बच्चियों ने आत्महत्या कर ली। पेपर लीक के कारण छात्र परेशान हैं। 'छात्रों की गूंज' इसके लिए ही आयोजित किया जा रहा है। 9 अगस्त को हम सभी दिल्ली पहुंच रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि 14-15 जुलाई को इंदौर से भोपाल एक विशाल साइकिल यात्रा निकाली जा रही है, जिसमें जेनजी छात्रों से जुड़ने की अपील की जा रही है। इसके साथ ही हम किसानों के मामले को लेकर और मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा भूमि घोटाले के आरोपों को लेकर लड़ाई लड़ रहे हैं और इसको लेकर आगे बढ़ेंगे। 'छात्रों की गूंज' अभियान के शहर समन्वयक और कांग्रेस कार्यकर्ता अंशुल त्रिवेदी ने कहा कि 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम एक राष्ट्रव्यापी अभियान है, जो भारत के 28 शहरों में एक साथ चलाया जा रहा है। इसकी तीन मुख्य मांगें हैं, पेपर लीक मामलों में जवाबदेही तय की जाए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें; राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पर प्रतिबंध लगाया जाए; और परीक्षाओं तथा भर्तियों के लिए एक नियमित और पारदर्शी कैलेंडर जारी किया जाए।

असम राइफल्स के दो जवान शहीद

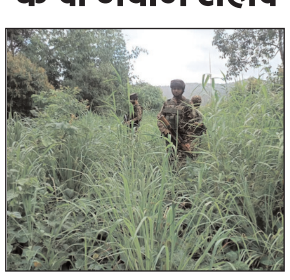

इंफाल । सोमवार को मणिपुर के उखरुल जिले के नुंगशांग कोंग में संदिग्ध नागा सशस्त्र समूह ने अर्धसैनिक बल के वाहन पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए।

मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह और गृह मंत्री कों थौजम गोविंदास सिंह ने हमले की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया।

इंफाल के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार दोपहर को उखरुल पुलिस स्टेशन से लगभग 16 किलोमीटर पूर्व में नुंगशांग कोंग पुल के पास अज्ञात नागा सशस्त्र हमलावरों ने असम राइफल्स के गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया।

सरकार से बातचीत पूरी होने तक भारत में 'यूजरनेम फीचर' लॉन्च नहीं करेगा व्हाट्सएप

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने भारत सरकार को आश्वासन दिया है कि सरकार के साथ चल रही बातचीत पूरी होने तक वह देश में अपने प्रस्तावित 'यूजरनेम फीचर' को लॉन्च नहीं करेगा।

मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने व्हाट्सएप को इस फीचर को लेकर जारी नोटिस का जवाब देने के लिए तीन दिन का अतिरिक्त समय भी दिया है। कंपनी को पहले शुक्रवार तक जवाब देना था, लेकिन अब उसे अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए कुछ और समय मिल गया है।

व्हाट्सएप इस नए फीचर के जरिए यूजर्स को बिना अपना मोबाइल नंबर साझा किए केवल यूजरनेम के माध्यम से बातचीत करने की सुविधा देना चाहता है।

हालांकि, केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह कंपनी को औपचारिक नोटिस जारी कर इस फीचर पर चिंता जताई थी। सरकार का मानना है कि इससे ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग और फर्जी पहचान (इम्पर्सोनेशन) जैसी साइबर अपराधों का खतरा बढ़ सकता है। इसी कारण सरकार ने व्हाट्सएप से कहा है कि सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा पूरी होने तक इस फीचर को लागू न किया जाए।

इसी सिलसिले में शुक्रवार को मेटा के एक प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अधिकारियों के साथ बैठक कर इस विषय पर विस्तार से चर्चा की।

इस सप्ताह की शुरुआत में व्हाट्सएप ने कहा था कि यूजरनेम फीचर में कई सुरक्षा उपाय पहले से शामिल किए गए हैं, ताकि फर्जी पहचान, धोखाधड़ी और अनचाहे संपर्क जैसी समस्याओं से बचा जा सके। कंपनी का कहना है कि इस फीचर को इस वर्ष के अंत तक वैश्विक स्तर पर चरणबद्ध तरीके से लॉन्च करने की योजना है।

सरकार की ओर से उठाई गई चिंताओं के बाद व्हाट्सएप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूजरनेम फीचर से जुड़े कई सवालों के जवाब भी दिए थे।

'भारत- इंडोनेशिया रिश्तो को नई उंचाई देने जकार्ता पहुचे मोदी', हुआ भव्य स्वागत

'होमेज टू द ट्रिपल जेम' नाम का प्रदर्शन बहुत ही शानदार

एजेंसी ■ जकार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सोमवार को इंडोनेशिया के जकार्ता में भारतीय समुदाय के लोगों ने बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया। होटल में भारतीय समुदाय के लोग 'मोदी मोदी' के नारे लगाते हुए उत्साह से प्रधानमंत्री का स्वागत करने पहुंचे। पीएम मोदी ने भी लोगों से मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया।

उन्होंने रामायण की कहानी पर आधारित पारंपरिक शैडो पपेट्री भी देखी, जिसमें भारत की प्राचीन संस्कृति की झलक दिखी।

भारतीय समुदाय के स्वागत और कलाकारों की शानदार प्रस्तुति देख पीएम मोदी बहुत खुश हुए और उन्होंने कलाकारों की सराहना की।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''जकार्ता में, मुझे सामन्वय ग्रुप की

ओर से प्रस्तुत एक सुंदर भरतनाट्यम नृत्य प्रदर्शन देखने का मौका मिला। यह देखकर बहुत खुशी हुई कि हमारी ये पारंपरिक कलाएं इतनी लगन और बेहतरीन तरीके से आज भी संभाली और प्रस्तुत की जा रही हैं।

एक अन्य पोस्ट में पीएम ने कहा, ''विहार धर्म रत्न ग्रुप के कलाकारों की ओर से किया गया 'होमेज टू द ट्रिपल जेम' नाम का प्रदर्शन बहुत ही शानदार था। इसमें भगवान बुद्ध की कालातीत शिक्षाओं और ट्रिपल जेम के गहरे मूल्यों को बहुत अच्छे तरीके से दिखाया गया। यह देखकर अच्छा लगता है कि इंडोनेशिया के लोग अपनी समृद्ध बौद्ध विरासत को इतने उत्साह और समर्पण के साथ संभाल रहे हैं और आगे बढ़ा रहे हैं।

इससे पहले, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने जकार्ता एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम तीन दिन की राजकीय यात्रा पर इंडोनेशिया पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि वे राष्ट्रपति के इस विशेष स्वागत से 'बहुत प्रभावित' हुए।

यह 2018 के बाद पहली द्विपक्षीय यात्रा है, जब भारत-इंडोनेशिया संबंधों को 'कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के स्तर पर बढ़ाया गया था। पीएम मोदी ने कहा कि वे राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ होने वाली बातचीत को लेकर उत्साहित हैं, जिससे दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि वे जकार्ता पहुंच चुके हैं और राष्ट्रपति प्रबोवो की ओर से एयरपोर्ट पर किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से बहुत प्रभावित हैं।

महाराष्ट्र में बारिश का कहरः मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे बंद, कई ट्रेन-फ्लाइट रद; अब तक 13 की मौत

एजेंसी ■ मुंबई

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में पिछले चार दिनों से जारी मूसलधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर कुछ ही सप्ताह पहले आम जनता के लिए खोले गए नवनिर्मित 'मिसिंग लिंक' ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। इस अत्याधुनिक मार्ग की एक प्रमुख सुरंग के भीतर तेजी से पानी का रिसाव शुरू हो गया है।

सुरंग के अंदर जलभराव और किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए लोक निर्माण विभाग और यातायात पुलिस ने इस नए मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह रोक दिया है। मिसिंग लिंक में भारी

रिसाव के कारण विपक्ष को सरकार पर हमले का मौका मिल गया है। विपक्षी दल मिसिंग लिंक को लेकर सरकार और मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।

कंक्रीट का खंभा गिरने पर जवाबदेही की मांग

दूसरी ओर शिवसेना (यूबीटी) के एमएलसी अंबादास दानवे ने मिसिंग लिंक के कैरिजवे पर कंक्रीट का खंभा गिरने के बाद जवाबदेही की मांग की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है।

मुंबई-पुणे रेलवे यातायात ठप

मुंबई और पुणे के बीच रेल संपर्क भी बाधित है। कर्जत के पास पहाड़ी खिसकने (भूस्खलन) से रेलवे ट्रैक पर भारी मलबा आ गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने मुंबई-पुणे के बीच चलने वाली सभी रेल सेवाओं को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। ट्रैक से मलबा हटाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है, लेकिन लगातार हो रही बारिश बाधा बनी हुई है।

भारी वर्षा के कारण पूर्वी उपनगर मानखुर्द में एक तीन मंजिला चाल ताश के पत्तों की तरह ढह गई। इससे मलबे के नीचे दबकर छह लोगों की मौत हो गई है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवार के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पांच-पांच लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है।

अब तक 13 लोगों के मारे जाने की खबर

पिछले 24 घंटे में पूरे महाराष्ट्र में बारिश के कारण विभिन्न घटनाओं में 13 लोगों के मारे जाने की खबर है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मंगलवार को नासिक में बादल फटने और 300 मिमी. तक बरसात होने की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

टी20 सीरीजः जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान, वैभव-रिंकू को मौका, सैमसन बाहर

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में एक बार फिर 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया है। तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान होंगे।

वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड के खिलाफ दो मुकाबलों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन वहां उन्हें मौका नहीं मिल सका। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में भी वह प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं थे। आखिरकार, दूसरे मुकाबले में वैभव को मौका दिया गया, जिसके साथ 15 साल और 99 दिन की उम्र में वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए थे। हालांकि, अपने डेब्यू मैच में वैभव 14 रन ही बना सके थे।

मैच फिनिशिर रिंकू सिंह ने टी20 टीम में वापसी की है। इनके अलावा, प्रिंस यादव, यश ठाकुर और अशोक शर्मा भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं।

हर्ष दुबे और वरुण चक्रवर्ती को स्पिन गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर टीम का हिस्सा रहे अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को मौका नहीं दिया गया। विकेटकीपिंग का जिम्मा ईशान किशन और प्रभसिमरन सिंह को सौंपा गया है।

मध्य प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र से किसान समृद्ध होंगे और युवाओं को रोजगार मिलेंगे : सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र हमारे किसानों के लिए समृद्धि का द्वार खोलेंगे। युवाओं को रोजगार मिलेगा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर भोपाल में सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क और कन्वेंशन सेंटर का भूमि पूजन करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश इकलौता राज्य है, जिससे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का विशेष नाता रहा है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को भोपाल को सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क और कन्वेंशन सेंटर की बड़ी सौगात मिली है। आज एक नया इतिहास बन रहा है। यह इंडस्ट्रियल पार्क देश के पहले उद्योग मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी कल्याण पर विशेष जोर दिया। राज्य सरकार प्रदेश के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र हमारे किसानों के लिए भी समृद्धि का द्वार खोलेंगे। युवाओं को रोजगार मिलेगा। गारमेंट इंडस्ट्री से कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। हमारी सरकार खेत से कारखाने और उद्योग को बाजार से जोड़ने के लिए कार्य कर रही है। भोपाल प्राकृतिक सुंदरता और झील-तालाबों की नगरी है, लेकिन अब यह स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क भी राजधानी की पहचान बनेगा। अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प की पूर्ति में मध्य प्रदेश भी विकास के मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में ही 15 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। रक्षा बंधन से पहले प्रदेश की बहनों को भी हर महीने सौगात मिल रही है। अब तक मुख्यमंत्री लाड़ली बहन योजना में राज्य सरकार 50 हजार करोड़ से अधिक राशि लाड़ली बहनों को दे चुकी है। अब बहनें रोजगार आधारित उद्योगों में काम करेंगी तो उन्हें 5000 रुपए अलग से दिया मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'एक देश, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की बात कही थी। उनके इस संकल्प को साकार करने के लिए राज्य में अब समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। समाज के हर वर्ग के लिए कानून एक जैसा होना चाहिए। प्रदेश की जनता ने तय कर लिया है कि डंके की चोट पर हर हालत में यूसीसी मध्यप्रदेश में लागू होगा। इसके लिए कमेटी ने सभी धर्म-समुदाय के सुझाव लिए ताकि किसी के साथ भेदभाव न हो। अब मध्य प्रदेश एक समान कानून लागू करने वाला देश के बड़े राज्यों में शामिल प्रदेश बन जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य में बिजली, पानी और सड़क हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। सतगढ़ी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क से राजाभोज विमानतल की दूरी महज 25 किलोमीटर है। रानी कमलापति स्टेशन भी मात्र 15 किलोमीटर की दूरी पर है। भोपाल का वेस्टर्न बायपास भी यहीं से गुजरेगा। सतगढ़ी के 25 एकड़ क्षेत्र में 10 हजार क्षमता वाला एक आधुनिक कन्वेंशन सेंटर भी बनेगा।

राजस्थानः दो दशक बाद सुलझा पंचना बांध विवाद, नहरों में छोड़ा गया पानी

विश्व केसरी

जयपुर। राजस्थान के करौली जिले में पंचना बांध को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद करीब दो दशक बाद सुलझ गया है। सोमवार को पानी के बंटवारे की व्यवस्था की जांच के लिए कमांड एरिया की नहरों में ट्रायल के तौर पर पानी छोड़ा गया। साथ ही, एक लिफ्ट सिंचाई परियोजना की आधारशिला भी रखी गई, जिससे बांध के आसपास के 39 गांवों को फायदा होगा।

गंभीरी नदी में पानी छोड़ने के लिए पंचना बांध के तीन गेट भी खोल दिए गए। जल संसाधन और सिंचाई मंत्री सुरेश सिंह रावत ने गृह राज्य मंत्री और करौली जिले के प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेधम के साथ पंचना बांध पर दो नई लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं और गुडला लिफ्ट परियोजना के तहत पीडीएन सिस्टम के रीमॉडलिंग कार्य की आधारशिला रखी। करीब 61 लाख की लागत वाली इन परियोजनाओं से लगभग 13,000 हेक्टेयर खेती की जमीन को सिंचाई के लिए पानी मिलने की उम्मीद है। साथ ही, बांध के कैचमेंट और कमांड एरिया में आने वाले गांवों को भी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

पहाड़ी गांव में देवनारायण मंदिर परिसर में आधारशिला रखने के कार्यक्रम से पहले पारंपरिक पूजा की गई। जनसभा को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि भजनलाल सरकार अपने हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोगों के हित से जुड़े कामों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। करीब 20 साल बाद पंचना बांध से पानी छोड़े जाने से स्थानीय लोगों में खुशी और उत्साह का माहौल है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

इनके अलावा ग्रामीण विकास विभाग के सचिव कृष्ण कुणाल, संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया, पुलिस महानिरीक्षक कैलाश बिश्नोई, जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा, पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल, करौली के विधायक दर्शन सिंह गुर्जर और मुख्य अभियंता भुवन भास्कर भी मौजूद रहे। पंचना बांध के पानी को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के समाधान के लिए 30 जून को सरकार स्तर पर सहमति बनी थी। इसके बाद जल संसाधन विभाग बांध से पानी छोड़ने की तैयारी में जुट गया था।कार्यक्रम से दो दिन पहले जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा, पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल, कार्यकारी अभियंता विवेक बंसल और अन्य अधिकारियों ने बांध का निरीक्षण किया।

संक्षिप्त खबरें

बिहारः सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवक की दौड़ के दौरान मौत, चिकित्सकों ने बताया कार्डियक अरेस्ट

विश्व केसरी

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज जिले में सेना भर्ती की तैयारी कर रहे एक युवक की दौड़ लगाने के दौरान तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना नगर थाना क्षेत्र स्थित तिलंगही मैदान की है। मृतक की पहचान बसडीला नवका टोला निवासी जयप्रकाश प्रसाद के इकलौते पुत्र रंजीत कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार, रंजीत कुमार पिछले कई महीनों से सेना भर्ती की तैयारी कर रहा था। वह रोज की तरह सोमवार सुबह तिलंगही मैदान में दौड़ लगाने पहुंचा था। बताया गया कि तीन राउंड दौड़ पूरी करने के बाद उसे अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई। इसके कुछ ही क्षण बाद वह मैदान में गिरकर बेहोश हो गया। साथ में दौड़ रहे अन्य युवकों ने तत्काल उसे उठाकर गोपालगंज सदर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, प्रथम दृष्ट्या मामला कार्डियक अरेस्ट का प्रतीत होता है। डॉक्टरों ने बताया कि यदि घटना के तुरंत बाद सही तरीके से सीपीआर दिया जाता तो उसकी जान बचने की संभावना हो सकती थी। चिकित्सकों ने कहा कि अचानक कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं और समय पर सीपीआर मिलने से कई मामलों में मरीज की जान बचाई जा सकती है। परिजनों ने बताया कि रंजीत अपने परिवार की उम्मीदों का केंद्र था और सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना चाहता था। उसके पिता जयप्रकाश प्रसाद गोपालगंज की बड़ी बाजार में छोटामोटा काम कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। रंजीत परिवार का इकलौता पुत्र था, जिसकी असामयिक मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन सदर अस्पताल पहुंच गए। युवक की मौत से इलाके में शोक का माहौल है।

जगन्नाथ जी की रथ यात्रा के लिए 300 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी: अश्विनी वैष्णव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा को लेकर भारतीय रेलवे ने विशेष तैयारियां की हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रथ यात्रा के दौरान 300 से अधिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा केरल में ओणम त्योहार के लिए भी 100 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के साथ मिलकर ओडिशा के पुरी शहर में भगवान जगन्नाथ की आगामी रथ यात्रा के लिए भारतीय रेलवे की तैयारियों का जायजा लिया।

अश्विनी वैष्णव ने भीड़ प्रबंधन, यात्रियों की आवाजाही और ऑपरेशनल तैयारियों सहित रेलवे की व्यवस्थाओं का समग्र मूल्यांकन किया। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन ने उन्हें त्योहार के सुचारू संचालन के लिए की गई एकीकृत व्यवस्थाओं और विस्तृत ऑपरेशनल योजना के बारे में जानकारी दी।

सीएम माझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ पवित्र शहर पुरी में नई 'पुरी-कोरापुट-पुरी' ट्रेन का उद्घाटन किया, जो श्रीक्षेत्र को शबर श्रीक्षेत्र से सीधे जोड़ती है। तटीय, पश्चिमी और दक्षिणी ओडिशा को जोड़ने वाली यह नई ट्रेन जगन्नाथ भक्तों के लिए एक अनूठा उपहार है।

केरल पीएससी ने भर्ती घोटाले की जांच पर बदला फैसला, अब इंटरनल विजिलेंस के एसपी करेंगे जांच

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। केरल लोक सेवा आयोग (पीएससी) ने सोमवार को राज्य योजना बोर्ड में नियुक्तियों से जुड़े कथित भर्ती घोटाले की जांच को लेकर अपने विवादित फैसले को वापस ले लिया। पहले इस मामले की जांच परीक्षा नियंत्रक को सौंपी गई थी, लेकिन आयोग के भीतर ही तीखे विरोध के बाद जांच अब आंतरिक सतर्कता (इंटरनल विजिलेंस) के पुलिस अधीक्षक को सौंप दी गई है।

यह बदलाव तब हुआ, जब पीएससी के कई सदस्यों ने चेयरमैन डॉ. एम.आर. बैजू के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले आयोग ने जांच का काम इंटरनल विजिलेंस विंग को सौंपने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन बाद में इसे परीक्षा नियंत्रक को दे दिया गया। आयोग के भीतर आलोचकों का कहना था कि इस कदम से जांच कमजोर पड़ गई। इससे बोर्ड की बैठक में टकराव की स्थिति पैदा हो गई, जहां खबरों के अनुसार चेयरमैन पर सदस्यों के एक समूह की ओर से भारी दबाव डाला गया।

इस घटनाक्रम ने राजनीतिक हलचल को काफी बढ़ा दिया है, जिससे बुधवार की कैबिनेट बैठक और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

माना जाता है कि मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन को पिछले दशक में पीएससी के कामकाज को लेकर कई जगहों से कई शिकायतें मिली हैं, खासकर उस समय के दौरान जब पिनाराई विजयन सरकार सत्ता में थी। प्लानिंग बोर्ड में भर्ती से जुड़ा विवाद तीन विभागों में चीफ-लेवल के पदों के लिए आयोजित एक सामान्य परीक्षा पर केंद्रित है। आरोप है कि मूल्यांकन के दौरान दस सवालों की जांच नहीं की गई।

इसके बावजूद, दो पदों के लिए रैंक लिस्ट जारी की गई और नियुक्तियां की गईं, जिनमें वामपंथी संगठन से जुड़े एक उम्मीदवार की नियुक्ति भी शामिल थी, जिसने पहली रैंक हासिल की थी।

हालांकि बाद में पीएससी ने माना कि मूल्यांकन में गलती हुई थी और विवाद सामने आने के बाद एक रैंक लिस्ट रद्द कर दी, लेकिन उसने उत्तर पुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन शुरू नहीं किया है और न ही रैंकिंग में कोई बदलाव किया है। इस घटना ने स्वतंत्र जांच की मांग को और तेज कर दिया है।

असम का बजट अगले पांच सालों के लिए सरकार का आर्थिक रोडमैप तय करेगा : सीएम हिमंता सरमा

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि इस हफ्ते के आखिर में पेश होने वाला राज्य का बजट अगले पांच सालों के लिए सरकार का आर्थिक रोडमैप तय करेगा। इसमें भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादों को पूरा करने पर खास जोर दिया जाएगा।

विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को शुरू हुआ। यह राज्य में लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के सत्ता में आने के बाद पहला बजट होगा।

मीडिया से बात करते हुए सीएम सरमा ने कहा कि 10 जुलाई को वित्त मंत्री जयंत मल्लाबरुआ द्वारा पेश किया जाने वाला बजट सिर्फ सालाना वित्तीय आवंटन से कहीं ज्यादा होगा और असम के लंबे समय के विकास के लिए एक व्यापक विजन पेश करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह बजट हमारे चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों पर आधारित होगा। यह अगले पांच सालों के लिए हमारी सरकार का आर्थिक विजन पेश करेगा और राज्य के विकास के लिए एक स्पष्ट दिशा देगा।'

सीएम सरमा ने कहा कि सरकार ने कृषि, औद्योगिक विस्तार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, स्वयं-सहायता समूहों, रोजगार पैदा करने और नवीकरणीय ऊर्जा को मुख्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के तौर पर पहचाना है। बजट में निवेश को बढ़ावा देने, आजीविका के अवसर पैदा करने और असम के आर्थिक आधार को मजबूत करने के मकसद से कई उपाय शामिल होंगे।

गंभीर अपराधों में 4.65 प्रतिशत की कमी, डीजीपी ने राजस्थान पुलिस की छह महीने की रिपोर्ट प्रस्तुत की

विश्व केसरी

जयपुर । राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को राजस्थान पुलिस की छह महीने की प्रदर्शन रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था, साइबर पुलिसिंग और जांच में महत्वपूर्ण सुधारों पर प्रकाश डाला गया। राजस्थान पुलिस अकादमी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत गंभीर अपराधों में 4.65 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। पेपर लीक रैकेट, मादक पदार्थों के तस्करों और संगठित अपराध पर कार्रवाई तेज की गई है और प्रौद्योगिकी-आधारित पुलिसिंग को मजबूत किया गया है। आगे की कार्ययोजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए डीजीपी ने कहा कि राजस्थान पुलिस अपराध रोकथाम को प्राथमिकता देकर, अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को जब्त करके अपराधियों के वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करके और अधिक कुशल पुलिसिंग के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर पुलिसिंग के प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ेगी।

शर्मा ने बताया कि वर्ष के पहले छह महीनों में बीएनएस के तहत 94,652 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 99,272 मामले दर्ज किए गए थे, जो 4.65 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी बीच, स्थानीय और विशेष कानूनों के तहत दर्ज मामलों में 4.25 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 49,087 से बढ़कर 51,172 हो गए। यह वृद्धि मुख्य रूप से पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों के खिलाफ की गई स्वतःस्फूर्त कार्रवाई के कारण हुई। डीजीपी ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान लगभग सभी प्रमुख अपराध श्रेणियों में गिरावट दर्ज की गई। हत्या के मामलों में 4.41 प्रतिशत (703 से 672), हत्या के प्रयास में 11.17 प्रतिशत (1,288 से 1,145), डकैती में 16.28 प्रतिशत (43 से 36) और लूट में 19.93 प्रतिशत (577 से 462) की कमी आई। अपहरण और अगवा किए जाने के मामलों में 4.72 प्रतिशत की कमी आई (5,211 से घटकर 4,965 हो गए), जबकि वयस्कों से जुड़े दुष्कर्म के मामलों में 13.36 प्रतिशत की गिरावट आई (2,088 से घटकर 1,809 हो गए)।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में बहुमत बरकरार रखने के लिए भाजपा को कड़ी मशक्कत करनी होगी

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। जेल में बंद तिरुवनंतपुरम नगर निगम पार्षद आर. सुगथन की जमानत के लिए भाजपा का संघर्ष राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। केरल के सबसे बड़े नगर निकाय में अपनी बेहद कम बहुमत को बचाने के लिए पार्टी को समय के साथ संघर्ष करना पड़ रहा है।

केरल असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (केएएपीए) के तहत हिरासत में लिए गए सुगथन, केएएपीए सलाहकार बोर्ड द्वारा 29 जून को मामले की सुनवाई के बावजूद उनकी जमानत याचिका पर निर्णय में देरी के बाद केरल हाई कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं।

इस मामले में जल्दबाजी का कारण एक और कानूनी अड़चन है। हाई कोर्ट ने हाल ही में तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 पार्षदों को उनके पद की शपथ का उल्लंघन करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था और उन्हें चार सप्ताह के भीतर फिर से शपथ लेने का निर्देश दिया था।

उन्नीस पार्षदों ने तब से इसका पालन किया है। सुगथन अकेले ऐसे हैं जो न्यायिक हिरासत में होने के कारण ऐसा नहीं कर सके हैं ।

अगर उन्हें रिहा नहीं किया गया और उन्होंने 24 जुलाई से पहले दोबारा शपथ नहीं ली, तो वे पार्षद का पद स्थायी रूप से खो देंगे। भाजपा के लिए इसके दूरगामी परिणाम होंगे। वर्तमान में, 101 सदस्यीय नगर निगम में पार्टी के पास 50 पार्षद हैं और एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन प्राप्त है।

इसी मामूली बहुमत के बल पर भाजपा ने नगर निगम में पहली बार सत्ता हासिल की। यदि सुगथन अपनी सीट हार जाते हैं, तो भाजपा की प्रभावी संख्या घटकर 49 रह जाएगी। इससे परिषद में पार्टी के पास साधारण बहुमत नहीं रहेगा और सत्ताधारी दल का भविष्य अनिश्चित हो जाएगा।

वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे के पास 29 पार्षद हैं और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे के पास 20 पार्षद हैं, जबकि दूसरा निर्दलीय पार्षद वामपंथी दलों से जुड़ा हुआ है। हालांकि इस समीकरण से विपक्ष को स्वतः ही सत्ता नहीं मिल जाएगी, लेकिन इससे भाजपा की स्थिति काफी कमजोर हो जाएगी और महत्वपूर्ण चुनावों के दौरान प्रशासन असुरक्षित हो जाएगा।

जकार्ता में उत्सव जैसा माहौल, भारतीय बोले- पीएम यहां आते हैं तो हम सब उनमें भारत को देख पाते हैं

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने छह दिवसीय इंडो-पैसिफिक दौरे की शुरुआत इंडोनेशिया से कर चुके हैं। जकार्ता पहुंचने पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं, अलग-अलग राज्यों से आए भारतीय मूल के लोगों ने भी प्रधानमंत्री के स्वागत को लेकर उत्साह जाहरि कीया। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में सोमवार को भारतीय समुदाय के लोग आए हैं। अलग-अलग जगहों पर रह रहे बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, ओडिशा, कर्नाटक, और तमिलनाडु जैसे अलग-अलग राज्यों से रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों में काफी उत्साह दिख रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंचे हुए हैं। उनके स्वागत में पहुंचे लोगों के चेहरे पर काफी खुशी देखी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर महिलाओं ने बताया कि पिछली बार भी हमने उन्हें देखा था और इस बार भी हमें देखने का मौका मिलेगा।

उत्तराखंड की मूलनवासी नीलम नौटयिाल ने कहा की हम पीएम मोदी का बहुत-बहुत स्वागत करते हैं। हम सब जानते हैं कि भारत और इंडोनेशिया का बहुत अच्छा संबंध रहा है। हम चाहते हैं कि वह यहां आएं और हम लोगों से मिलें।

प्रदेश में नदी नाले उफान पर, आठ जिलों के लिए अलर्ट जारी

राजधानी में घरों में नालों का पानी घुसा जनजीवन अस्त-व्यस्त

रायपुर । छत्तीसगढ़ प्रदेश के कई जिले में मूसलाधार बारिश से जन जीवन पर व्यापक असर पड़ा है पिछले 48 घंटे से रुक-रुक कर हो रही वर्षा से आम लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं वही तेज वर्षा के चलते मोहल्ले कॉलोनी बस्ती में तालाब जैसे हालात पैदा हो गए हैं यहां तक की नालों का पानी आम लोगों के घर में घुसने से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है दूसरी तरफ नगर पालिका निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने आज एक विशेष सभा बुलाकर जल भराव से स्थिति निपटने को लेकर तैयारी की समीक्षा की महापौर ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कहा कि कार्यालय के वातानुकूलित कक्ष में बैठने की जगह धरातल पर उतरकर कार्य करें और आम लोगों को राहत दिलाई जाए।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश में मानसून सक्रिय है बलौदा बाजार भिलाई महासमुंद गरियाबंद रायपुर सहित प्रदेश के अधिकांश जिले पानी से तरबतर हो चुके हैं पिछले 48 घंटे से निरंतर रुक-रुक कर वर्षा हो रही है इसलिए लोग घरों में कैद हो गए हैं कार्यालय में कर्मचारियों की संख्या ना के बराबर है यहां तक की कई कार्यालय में बारिश की पानी से छत टपकने लगी है रायपुर रेलवे स्टेशन में बारिश की तस्वीर साफ दिखाई पड़ी जिसमें प्लेटफार्म एक से लेकर तीन तक बारिश के असर से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा छत टपक रही थी ।

ई-केवाईसी की समय सीमा खत्म, महतारी वंदन की किस्त अटकी

प्रदेश में कुल 65.30 लाख सक्रिय हितग्राही मौजूद

विश्व केसरी संवाददाता

रायपुर। प्रदेश की महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली लाभ को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। योजना के तहत ई-केवाईसी कराने की आखिरी तारीख 30 जून तक थी जो समाप्त हो गई है। प्रदेश में लगभग 98 प्रतिशत महिलाओं का आधार सत्यापन का काम पूरा हो चुका है। हालाँकि लगभग 1.50 लाख महिलाओं की ई-केवाईसी अब भी अधूरी पाई गई है। इन महिलाओं को जुलाई महीने की एक हजार रुपये की किस्त जारी नहीं की जाएगी।

जानकारी के अनुसार सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में महिलाओं को हर महीने आर्थिक मदद दी जाती है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इसके लिए पिछले तीन महीने से विशेष अभियान चलाया था। आंगनबाड़ी केंद्रों और विशेष शिविरों के माध्यम से महिलाओं की ई-केवाईसी कराई गई थी। आखिरी दिनों में बड़ी संख्या में महिलाओं ने इस प्रक्रिया को पूरा कराया। इसके कारण राज्य में सत्यापन का कुल आंकड़ा लगभग 98 प्रतिशत तक पहुंच गया। दुर्ग जैसे बड़े जिलों में 96 प्रतिशत से अधिक काम हुआ है। वहीं राजनांदगांव और रायगढ़ जिलों में 98 प्रतिशत से ज्यादा महिलाओं का सत्यापन हुआ। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में कुल 65.30 लाख सक्रिय हितग्राही मौजूद हैं। इनमें से 63.72 लाख महिलाओं का आधार सत्यापन पूरी तरह से सफल रहा है। शेष बची महिलाओं को फिलहाल जुलाई की किस्त से वंचित रहना पड़ेगा। रायपुर, बिलासपुर, बस्तर संभाग में ई-केवाईसी की रफ्तार राज्य के औसत से काफी पीछे चल रही है।

इंटरनेट और दूरदराज के इलाकों के कारण वहां काम में थोड़ी धीमी प्रगति देखी गई। इसे देखते हुए बस्तर संभाग में सत्यापन की अवधि बढ़ाने पर विचार हो रहा है। प्रशासन चाहता है कि बस्तर की कोई भी पात्र महिला इस योजना से न छूटे। इसके लिए वहां के स्थानीय अमले को विशेष निर्देश भी दिए जा सकते हैं।

जुलाई की किस्त पर संकट

जानकारी के अनुसार जिन महिलाओं की ई-केवाईसी पूरी नहीं हुई है, उनकी सूची तैयार की गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जुलाई की किस्त केवल सत्यापित खातों में जाएगी। हालाँकि अधिकारियों ने महिलाओं को भरोसा दिया है कि राहत की उम्मीद अभी बाकी है। जो महिलाएं अभी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाई हैं, उन्हें आगे मौका मिलेगा। जब वे अपना सत्यापन करा लेंगी तो उन्हें योजना का लाभ फिर मिलने लगेगा।

महतारी वंदन योजना की लाभार्थियों का लगातार समीक्षा की जारी है

महतारी वंदन योजना की शुरुआत फरवरी 2024 में की गई थी। उस समय सरकार को पूरे प्रदेश से कुल 70.27 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। स्क्रूटनी के बाद सरकार ने 70.09 लाख महिलाओं को योजना के लिए पात्र माना था। मार्च 2024 में योजना की पहली किस्त महिलाओं के बैंक खातों में भेजी गई थी। इसके बाद से लगातार लाभार्थियों की सूची की समीक्षा की जा रही है। योजना शुरू होने के बाद से अब तक 1.19 लाख हितग्राहियों की मृत्यु हो चुकी है। विभाग ने जांच के बाद इन मृत महिलाओं के नाम सूची से हटा दिए हैं। इसके अलावा कई अपात्र महिलाओं के नाम भी हटाए गए हैं। इसके कारण अब कुल लाभार्थियों की संख्या घटकर करीब 69 लाख रह गई है। सक्रिय हितग्राहियों की संख्या वर्तमान में 65.30 लाख के आसपास दर्ज की गई है।

लाभार्थियों को ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

सरकार ने साल 2025 में इस योजना के लिए ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया था। इसके लिए नवंबर 2025 तक का शुरुआती लक्ष्य तय किया गया था। उस दौरान विभाग ने करीब 4 लाख महिलाओं की अलग से ई-केवाईसी कराई थी। बाकी बची 65 लाख से अधिक महिलाओं को खाद्य विभाग के रिकॉर्ड से जोड़कर लाभ दिया जा रहा था। अब विभाग ने तीन महीने का विशेष अभियान चलाकर नया डेटा तैयार कर लिया है।

संक्षिप्त खबरें

मंगलमय वेलफेयर सोसाइटी का रक्तदान शिविर

रायपुर। श्री मंगलमय वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा पिछले दिनों रक्तदान शिवर लगाया गया तथा स्वामी विवेकानंद जी की पुण्य तिथि के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया और हनुमान चालीसा का पाठ करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्राइमरी स्कूल के बच्चों को सीस पेंसिल, पेन दिया गया तथा बच्चों को स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों के बारे में बताया गया। संस्था और संस्था की संस्थापक एवं अध्यक्ष प्रिया सिंह जी का मानना है कि रक्त दान जैसा कोई महादान नहीं होता और जब स्वामी विवेकानंद जी की पुण्य तिथि है तो इस पावन अवसर पर पुण्य कार्य करना उनको तथा उनके संस्था के सभी सदस्यों को बहुत अच्छा लगा।

जिसमें सहयोगी ब्लड बैंक (शिवनाथ ब्लड बैंक) रहा जिनका बहुत बड़ा सहयोग रहा और उनके (डायरेक्टर) श्री राजेश तिवारी जी का योगदान रहा। बहुत से वरिष्ठ समाज के समाज सेवक और समाज सेविका भी उनके साथ इस अभियान में बढ़ चढ़ कर सहयोग दिया जिसमें (छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई) सीईओ अंशाशु द्विवेदी आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे । (विशिष्ट अतिथि) वार्ड के पार्षद दिलदार तथा दूसरे वार्ड के पार्षद श्री डेविड साहू का भी सहयोग रहा तथा प्रभात सिंह जी का भी सहयोग रहा और करुण निधि यादव का भी (राजेश द्विवेदी पवन कुमार पांडे प्रसिद्ध लोक गायक विष्णु वर्मा प्रांत टोली सदस्य (संस्था के सभी सदस्य गण) का सबसे बड़ा सहयोग रहा जिनके वजह से यह रक्त दान शिवर का काम सफल रहा जिसमें संस्था के उपस्थित सदस्यगण अध्यक्ष प्रिया सिंह, सचिव- पूनम मेश्राम, कोषाध्यक्ष- अमित सिंह राजपूत,

कर्मठ सदस्य – कान्हा जी महाराज, महेंद्र सिंह चौहान, लतेश्वरी चौहान, रूपाली मेश्राम, मनीषा शर्मा, कौशल्या मिश्रा, सुधा गुप्ता,माही गौतम, रुचिका शर्मा, रेखा राहंगडाले, जानवी, सविता चौहान, संगीता नागपुरे, उपस्थित रहे।

सरेंडर नक्सली भी निकले बाघ खाल के तस्कर, अब तक 8 गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघ की खाल और कंकाल तस्करी मामले में जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त टीम ने तीसरी बाघ की खाल बरामद की है। इस नेटवर्क में महाराष्ट्र के दो आत्मसमर्पित नक्सली भी शामिल निकले। अब तक 8 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जिनमें रिजर्व का एक चौकीदार और महाराष्ट्र पुलिस के 2 जवान भी शामिल हैं।

एंटी पोचिंग स्क्वॉड और इंद्रावती टाइगर रिजर्व की टीम ने जांच में बड़ा खुलासा किया। बाघ की खाल तस्करी के इस सिंडिकेट में महाराष्ट्र के 2 आत्मसमर्पित नक्सली शामिल थे।

मलाईदार पोस्टिंग पर चला डंडा, 74 शिक्षक-कर्मचारियों का अटैचमेंट रद्द

विश्व केसरी

बीजापुर। शिक्षा विभाग की मलाईदार पोस्टिंग पर प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। कलेक्टर के आदेश पर जिले के 74 शिक्षकों, लिपिकों और भृत्यों का संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया गया है। अब सभी को अपने मूल स्कूल और संस्थाओं में जाकर ड्यूटी जॉइन करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

राज्य शासन के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। पिछले कई सालों से बड़ी संख्या में शिक्षक और स्टाफ DEO कार्यालय, BEO कार्यालय, BRC, मंडल संयोजक कार्यालय, जनपद पंचायत, आदिवासी विकास विभाग और विधायक कार्यालय जैसी गैर-शैक्षणिक जगहों पर अटैच थे।

जिला शिक्षा अधिकारी राजेश पाण्डेय ने बताया कि वर्षों पुरानी अटैचमेंट खत्म करने का मकसद स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करना और पढ़ाई व्यवस्था को मजबूत बनाना है। अटैचमेंट खत्म होने से दूर-दराज और अंदरूनी इलाकों के स्कूलों में स्टाफ की कमी दूर होगी।

अब तक ऑफिसों में बैठे ये कर्मचारी वापस कक्षाओं में पहुंचेंगे। - जाकिर खान -नैमेड़ ,- दुर्गम सुब्बैया- धनोरा ,- मनोज कवटी - ईटपाल,- नरदेव सिंह - ताड़मेंट्टी इसके अलावा आदेश में कई अन्य शिक्षक-कर्मचारियों के नाम भी शामिल हैं जिन्हें मूल विद्यालयों में भेजा गया है।

यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ सरकार के संलग्नीकरण समाप्त करने वाले बड़े अभियान का हिस्सा है।

अधिक वर्षा की स्थिति में किसान लेही पद्धति से धान की बुआई करे

विश्व केसरी

मानसूनी वर्षा की वर्तमान स्थिति के दृष्टिगत किसानों को कृषि वैज्ञानिकों की सलाह

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बस्तर क्षेत्र के मार्ग से सामान्यत: 14 जून के आसपास मानसून वर्षा का आगमन होता है, किन्तु इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के कारण बस्तर में लगभग 10 दिन विलंब से मानसून आया है। वर्तमान में प्रदेश के समस्त कृषि जलवायु क्षेत्रों जैसे बस्तर का पठार, छत्तीसगढ़ का मैदान एवं छत्तीसगढ़ के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र में मानसून पहुंच गया है। सामान्यत: जून के माह में छत्तीसगढ़ में लगभग 21 से.मी. वर्षा होती है, किन्तु इस वर्ष जून के माह में 40 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। आगामी 8 जुलाई तक पूरे राज्य में व्यापक वर्षा होने का आसार हैं। वर्तमान में बिलासपुर एवं सरगुजा संभाग को छोड़कर पूरे प्रदेश में लगभग सामान्य वर्षा दर्ज की गई है। विगत पांच दिनों में उपरोक्त दोनों संभागों को छोड़कर शेष क्षेत्रों में व्यापक वर्षा हुई है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि मानसून के देरी से आने के पश्चात् भी विगत 1 जुलाई से 6 जुलाई तक छत्तीसगढ़ का मैदानी भाग एवं बस्तर का पठार में अधिक वर्षा होने के कारण मानसून का अब तक का कोटा लगभग पूरा हो चुका है। अत: इस प्रकार लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए किसान बन्धुओं को सलाह दी जाती है कि खेतों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता होने पर मचाई कर नर्सरी उपलब्ध होने पर रोपाई करें अथवा नर्सरी की अनुपलब्धता पर लेही विधि से अंकुरित बीजों को मचाई किये हुए खेतों में ड्रम सीडर एवं छिटकवा विधि से बुआई करें। साथ ही नर्सरी एवं बीजों को कवकनाशी (कार्बेन्डाजिम) एवं जैव उर्वरकों से उपचारित कर रोपाई एवं बुवाई करें।

इस वर्ष अषाढ़ माह 1 जुलाई से प्रारंभ हुआ है। अषाढ़ माह से प्रारंभ होकर सावन मास की हरियाली अमावस्या अर्थात हरेली तिहार तक हम खरीफ फसल की बुआई एवं रोपाई कर सकते हैं। इस बार हरेली 12 अगस्त को मनाई जाएगी। जो किसान भाई धान की सीधी बुआई करते हैं उन्हें परामर्श है कि जमीन में बतर की स्थिति में 15 जुलाई तक धान की बुआई कर लेवें। रोपाई एवं बियासी पद्धति से धान की खेती करने वाले किसान भाई 30 जुलाई तक रोपाई एवं बियासी का कार्य कर लेवें। किसी असामान्य परिस्थिति के कारण विलंब होने से यदि आप हरेली तक भी बुआई रोपाई का कार्य करते हैं तो फसल के उत्पादन में ज्यादा नुकसान नहीं होगा

चूंकि इस बार मानसून विलंब से आया है इसलिए, किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि इस वर्ष धान की शीघ्र एवं मध्यम अवधि में पकने वाली प्रजातियाँ जो कि 125-130 दिन तक पक जाती है जैसे- इन्द्रावती धान, बस्तर धान-1, छत्तीसगढ़ बारानी धान, इंदिरा एरोबिक धान, एम.टी.यू. 1010, एम.टी.यू. 1153, एम.टी.यू. 1156, एम.टी.यू. 1001, विक्रम टी.सी.आर., छत्तीसगढ़ धान 1919, छत्तीसगढ़ तेजस्वी धान, महामाया आदि का उपयोग करें।

एक एकड़ में सीधी बुआई एवं बियासी के लिए, 30 कि.ग्रा., रोपा पद्धति में 20 कि.ग्राम तथा हाइब्रिड प्रजाति के लिए 6 कि.ग्रा. बीज का उपयोग करें। जिन खेतों में अधिक जल भराव हो गया है तथा वर्षा रुक नहीं रही हो तो लेही पद्धति से धान की बोआई करें।

कांग्रेस पर झूठ और भ्रम फैलाने का आरोप

केदार कश्यप बोले–किसी गरीब के साथ अन्याय नहीं होगा

विश्व केसरी

रायपुर। वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने नकटी ग्राम प्रकरण को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार की छवि खराब करने के लिए झूठ और भ्रम फैलाने का असफल प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूरे मामले में संवेदनशीलता और कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई की है तथा किसी भी गरीब परिवार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

मंत्री कश्यप ने कहा कि जिस भूमि को लेकर कांग्रेस आज राजनीति कर रही है, उसकी आबंटन प्रक्रिया तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 1 सितंबर 2020 से शुरू हुई थी। उन्होंने दावा किया कि राजस्व अभिलेखों में यह भूमि हाउसिंग बोर्ड को आबंटित किए जाने के लिए

प्रस्तावित थी। इस दौरान भूमि पर अवैध कब्जे बढ़ते गए और करीब 3 हेक्टेयर से बढ़कर 15 हेक्टेयर तक अतिक्रमण फैल गया।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने पूरे प्रकरण में विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और व्यवस्थापन के लिए कई बार प्रयास किए। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने सहमति बनाने की कोशिश की तथा कार्रवाई के दौरान भी मानवीय दृष्टिकोण अपनाया गया।

कांग्रेस के इस आरोप का खंडन करते हुए कि नकटी गांव को पूरी तरह उजाड़ दिया गया, कश्यप ने कहा कि गांव के 17 वार्डों में से केवल एक वार्ड में सरकारी भूमि पर हुए अवैध कब्जे हटाए गए हैं। पूरे गांव को उजाड़े जाने का दावा पूरी तरह भ्रामक है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस प्रशासनिक कार्रवाई को राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास किया और लोगों को भड़काकर सरकार को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन उसे जनता का समर्थन नहीं मिला। कश्यप ने पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में ग्राम सेरीखेड़ी में लगभग 150 परिवारों को हटाया गया था, जबकि पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की गई। इसके विपरीत, वर्तमान सरकार ने प्रभावित परिवारों को नया रायपुर में आवास उपलब्ध कराए, उन्हें मकानों की चाबियां सौंपीं और सम्मानपूर्वक वहां तक पहुंचाने की व्यवस्था भी की। उन्होंने कांग्रेस के उस आरोप को भी खारिज किया कि संबंधित भूमि पर विधायक कॉलोनी बनाई जाएगी। कश्यप ने कहा कि भूमि के उपयोग को लेकर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। वर्तमान में भूमि राजस्व विभाग के अधीन है और भविष्य में इसका उपयोग नियमानुसार संबंधित विभाग तय करेंगे।

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में ही इस भूमि से जुड़ी प्रशासनिक स्वीकृतियां और एनओसी जारी की गई थीं तथा वर्ष 2020 से 2022 के बीच पूरी प्रक्रिया आगे बढ़ी। ऐसे में कांग्रेस अब तथ्यों को छिपाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कांग्रेस से नकटी मामले पर लोगों को भड़काने और सामाजिक माहौल खराब करने की राजनीति बंद करने की अपील करते हुए, कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में गरीबों के हितों की चिंता करती है तो उसे तथ्यों के आधार पर राजनीति करनी चाहिए।

टपकती छत के बीच निगम सामान्य सभा, जलभराव पर गरमाई सियासत

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर नगर निगम की सामान्य सभा सोमवार को उस समय चर्चा का विषय बन गई, जब सभा कक्ष की छत से बारिश का पानी टपकने के बीच बैठक संपन्न हुई। शहर में जलभराव, सफाई व्यवस्था, नालों की सफाई और सड़कों की मरम्मत जैसे मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

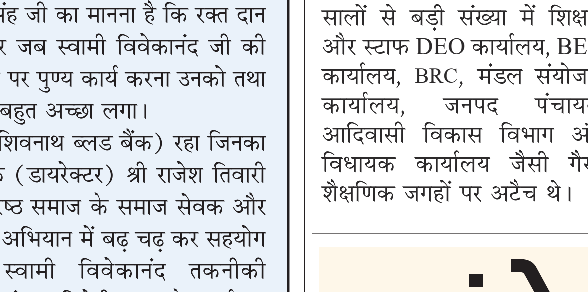

सभा में नगर निगम प्रशासन ने जानकारी दी कि वर्ष 2026-27 के बजट में नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए करीब 3 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हालांकि विपक्ष ने शहर में बारिश के दौरान सामने आई समस्याओं को लेकर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। विपक्ष के नेता आकाश तिवारी अखबारों में प्रकाशित निगम संबंधी समाचारों की कतरनों से तैयार की गई लाइफ जैकेट पहनकर सभा में पहुंचे। उन्होंने इसे शहर की बदहाल व्यवस्था और जलभराव की समस्या के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध बताया। विपक्षी पार्षदों ने 'ट्रिपल इंजन सरकार' पर निशाना साधते हुए कहा कि इसके बावजूद नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। बैठक के दौरान एक भाजपा पार्षद ने भी निगम अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान कुछ आपत्तिजनक शब्दों के प्रयोग पर सभापति ने हस्तक्षेप करते हुए सदस्यों को संयमित भाषा के उपयोग की नसीहत दी। इधर, भुगतान लंबित होने से नाराज ठेकेदारों ने भी निगम की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया। उन्होंने समय पर भुगतान नहीं मिलने से विकास कार्य प्रभावित होने की बात कही। बारिश के मौसम में शहर की व्यवस्था और निगम की कार्यशैली को लेकर हुई इस सामान्य सभा में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, लेकिन छत से टपकते पानी ने व्यवस्था संबंधी सवालों को और अधिक प्रमुखता से सामने ला दिया।

50 लाख के टेंडर में नया विवादः उद्यम रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र नहीं, फिर कैसे हुई फर्म क्वालिफाई?

विश्व केसरी

रायपुर। लोक निर्माण विभाग के करीब 50 लाख रुपये के एक टेंडर को लेकर नया विवाद सामने आया है। टेंडर क्रमांक 152168 में कथित अनियमितता और दस्तावेजों में हेरफेर के आरोप लगाते हुए टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए गए हैं। आरोपों के केंद्र में अधीक्षण अभियंता टी.आर. कुजाम की भूमिका भी बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, संबंधित टेंडर में श्रीजी इलेक्ट्रिकल्स नामक फर्म को पात्र घोषित किया गया। आरोप है कि अधीक्षण अभियंता की नोटशीट में यह उल्लेख किया गया कि फर्म ने उद्यम रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है। इसी आधार पर फर्म को सीजी पीडब्ल्यूडी पंजीयन और इलेक्ट्रिकल लाइसेंस की अनिवार्यता से छूट देते हुए टेंडर में क्वालिफाई कर दिया गया। हालांकि, शिकायतकर्ताओं का दावा है कि टेंडर के

साथ जमा किए गए दस्तावेजों में श्रीजी इलेक्ट्रिकल्स द्वारा उद्यम रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र प्रस्तुत ही नहीं किया गया था। ऐसे में टेंडर की शर्तों के अनुसार फर्म को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए था। इसके बावजूद करीब 50 लाख रुपये का कार्य उसी फर्म को आवंटित किए जाने पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले को लेकर विभाग की दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया और टेंडर मूल्यांकन प्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई है। आरोप है कि नोटशीट में किए गए कथित उल्लेख के आधार पर नियमों को दरकिनार कर फर्म को लाभ पहुंचाया गया।

यदि आरोपों की निष्पक्ष जांच में पुष्टि होती है, तो यह मामला सरकारी टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता का उदाहरण माना जा सकता है। फिलहाल इस पूरे प्रकरण पर लोक निर्माण विभाग अथवा संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

संपादकीय

क्या नितिन गडकरी की E20 नीति की वजह से खराब हो रही हैं गाड़ियां?

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पर इन दिनों चौतरफा हमले हो रहे हैं। कभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ई20 पेट्रोल को वाहनों की खराबी का कारण बताया जा रहा है, तो कभी सड़कों पर उतरने की चेतावनी देकर केंद्र सरकार की एथनॉल नीति के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, जो लंबे समय से एथनॉल मिश्रित ईंधन को भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम बताते रहे हैं, अब उसी नीति को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में हैं।

हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है। मनीष का दावा है कि उनकी दो महीने पुरानी और लगभग 12 हजार किलोमीटर चली गाड़ी का इंजन अचानक खराब हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्यूल टैंक से निकाले गए पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल और अशुद्धियां मिलीं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह काफी भावुक नजर आए और बोले कि लाखों रुपये खर्च कर खरीदी गई गाड़ी इतनी जल्दी खराब हो जाना गंभीर चिंता का विषय है।

देखा जाये तो मनीष कश्यप अकेले नहीं हैं। देशभर में हजारों वाहन मालिक माइलेज घटने, इंजन परफॉर्मेंस कम होने और वाहनों में तकनीकी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। कई वीडियो में गुलाबी रंग का पेट्रोल, टंकी में पानी जैसी परत और अन्य अशुद्धियां दिखाकर दावा किया जा रहा

है कि पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा तय सीमा से अधिक है। हालांकि सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय इन दावों को खारिज कर रहे हैं।

इस विवाद ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप भी ले लिया है। राजनीतिक विश्लेषक तहसीन पूनावाला ने दिल्ली के जंतर मंतर पर ई20 नीति के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। 'टीम भारत अगेंस्ट द एथनॉल स्कैम' के बैनर तले प्रस्तावित इस प्रदर्शन को एथनॉल नीति के खिलाफ पहला बड़ा सार्वजनिक आंदोलन बताया जा रहा है। पूनावाला का कहना है कि लोग एथनॉल नीति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसकी जल्दबाजी में की गई क्रियान्वयन प्रक्रिया और उपभोक्ताओं को विकल्प न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली तो कुछ लोग नितिन गडकरी के आवास के बाहर धरने पर बैठ सकते हैं।

देखा जाये तो विवाद केवल वाहन खराबी तक सीमित नहीं है। एक उद्योगपति ने भी सरकार की ई20 नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई का हवाला देते हुए कहा कि सरकार जनता के सामने इस योजना को पूरी तरह सफल बता रही है, लेकिन अदालत में इसे अभी भी 'चल रहा प्रयोग' बताया गया। हालांकि बाद में अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने इस दावे को गलत बताया। वहीं उक्त उद्योगपति का कहना है कि असली चिंता उन उद्योगों और निवेशकों की है जिन्होंने सरकार की नीति पर भरोसा करके एथनॉल संयंत्रों में अरबों रुपये का निवेश किया। यदि एथनॉल की खरीद और मांग ही निश्चित नहीं है, तो निवेशकों को किस भरोसे निवेश के लिए प्रेरित किया गया। ऊर्जाएवं उपयोगी सेवाएं

हम आपको बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश से जुड़ा था, जिसमें एथनॉल आवंटन प्रक्रिया को दोबारा खोलने की बात कही गई थी। इस सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठा कि सरकार द्वारा एथनॉल खरीद की बाध्यता वास्तव में कितनी मजबूत है। आलोचकों का कहना है कि यदि खरीद केवल 'सर्वश्रेष्ठ प्रयास' के आधार पर होगी तो उद्योगों की वित्तीय स्थिरता पर खतरा पैदा हो सकता है।

सोशल मीडिया पर कई लोगों ने एथनॉल नीति के आर्थिक और कृषि प्रभावों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ई20 कार्यक्रम भारत को विदेशी मक्के और उससे बने उत्पादों पर अधिक निर्भर बना सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी आरोप लगाया है कि यह नीति अब किसान केंद्रित कम और आयात आधारित ढांचे जैसी अधिक दिखाई देने लगी है।

सूखती धरती, बढ़ती प्यास : जल दिवालियापन की ओर बढ़ता भारत

डॉ. सत्यवान सौरभ

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, सभ्यता, आर्थिक विकास, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन का आधार है। मानव इतिहास की अधिकांश महान सभ्यताएँ नदियों के किनारे विकसित हुईं, क्योंकि जल ही जीवन और समृद्धि का मूल स्रोत रहा है। किंतु इक्कीसवीं शताब्दी में जल संसाधनों पर बढ़ते दबाव ने विश्व के अनेक देशों के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। भारत इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या का भार वहन करने वाला भारत विश्व के केवल लगभग 4 प्रतिशत मीठे जल संसाधनों का स्वामी है। बढ़ती जनसंख्या, तीव्र शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक दोहन, जल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा जल प्रबंधन की संरचनात्मक कमियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है जहाँ केवल जल संकट की बात करना पर्याप्त नहीं रह गया है। अनेक विशेषज्ञों का मत है कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियाँ जारी रहीं तो भारत जल संकट से आगे बढ़कर जल दिवालियापन की स्थिति में पहुँच सकता है। जल दिवालियापन वह अवस्था है जब उपलब्ध जल संसाधन प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता से अधिक दोहन के कारण समाप्तप्राय हो जाएँ, जल की गुणवत्ता इतनी खराब हो जाए कि उसका उपयोग कठिन हो जाए तथा समाज, कृषि, उद्योग और पारिस्थितिकी की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव न रह जाए।

भारत में प्रति व्यक्ति वार्षिक जल उपलब्धता स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में पाँच हजार घन मीटर से अधिक थी, जो लगातार घटते-घटते जल तनाव की सीमा के निकट पहुँच चुकी है। अनेक महानगर समय-समय पर पेयजल संकट का सामना कर चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है। अनेक नदियाँ प्रदूषण के कारण जीवनदायिनी के बजाय प्रदूषण वाहक बनती जा रही हैं। वर्षा की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संकट केवल प्राकृतिक कारणों से उत्पन्न नहीं हुआ, बल्कि जल प्रबंधन की दीर्घकालिक कमजोरियों, नीतिगत असंतुलनों और सामाजिक व्यवहारों का परिणाम भी है।

भारत की सबसे बड़ी समस्या भूजल पर अत्यधिक निर्भरता है। देश विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपयोगकर्ता है। सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए लाखों की संख्या में ट्यूबवेल संचालित हैं। कई राज्यों में मुफ्त अथवा अत्यधिक सब्सिडी वाली बिजली ने भूजल दोहन को और प्रोत्साहित किया है। जल निकासी की तुलना में पुनर्भरण बहुत कम होने के कारण भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। अनेक क्षेत्रों में कुएँ और हैंडपंप सूख चुके हैं तथा किसानों को अधिक गहराई तक बोरिंग करनी पड़ रही है। इससे ऊर्जा लागत बढ़ रही है और छोटे किसान आर्थिक संकट में फँस रहे हैं। कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक तथा नाइट्रेट की मात्रा बढ़ने से सार्वजनिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है।

जल प्रबंधन की दूसरी बड़ी कमजोरी वर्षा जल के समुचित संचयन का अभाव है। भारत में अधिकांश वर्षा कुछ ही महीनों में होती है, किंतु उसका बड़ा भाग नदियों के माध्यम से समुद्र में चला जाता है। यदि इस जल का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण और पुनर्भरण किया जाए तो भूजल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दुर्भाग्यवश पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे तालाब, बावड़ियाँ, जोहड़, कुएँ और झीलें उपेक्षा, अतिक्रमण और प्रदूषण का शिकार हो गई हैं। शहरी

क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को कानूनी रूप से अनिवार्य तो बनाया गया है, परंतु उसका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी सीमित है।

जल प्रदूषण भी जल संकट को जल दिवालियापन की दिशा में ले जाने वाला प्रमुख कारण है। देश की अधिकांश नदियाँ घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरे तथा कृषि रसायनों से प्रभावित हैं। बड़ी मात्रा में बिना उपचारित सीवेज प्रतिदिन नदियों में छोड़ा जाता है। अनेक उद्योग पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करते। परिणामस्वरूप उपलब्ध जल की गुणवत्ता निरंतर गिर रही है। जल की मात्रा चाहे जितनी हो, यदि वह उपयोग योग्य नहीं है तो वास्तविक जल उपलब्धता स्वत: कम हो जाती है। यह स्थिति स्वास्थ्य, कृषि, मत्स्य पालन और जैव विविधता सभी के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है।

कृषि क्षेत्र में जल का अत्यधिक और अल्पदक्ष उपयोग भी वर्तमान संकट का एक महत्त्वपूर्ण कारण है। भारत के कुल मीठे जल का लगभग अस्सी प्रतिशत भाग कृषि में प्रयुक्त होता है, किंतु सिंचाई की दक्षता अभी भी निम्न है। अधिकांश क्षेत्रों में पारंपरिक बाढ़ सिंचाई पद्धति अपनाई जाती है, जिसमें बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ बह जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा सरकारी खरीद की नीतियों ने कई राज्यों में धान और गन्ने जैसी अत्यधिक जल-आवश्यक फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया है, जबकि उन क्षेत्रों की जल उपलब्धता इसके अनुकूल नहीं है। इससे भूजल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और दीर्घकाल में कृषि की स्थिरता भी प्रभावित होती है।

शहरी जल प्रबंधन भी गंभीर कमियों से ग्रस्त है। तेजी से बढ़ते शहरों में पाइपलाइन से जल की भारी हानि होती है। गैर-राजस्व जल की मात्रा कई नगरों में अत्यधिक है। उपचारित अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग बहुत कम किया जाता है। झीलों और तालाबों पर अतिक्रमण होने से वर्षा जल का प्राकृतिक संचयन समाप्त हो रहा है। विडंबना यह है कि एक ओर शहरों में वर्षा के समय जलभराव होता है और दूसरी ओर गर्मियों में वही शहर जल संकट से जूझते हैं। यह दर्शाता है कि हमारी जल प्रबंधन प्रणाली प्राकृतिक जल चक्र के अनुरूप विकसित नहीं हो सकी है।

जल प्रबंधन की एक अन्य संरचनात्मक कमजोरी संस्थागत विखंडन है। जल से संबंधित कार्य अनेक मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों में विभाजित हैं। सिंचाई, पेयजल, भूजल, नदी संरक्षण, शहरी जलापूर्ति और पर्यावरण संरक्षण अलग-अलग संस्थाओं के अधीन हैं। इनके बीच समन्वय का अभाव समेकित जल नीति के निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करता है। नदी बेसिन आधारित योजना के स्थान पर प्रशासनिक सीमाओं के आधार पर जल प्रबंधन किया जाता है, जिससे संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग नहीं हो पाता।

जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा बना दिया है। मानसून की अनिश्चितता, अल्प अवधि में अत्यधिक वर्षा, लंबे शुष्क काल, हिमालयी हिमनदों के पिघलने तथा तापमान वृद्धि ने जल चक्र को प्रभावित किया है। इससे बाढ़ और सूखे दोनों की आवृत्ति तथा तीव्रता बढ़ी है। जल संसाधनों की योजना यदि पुराने जलवायु पैटर्न के आधार पर बनाई जाएगी तो भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति संभव नहीं होगी।

इन सभी चुनौतियों के कारण जल संकट केवल संसाधन संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा व्यापक प्रश्न बन चुका है। जल की कमी से कृषि उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे खाद्यान्न सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उद्योगों की उत्पादन क्षमता घट सकती है। जलजनित रोगों का प्रसार बढ़ सकता है। राज्यों और क्षेत्रों के बीच जल विवाद तीव्र हो सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर पलायन होने की संभावना भी बढ़ सकती है। अत: जल सुरक्षा को राष्ट्रीय विकास की केंद्रीय प्राथमिकता बनाना समय की आवश्यकता है।

इस चुनौती का समाधान केवल नए बाँध बनाने या अधिक भूजल निकालने से संभव नहीं है। इसके लिए जल प्रबंधन की संपूर्ण सोच में परिवर्तन आवश्यक है। सबसे पहले जल को एक सीमित और मूल्यवान प्राकृतिक संपदा के रूप में स्वीकार करना होगा। जल संसाधनों का प्रबंधन नदी बेसिन आधारित समेकित दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए, जिसमें सतही जल, भूजल, वर्षा जल और पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं को एक साथ ध्यान में रखा जाए। प्रत्येक नदी घाटी के लिए वैज्ञानिक जल बजट तैयार किया जाए और उसी के अनुसार जल उपयोग की योजना बनाई जाए।

भूजल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र में भूजल निकासी और पुनर्भरण का वैज्ञानिक आकलन किया जाए। जलभृतों का मानचित्रण, डिजिटल निगरानी तथा सामुदायिक भागीदारी पर आधारित भूजल शासन विकसित किया जाए। जहाँ भूजल का स्तर अत्यधिक गिर चुका है वहाँ निकासी पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जाए तथा कृत्रिम पुनर्भरण की योजनाओं को व्यापक रूप से लागू किया जाए।

वर्षा जल संचयन को राष्ट्रीय जनांदोलन बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक भवन, विद्यालय, उद्योग और सरकारी संस्थान में वर्षा जल संचयन प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। गाँवों में तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों तथा अन्य पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन किया जाए। स्थानीय समुदायों को इनके संरक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाए ताकि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बन सके।

बरसात: सिर्फ मौसम नहीं, मनुष्य के भीतर उतरती एक ऋतु

वीरेंद्र बहादुर सिंह

'बरसात का बादल तो दीवाना है क्या जाने, किस राह से बचना है, किस छत को भिगोना है।' निदा फ़ाजली का यह शेर केवल वर्षा का चित्र नहीं खींचता, बल्कि मानसून के स्वभाव को भी व्यक्त करता है। बारिश किसी नियम से नहीं आती, वह अपने साथ स्मृतियां, उम्मीदें, प्रेम, विरह और जीवन का नया उत्साह लेकर आती है।

गुजराती कवि संजू वाला अपनी कविता में मानसून के आगमन का ऐसा चित्र रचते हैं, जिसमें बादल किसी वीर योद्धा की तरह आकाश पर छा जाते हैं। उनकी गर्जना सिंह की दहाड़ जैसी लगती है और बिजली तलवार की चमक बन जाती है। तपती धरती महीनों से बादलों की राह देखती रहती है। सूखी मिट्टी की हर दरार मानो वर्षा के लिए प्रार्थना करती है। लेकिन बारिश कब आएगी, कहां बरसेगी और किसे तृप्त करेगी, इसका अनुमान कोई नहीं लगा सकता। कभी एक गांव में मूसलाधार वर्षा होती है, तो पास का गांव सूखा रह जाता है।

बरसात के आने से पहले जो उमस, ठंडी हवा और बादलों से घिरा आकाश बनता है, उसे हिंदी में वर्षा की आहट कहा जाता है। यह केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक पूरा अनुभव है। आधुनिक जीवन में ऐसे अनेक सुंदर शब्द हमारी भाषा से धीरे-धीरे गायब होते जा रहे हैं। भाषा जितनी समृद्ध होती है, प्रकृति के प्रति हमारा अनुभव भी उतना ही गहरा होता है।

बारिश केवल खेतों को हरा नहीं करती, वह मनुष्य के भीतर भी हरियाली उगा देती है। धरती पर बिखरी हरियाली हमें याद दिलाती है कि प्रकृति बिना किसी स्वार्थ के जीवन का निर्माण करती रहती है। पेड़ों की पत्तियां, उनमें मौजूद हरितद्रव्य और सूर्य के प्रकाश से बनता जीवन किसी कारखाने से कम नहीं, लेकिन यह उत्पादन लाभ के लिए नहीं, अस्तित्व के लिए होता है।

बारिश के बाद खपरैल की छत से गिरती बूंदें, खिड़की की रेलिंग पर मोतियों की तरह सजी जलकणों की कतार और पेड़ों से टपकती बूंदें मानो यह घोषणा करती हैं कि प्रकृति अभी-अभी यहां से होकर गुजरी है।

बरसात की बूंदों में एक ऐसा संगीत छिपा होता है, जिसे केवल महसूस किया जा सकता है।

एक पाठिका की कल्पना वर्षा को और भी व्यापक अर्थ देती है। वह चाहती है कि बारिश उसके मन के सारे दुख, थकान और बनावटी रिश्तों को बहा ले जाए। वह केवल भीगना नहीं चाहती, बल्कि स्वयं बारिश बन जाना चाहती है, ऐसी बारिश, जो मिट्टी में मिलकर, नदियों में बहकर, समुद्र तक पहुंचकर फिर जीवन का हिस्सा बन जाए। यही मानसून का सबसे बड़ा संदेश है, पुराने को धोकर नए जीवन की शुरुआत करना।

बारिश का अर्थ हर व्यक्ति के लिए अलग होता है। किसी किसान के लिए यह अच्छी फसल और पूरे वर्ष की आजीविका का भरोसा है, तो शहर में रहने वाले किसी कर्मचारी के लिए ट्रैफिक जाम और देर से घर पहुंचने की चिंता। बच्चों के लिए बारिश पानी में छप-छप करने का उत्सव है, जबकि बुजुर्गों के लिए फिसलन से बचकर चलने की सावधानी। किसी प्रेमी के लिए यह साथ बिताए गए पलों का संगीत है, तो किसी अकेले व्यक्ति के लिए स्मृतियों का दर्द।

कवि हर्षद चंदाराणा लिखते हैं कि हर बारिश एक जैसी नहीं होती। एक बारिश घर में घुसकर परेशानी बन जाती है, तो दूसरी रूठे हुए लोगों के बीच की चुप्पी तोड़ देती है। एक बारिश पहाड़ों को धोकर उन्हें नया रूप देती है, दूसरी सूखी धरती में जीवन का अंकुर फोड़ देती है। यही वर्षा का चमत्कार है, वह केवल पानी नहीं बरसाती, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार अपना अर्थ बदल लेती है।

बोध कथा

महानता और संपूर्णता का आधार है संतुलित जीवन

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। राजपुर नामक एक सुंदर राज्य में अर्जुन नाम का एक बुद्धिमान व्यापारी रहता था। वह अपने व्यापार में अत्यंत सफल था, लेकिन उसे हमेशा अधिक धन कमाने की लालसा रहती थी। इसी कारण, वह दिन-रात काम करता और अपने परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा करता था। एक दिन, वह एक संत के पास पहुंचा और बोला, 'महाराज, मैंने जीवन में बहुत धन कमाया है, लेकिन फिर भी मन अशांत रहता है। कृपया मुझे शांति का मार्ग दिखाएं। संत मुस्कुराए और उसे एक जलपात्र दिया, जो पानी से भरा हुआ था। उन्होंने अर्जुन से कहा, इसे लेकर इस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलो, लेकिन ध्यान रहे कि एक भी बूंद पानी गिरे नहीं। अर्जुन बहुत सावधानी से चलने लगा। जब वह संत के पास लौटा तो संत ने पूछा- क्या तुमने रास्ते के सुंदर पेड़, चहकते पक्षी और ठंडी हवा का आनंद लिया? अर्जुन ने उत्तर दिया- नहीं महाराज, मैं तो केवल इस पात्र को संभालने में लगा रहा, ताकि पानी गिर न जाए। संत मुस्कुराए और बोले- यही तुम्हारी समस्या है। तुम केवल धन कमाने में इतने व्यस्त हो कि जीवन के बाकी पहलुओं का आनंद नहीं ले पा रहे। जीवन में सच्ची शांति और आनंद पाने के लिए संतुलन आवश्यक है - कार्य, परिवार, स्वास्थ्य और आध्यात्मिकता में समरसता होनी चाहिए। अर्जुन को अपनी भूल का अहसास हुआ। उसने निश्चय किया कि अब वह केवल धन ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, स्वास्थ्य और आत्मिक शांति का भी ध्यान रखेगा। कहने का भाव यही है कि जीवन में जब हम हर पहलु और पक्ष का ध्यान रखते हैं, जीवन के उतार-चढ़ाव के बीच साक्षी भाव से जीवन में घटने वाली हर परिस्थिति में समान रहते हैं ।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

मंदिरों में सरकार - भगवान भी फ़ाइलों में!

अशोक मतवाला

कहते हैं भगवान सबके मालिक हैं। लेकिन लगता है अब उन्हें भी अपनी ही संपत्ति देखने के लिए आवेदन-पत्र भरना पड़ेगा। मंदिर में प्रवेश से पहले शायद कोई बाबू पूछ बैठे— 'भगवान से मिलने आए हैं? पहले टोकन लीजिए, फिर खिड़की नंबर तीन पर हस्ताक्षर कराइए।

सुना है सरकार मंदिरों का प्रबंधन बेहतर करना चाहती है। यह सुनकर भगवान मुस्कुराए होंगे— 'वत्स! पहले धरती का प्रबंधन तो ठीक कर लो, फिर मेरी चिंता करना।

अब कल्पना कीजिए कि मंदिर भी सरकारी दफ्तर बन जाए। घंटी बजाने के लिए परमिट, आरती के लिए ऑनलाइन स्लॉट, प्रसाद लेने के लिए आधार लिंक और दर्शन के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन। यदि नेटवर्क बैठ गया तो भगवान भी 'सर्वर डाउन' की कृपा में लीन हो जाएँ।

दानपात्र के पास एक बोर्ड लगा होगा— 'दान देकर रसीद लेना न भूलें। बिना रसीद का पुण्य अगले वित्तीय वर्ष में समायोजित नहीं किया जाएगा।

भक्त भी कम नहीं हैं। पहले भगवान से संतान, नौकरी और सुख-समृद्धि माँगते थे। अब प्रार्थना बदल जाएगी— 'हे प्रभु! मेरी फ़ाइल बिना आपत्ति के पास करा देना।

भगवान बेचारे सोच रहे होंगे कि पहले लोग सीधे दिल से बात करते थे। अब हर बात नोटशीट पर लिखी जा रही है।

मुझे तो डर इस बात का है कि कहीं एक दिन भगवान को भी कार्यालय समय का पालन न करना पड़े। सुबह नौ बजे हाज़िरी, शाम पाँच बजे छुट्टी। मंगलवार को निरीक्षण, गुरुवार को ऑडिट और शनिवार को विशेष समीक्षा बैठक। रविवार को अवकाश इसलिए नहीं कि भगवान आराम करेंगे, बल्कि इसलिए कि दफ्तर बंद रहेगा।

अगर यही चलता रहा तो किसी दिन मंदिर के बाहर बोर्ड टंगा मिलेगा— 'भगवान आज प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यस्त हैं। असुविधा के लिए खेद है।'

सबसे मज़ेदार दृश्य तब होगा जब नारद मुनि स्वर्ग से आएँगे और उनसे कहा जाएगा, 'पहले विज़िटर पास बनवाइए। बिना अनुमति अंदर जाना नियमों के विरुद्ध है।

आस्था का मूल्य लेखा-जोखा नहीं होता। मंदिर श्रद्धा का स्थान है, जहाँ मन झुकता है, सिर नहीं गिना जाता। व्यवस्था होनी चाहिए, पारदर्शिता भी होनी चाहिए, लेकिन इतनी भी नहीं कि भगवान स्वयं अपनी पहचान साबित करते फिरें।

वरना वह दिन दूर नहीं जब भगवान मुस्कुराकर कहेंगे— 'वत्स! इस ब्रह्मांड का सृजन तो मैंने किया था, पर मेरे ही मंदिर का नियंत्रण अब किसी और के पास है। मैं भी दर्शन के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेकर आता हूँ।'

और भक्त हाथ जोड़कर कहेगा— 'प्रभु! कृपा तो आप ही करना... बाकी फ़ाइल तो सरकार देख ही लेगी!'

मंदिर में सरकार है, भक्त हुए लाचार।

दान चढ़े भगवान को, बैठे लें दरबार।

बैठे लें दरबार, तिजोरी किसकी होगी?

श्रद्धा रोए मौन, भला यह कैसी जोगी?

कहे 'मतवाला', सोचो यह कैसा व्यवहार,

भगवान हैं मेहमान, मंदिर में सरकार।

(विक्टोरिया, टेक्सास अमेरिका)

इतिहास

6 जुलाई को इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं। आज ही के दिन 1885 में महान वैज्ञानिक लुई पाश्चर ने रेबीज के टीके का पहला सफल मानव परीक्षण किया था ?साथ ही, 1944 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने रेडियो प्रसारण के जरिए महात्मा गांधी को पहली बार 'राष्ट्रपिता' कहकर संबोधित किया था ?6 जुलाई के दिन इतिहास में घटी अन्य प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं:1189: इंग्लैंड के राजा रिचर्ड प्रथम का राज्याभिषेक हुआ ?1901: भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म हुआ ?1942: 'भारत छोड़ो' आंदोलन को कार्य समिति की मंजूरी मिली ।1964: मलावी को ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त हुई ।इतिहास की इन और ऐसी ही अन्य प्रमुख घटनाओं के बारे में विस्तार से जानने के लिए, आप आज तक के इतिहास खंड और हिस्ट्री.कॉम की वेबसाइट पर जा सकते हैं।

मिर्च पावडर आंखो में झोंक कर लुटपाट करने वाला गिरोह दबोचा गया

चर्चित राज ज्वेलर्स छुरी लुट प्रकरण का खुलासा

विश्व केसरी■

कोरबा (बबलू श्रीवास)। थाना कटघोरा छुरीकला में पिछलें दिनों में राज ज्वेलर्स में हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलास कर दिया है । मामले में दो आरोपियों गिरफ्तारी की जा चुकी है जबकि एक आरोपी फरार बताया जा रहा है जिसकी तलाश पुलिस ने शुरू कर दी है ।

पुलिस ने खुलासा करते हुऐ बताया कि प्रार्थी राजकुमार अग्रवाल निवासी वार्ड क्रमांक-10, छुरीकला, थाना कटघोरा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 01 जुलाई को दोपहर लगभग 01:00 बजे वे अपनी राज ज्वेलर्स दुकान में अकेले मौजूद थे। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल से तीन व्यक्ति ग्राहक बनकर दुकान में पहुंचे। तीनों ने अपनी पहचान छिपाने के उद्देश्य से गमछे से चेहरा ढंक रखा था, जिनमें दो पुरुष एवं एक महिला के भेष में शामिल थी।

आरोपियों ने पहले चांदी की अंगूठी दिखाने के बहाने दुकानदार को काउंटर तक बुलाया। इसी दौरान एक आरोपी ने दुकान का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया तथा दूसरे आरोपी ने देशी कट्टा निकालकर प्रार्थी की छाती पर अड़ा दिया। साथ ही उसकी आंखों में मिर्च पाउडर डालने का प्रयास किया। छीना-झपटी के दौरान आरोपी दुकान में रखे आभूषण अपने बैग में भरने लगी। तीनों आरोपियों ने संयुक्त रूप से दुकान में रखे सामान की लूट का प्रयास किया, किन्तु बाहर लोगों की भीड़ एकत्रित होने पर वे मौके से भाग निकले। भागते समय वे अपने साथ लाया गया देशी कट्टा एवं बिना नंबर प्लेट की चोरी की मोटरसाइकिल घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस की त्वरित एवं तकनीकी कार्रवाई घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा के निर्देश पर तत्काल विशेष टीम गठित की गई। टीम को विभिन्न जिलों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में आरोपियों की तलाश हेतु रवाना किया गया। शहर एवं आसपास लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया तथा तकनीकी साक्ष्यों एवं साइबर विश्लेषण के आधार पर आरोपियों की लगातार पतासाजी की गई।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी पुलिस से बचने के लिए जंगल के रास्तों का उपयोग कर रहे थे। पुलिस टीम ने जशपुर, पत्थलगांव, धरमजयगढ़, सीतापुर एवं अंबिकापुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगातार दबिश दी। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल चोरी की होना भी जांच में पाया गया।

मुखबिर से प्राप्त सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घटना में शामिल गोपाल सिंह गोंड, परदेशी राठिया एवं विष्णु राठिया की पहचान की गई।

मल्टी-परपस हॉल के लिए निविदा को मंजूरी

खेलो इंडिया के तहत 13.74 करोड़ की लागत से बनेगा हॉल

विश्व केसरी■

बिलासपुर. (अमित मिश्रा)। राज्य शासन ने बिलासपुर में खेलो इंडिया योजना के तहत बनने वाले मल्टी-परपस हॉल के निर्माण के लिए 13 करोड़ 77 लाख रुपए की निविदा को मंजूरी दे दी है। इस राशि से हॉल के निर्माण के साथ ही विद्युतीकरण और बाउंड्रीवॉल निर्माण के काम भी किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने लोक निर्माण विभाग के बिलासपुर संभाग क्रमांक-2 के कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित समयावधि में काम पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए मापदंडों के अनुरूप इसका निर्माण सुनिश्चित करने को कहा है।

लोक निर्माण विभाग ने कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित कार्य का संपादन और पर्यवेक्षण विभागीय मापदंडों के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्य किसी अन्य को सब-लेट नहीं किया जाएगा तथा कार्य संपादन के लिए पावर-ऑफ-अटॉर्नी मान्य नहीं होगी। राज्य शासन ने अनुबंध से पहले ठेकेदार से संपूर्ण कार्यावधि के लिए एपीएस की राशि की बैंक गारंटी प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं।

एलआईसी ऑफिस में सुरक्षाकर्मी की मिली लाश

विश्व केसरी■

कोरबा (बबलू श्रीवास)। एलआईसी ऑफिस कोरबा में सुबह एक सुरक्षाकर्मी को फांसी के फंदे में लटकते पाया गया है मौके पर सूचना के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है । प्रारंभिक जानकारी में मृतक का नाम विनोद सोनवानी बताया गया है जो आरामशीन का रहने वाला था ।

पुलिस सुत्रों ने बताया है कि सोमवार की सुबह फोन करने के बावजूद भी फोन नहीं उठाने पर उसके पिता पहुंचे उसके ऑफिस तब मामले का हुआ खुलासा। घटना की सूचना मिलते ही एलआईसी ऑफिस के अधिकारी कर्मचारी पहुंचे मौके पर पुलिस को दी गई सूचना। सिविल लाइन थाना पुलिस पहुंची मौके पर जहां आगे की जांच कार्यवाही में जुटी। परिजनों और अधिकारियों से लिया जा रहा है बयान। घटनास्थल से मिले हैं आपत्तिजनक सामान पुलिस ने किया जप्त। सिविल लाइन थाना प्रभारी आस्था शर्मा ने बताया कि परिजनों का बयान दर्ज किया जा रहा है मृतक ने यह आत्मघाती कदम क्यू कैसे और किन परिस्थितियों में उठाया है यह भी जांच का विषय है।

तुरतुरिया धाम में बाढ़, 200 श्रद्धालुओं का साहसिक रेस्क्यू

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार(भुवन पटेल)। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने रविवार को प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मातागढ़ तुरतुरिया धाम में भयावह स्थिति पैदा कर दी। बालमदेही नदी में अचानक आए तेज उफान ने वहां दर्शन करने पहुंचे 200 से अधिक श्रद्धालुओं और पर्यटकों को नदी के दूसरी ओर फंसा दिया। कुछ ही मिनटों में सामान्य बहाव वाली नदी विकराल रूप धारण कर गई और चारों ओर चीख-पुकार, अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। हालात ऐसे थे कि जरा-सी चूक सैकड़ों लोगों की जान पर भारी पड़ सकती थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रद्धालु दर्शन कर लौटने की तैयारी में थे, तभी तेज बारिश के कारण बालमदेही नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। देखते ही देखते नदी ने रास्ते को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया और दोनों ओर का संपर्क टूट गया। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और पर्यटक नदी के उस पार फंस गए। पानी का बहाव इतना तेज था कि स्वयं बाहर निकलना किसी के लिए भी संभव नहीं था।

घटना की सूचना मिलते ही कसडोल थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बिना समय गंवाए राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया। उफनती नदी, फिसलन भरे पथरीले रास्ते और लगातार हो रही बारिश के बीच पुलिस जवानों ने जान जोखिम में डालकर एक-एक श्रद्धालु को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू किया। पूरे अभियान के दौरान

पुलिस टीम ने धैर्य, साहस और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सबसे भावुक दृश्य तब देखने को मिला जब चलने-फिरने में असमर्थ बुजुर्ग महिलाओं और वृद्धों को पुलिस जवानों ने अपने कंधों पर उठाकर नदी और पथरीले रास्तों को पार कराया। छोटे बच्चों को गोद में लेकर तथा महिलाओं को सहारा देते हुए सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया गया। कई घंटे तक चले इस अभियान में सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक संभावित बड़ा हादसा टल गया।

घटना के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी पुलिस का सहयोग किया। राहत अभियान पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली और पुलिस जवानों के साहसिक कार्य की जमकर सराहना की। लोगों का कहना था कि यदि राहत दल समय पर नहीं पहुंचता तो स्थिति भयावह हो सकती थी।

लगातार बारिश का असर जिले के अन्य क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। थाना गिधपुरी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अमेठी घाट में भी नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे आवागमन प्रभावित होने की सूचना है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान नदी-नालों को पार करने का प्रयास न करें तथा सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

तुरतुरिया धाम की यह घटना एक बार फिर चेतावनी है कि मानसून के दौरान नदी-नालों का जलस्तर कुछ ही मिनटों में खतरनाक स्तर तक पहुंच सकता है। समय पर पुलिस की सक्रियता, त्वरित रेस्क्यू और साहसिक कार्रवाई के कारण इस बार 200 से अधिक लोगों की जान बच गई। यह अभियान आपदा की घड़ी में पुलिस की तत्परता, साहस और मानवीय संवेदनशीलता का जीवंत उदाहरण बन गया।

महिला से सामूहिक दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

सक्ती। जिले के जैजैपुर थाना क्षेत्र में भीख मांगकर लौट रही एक महिला को बंधक बनाकर उसके साथ करीब 30 घंटे तक सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, महिला ने शिकायत में आरोप लगाया है कि भीख मांगकर लौटते समय दो युवकों ने उसे जबरन एक घर के भीतर खींच लिया।

आरोप है कि वहां उसे महुआ शराब पिलाकर बेहोश करने का प्रयास किया गया और बंधक बनाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलने के बाद महिला ने जैजैपुर थाना पहुंचकर

घटना की जानकारी दी।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने अपराध दर्ज होने के लगभग चार घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड की जमीन पर तोड़ फोड़ की कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवाल

हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर अवनीश शरण ने मामले की जांच के निर्देश

विश्व केसरी■

बिलासपुर(अमित मिश्रा)। नेहरू नगर स्थित छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड की जमीन पर बने सामुदायिक भवन को तोड़े जाने के मामले में एक माह बीत जाने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जबकि हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर अवनीश शरण ने मामले की जांच के निर्देश देते हुए भवन ध्वस्तीकरण से हुए करीब 80 लाख रुपये के नुकसान की भरपाई दोषियों से वसूलने के लिए कलेक्टर को पत्र लिखा है। कमिश्नर ने कलेक्टर संजय अग्रवाल को भेजे पत्र में 15 बिंदुओं पर जांच कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सिटी मजिस्ट्रेट, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारी की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई करने को कहा है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग, राजस्व विभाग और आवास एवं पर्यावरण विभाग को भी पत्र भेजा गया है।

पत्र के अनुसार, नेहरू नगर की 14.55 एकड़ भूमि वर्ष 1966 में सहकारी समिति से खरीदी गई थी, जबकि 8.31 एकड़ भूमि शासन से अधिग्रहित की गई थी। इसके बावजूद मूल मालिक छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड को नोटिस दिए बिना और उसका पक्ष सुने बिना सिटी मजिस्ट्रेट की ओर से आदेश जारी कर दिया गया। आरोप है कि इसी आदेश के आधार पर 2 जून को कुछ लोगों ने 60 वर्ष पुराने सामुदायिक भवन को तोड़ना शुरू कर दिया, जिससे बोर्ड को करीब 80 लाख रुपये का नुकसान हुआ।

कमिश्नर ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि मामले में भ्रामक राजस्व रिपोर्ट तैयार की गई और मानसेवी गृह निर्माण समिति तथा छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड को एक ही संस्था दर्शाने का प्रयास किया गया। ऐसे दस्तावेज तैयार करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की भी अनुशंसा की गई है।

मामला सामने आने के बाद हाउसिंग बोर्ड के हस्तक्षेप पर सिटी मजिस्ट्रेट रजनी भगत ने अपने पूर्व आदेश पर उसी दिन स्थगन (स्टे) लगा दिया। वहीं हाउसिंग बोर्ड की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी मोहम्मद अली के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। हालांकि सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर ने स्पष्ट रूप से जांच, जिम्मेदारी तय करने और 80 लाख रुपये की वसूली के निर्देश दिए हैं, तो एक महीने बाद भी दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? आखिर सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान की जिम्मेदारी कौन तय करेगा और प्रशासन कब जवाबदेही सुनिश्चित करेगा?

धान खरीदी में दोहरा न्याय, तीन केंद्रों पर एफआईआर और बाकी पर प्रशासन की रहस्यमयी चुप्पी

विश्व केसरी■

कवर्धा। (जगदंबिका साहु) जिला में धान खरीदी व्यवस्था को लेकर एक बार फिर प्रशासन की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। जिला स्तर की आधिकारिक सोसायटी रिपोर्ट के अनुसार जिले के 108 धान उपार्जन केंद्रों में कुल 63,72,351.20 क्विंटल धान की खरीदी हुई, जिसमें से 59,063.36 क्विंटल धान का उठाव अभी भी शेष है। इसके बावजूद कठोर कार्रवाई केवल सहसपुर लोहारा, बम्हनी और पेंड्रीकला उपार्जन केंद्रों तक सीमित रहना प्रशासन की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार प्राप्त आंकड़े बताते हैं कि कई उपार्जन केंद्रों में सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों क्विंटल धान का उठाव लंबित है। कामठी में 3,326.36 क्विंटल, पेंड्रीकला में 2,674.98 क्विंटल, उसरवाही में

2,373.14 क्विंटल, समनापुर-बम्हनी (बोड़ला) में 2,186.52 क्विंटल तथा सुरजपुरा में 2,144.25 क्विंटल धान का उठाव शेष है। इसके अलावा समनापुर में 1,676.01, बोदा (तरेगांव जंगल) में 1,634.23, बिडौरा-रक्से में 1,420.67 तथा कुकदुर में 1,406.74 क्विंटल धान अब भी रिकॉर्ड में लंबित है।

इतना ही नहीं, बैजलपुर, जुनवानी, रणवीरपुर, वीरेन्द्रनगर, कुरुवा, चारभाठा, सहसपुर लोहारा, सरईसेत, राजानवागांव, गोछियां, सारंगपुर, रणजीतपुर, मोहगांव, कोदवागोड़ान, बिडौरा, ठाठापुर, प्रभाटोला, क्षीरबांधा, धरमगढ़, कृतबांधा, पनेका, मोतीमपुर, रौचन, बोड़ला और अनेक अन्य केंद्रों में भी सैकड़ों क्विंटल धान का उठाव शेष दर्ज है। इसके बावजूद इन केंद्रों पर किसी प्रकार की आपराधिक कार्रवाई सामने नहीं आई है।

यहीं से सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। यदि धान का उठाव शेष होना एफआईआर और आपराधिक कार्रवाई का आधार है, तो फिर यही नियम जिले के सभी 108 उपार्जन केंद्रों पर समान रूप से क्यों लागू नहीं किया गया आखिर ऐसा क्या कारण है कि केवल तीन केंद्रों पर कठोर कार्रवाई हुई और बाकी केंद्रों को राहत मिल गई क्या प्रशासन ने सभी मामलों की समान जांच की, या फिर कार्रवाई का पैमाना अलग-अलग तय किया गया।

प्रशासन यह दावा जरूर कर सकता है कि जिले में कुल उठाव 99.07 प्रतिशत हुआ है, लेकिन यह भी उतना ही बड़ा तथ्य है कि 59 हजार क्विंटल से अधिक धान अब भी उठाव की प्रतीक्षा में दर्ज है। इतने बड़े अंतर को केवल प्रतिशत के आंकड़ों में छिपाया नहीं जा सकता। जब सरकारी रिकॉर्ड स्वयं लंबित उठाव की पुष्टि कर रहा है, तब जिम्मेदार अधिकारियों, परिवहन एजेंसियों और संबंधित समितियों की जवाबदेही भी तय होना चाहिए। धान खरीदी जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में चयनात्मक कार्रवाई न केवल संदेह पैदा करती है, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की निष्पक्षता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि किसी केंद्र पर कमी पाए जाने पर एफआईआर दर्ज होती है, तो समान प्रकृति की स्थिति वाले अन्य केंद्रों पर भी समान कार्रवाई होना स्वाभाविक अपेक्षा है। अन्यथा यह संदेश जाता है कि नियम सभी के लिए समान नहीं हैं।

अब जिले के किसानों, सहकारी समितियों और आम नागरिकों के बीच यही चर्चा है कि क्या धान खरीदी में कार्रवाई भी चुनिंदा केंद्रों तक सीमित रहेगी, या फिर प्रशासन शेष 106 केंद्रों की भी निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करेगा। जब सरकारी दस्तावेज स्वयं हजारों क्विंटल धान के लंबित उठाव की पुष्टि कर रहे हैं, तब प्रशासन की यह रहस्यमयी चुप्पी कई नए सवालों को जन्म दे रही है।

कटघोरा को जिला बनाने की मांग तेज, अधिवक्ताओं ने निकाली रैली

विश्व केसरी■

कटघोरा। कटघोरा को जिला घोषित किए जाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। भारी बारिश के बीच अधिवक्ता संघ कटघोरा के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने कार रैली निकालकर सरकार का ध्यान इस लंबे समय से लंबित मांग की ओर आकर्षित किया।

कार रैली छिर्रा स्थित व्यवहार न्यायालय परिसर से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। यहां अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा और कटघोरा को शीघ्र जिला घोषित करने की मांग की।

अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश पाल ने कहा कि कटघोरा को जिला बनाना क्षेत्रवासियों का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता चुनाव के दौरान कटघोरा को जिला बनाने का वादा करते रहे हैं, लेकिन आज तक किसी भी सरकार ने इसे पूरा नहीं किया। संघ के सचिव अमित सिन्हा ने बताया कि अधिवक्ता संघ पिछले कई महीनों से इस मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दे रहा है। उनका कहना है कि कटघोरा प्रदेश की सबसे पुरानी तहसीलों में शामिल है ।

इसके बावजूद इसे अब तक जिले का दर्जा नहीं मिल सका। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी आश्वासन मिलने के बावजूद मांग पूरी नहीं हुई।

लगातार चौथे सत्र में बाजार में छाई हरियाली, सेंसेक्स 521 अंक चढ़कर बंद

विश्व केसरी ■

मुंबई। सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते हफ्ते पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 0.60 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 521.16 अंक यानी 0.67 प्रतिशत बढ़कर 78,285.07 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 159.50 अंकों यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,430.35 पर बंद हुआ।

दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,763.91 से 0.22 प्रतिशत यानी 176.98 अंकों की बढ़त के साथ 77,940.90 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 634.14 अंकों यानी 0.81 प्रतिशत की उछाल के साथ 78,398.06 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,270.85 से 0.14 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,306.85 पर खुला और दिन के कारोबार में यह 0.77 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,458.65 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.45 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो, विभिन्न क्षेत्रों का प्रदर्शन कुल मिलाकर सकारात्मक रहा, जिसमें निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 1.81 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.48 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो में 1.36 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस में 1.12 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी मेटल, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि इसके विपरीत, निफ्टी मीडिया सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 0.95 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद पीएसयू बैंक में 0.88 प्रतिशत और निफ्टी आईटी में 0.59 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एचडीएफसी बैंक, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, बजाज ऑटो और एमएंडएम शामिल रहे, जबकि नुकसान उठाने वाले शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, मैक्स हेल्थकेयर, टीसीएस, कोल इंडिया और बजाज फिनसर्व शामिल रहे।

सोने की सपाट शुरुआत, चांदी का दाम करीब आधा प्रतिशत बढ़ा

विश्व केसरी ■

मुंबई । सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को मिश्रित हुई। एक तरफ सोने करीब सपाट कारोबार कर रहा था,जबकि चांदी में करीब आधा प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही थी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 अगस्त 2026 के कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,47,378 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,47,135 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 9:52 पर यह 101 रुपए या 0.07 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 1,47,277 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,47,135 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,47,509 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर बनाया था। यह दिखाता है कि कीमती धातु एक सीमित दायरे में कारोबार कर रही थी।

चांदी का 4 सितंबर 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,37,410 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 1,017 रुपए या 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,36,393 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 1,267 रुपए या 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,36,143 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,36,001 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,37,676 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 1.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,173.24 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 2.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 62.29 डॉलर प्रति औंस पर थी।

इसके अतिरिक्त, हाल ही में आई वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट में बताया गया कि 2026 की दूसरी छमाही में सोने की कीमतें एक सीमित दायरे में रह सकती हैं, लेकिन अगर भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक जोखिम जैसे कारक बने रहते हैं, तो इसके ऊपर जाने की संभावना अधिक है।

भारत का व्यापक आर्थिक आधार मजबूत, वैल्यूएशन लंबी अवधि के औसत के करीब : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । विकासशील बाजारों में भारतीय शेयर बाजार एक अलग तरह के निवेश के मौके के तौर पर उभरा है, देश का व्यापक आर्थिक आधार मजबूत बना हुआ है। ऐसे में अगर निवेशक टेक्नोलॉजी शेयरों से हटकर आगे देखते हैं तो इसका फायदा भारत को मिल सकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

डीएसपी नेत्र की रिपोर्ट के अनुसार, एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स (ईएम) इंडेक्स 2021 के स्तर पर वापस आ गया है, लेकिन इस तेजी की वजह कुछ ही खास मार्केट और स्टॉक रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि जिन चार मार्केट का इंडेक्स में वेटेज 5 प्रतिशत से ज्यादा है, उनमें से भारत का वैल्यूएशन उसके लंबे समय के औसत वैल्यूएशन से 2.39 प्रतिशत कम है।

इसके उलट, ताइवान और दक्षिण कोरिया क्रमशः लगभग 85 प्रतिशत और 71 प्रतिशत के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं, जो एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स के 24.71 प्रतिशत के कुल प्रीमियम से ज्यादा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल ताइवान और दक्षिण कोरिया ने दूसरे उभरते बाजारों के मुकाबले काफी बेहतर प्रदर्शन किया है।

ताइवान और दक्षिण कोरिया के इस शानदार प्रदर्शन की वजह उभरते बाजारों के बुनियादी हालात में व्यापक सुधार के बजाय, ग्लोबल स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से चलने वाला सेमीकंडक्टर सेक्टर का उछाल है।

एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में टेक्नोलॉजी सेक्टर का वेटेज दिसंबर 2025 में 28.3 प्रतिशत से बढ़कर मई 2026 में 44.2 प्रतिशत हो गया, जबकि कम्युनिकेशन सर्विसेज, कंज्यूमर साइक्लिकल और हेल्थकेयर समेत ज्यादातर दूसरे सेक्टरों की हिस्सेदारी में गिरावट आई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि बेंचमार्क के 25.3 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न में अकेले प्रौद्योगिकी क्षेत्र का योगदान 25.6 प्रतिशत अंक रहा है। सूचकांक के लगभग 72 प्रतिशत लाभ केवल तीन सेमीकंडक्टर कंपनियों - ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी), सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स - से प्राप्त हुए हैं, जो मिलकर बेंचमार्क का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा बनाती हैं।डीएसपी के अनुसार, इस तरह की एकाग्रता एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स को एआई और सेमीकंडक्टर शेयरों के प्रति निवेशकों की भावना में किसी भी उलटफेर के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है।

गल्फ देशों की मांग से पोलाची का नारियल निर्यात बढ़ा, ढुलाई लागत अब भी चिंता में

विश्व केसरी ■

कोयंबटूर । तमिलनाडु के सबसे बड़े नारियल उत्पादन क्षेत्र पोलाची से नारियल के निर्यात में फिर से तेजी आने के संकेत मिल रहे हैं। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने और खाड़ी देशों से मांग दोबारा बढ़ने से किसानों और निर्यातकों को बड़ी राहत मिली है। पिछले कई महीनों से कारोबार प्रभावित था, लेकिन अब स्थिति में सुधार दिखाई दे रहा है।

खाड़ी देशों के प्रमुख बाजारों से नारियल निर्यात के लिए नई पूछताछ आने लगी है। इससे विदेशी व्यापार फिर से पटरी पर लौट रहा है, जो पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान लगभग पूरी तरह ठप हो गया था।

पोलाची से बड़ी मात्रा में नारियल खाड़ी देशों में निर्यात किया जाता है। लेकिन पिछले तीन महीनों में निर्यात में भारी गिरावट आई, जिससे व्यापारियों और किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा।

हालांकि, नारियल का निर्यात फिर से शुरू हो गया है, लेकिन इस क्षेत्र के सामने अभी भी कई चुनौतियां हैं। संघर्ष के दौरान माल ढुलाई का किराया काफी बढ़ गया था। अब इसमें कुछ कमी आई है, लेकिन यह अभी भी सामान्य से काफी ज्यादा है।

शिपिंग का खर्च बढ़ने और माल की ढुलाई में देरी होने से निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ। कई खेपें अपनी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही खराब हो गईं।

इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि मांग बढ़ने के साथ आने वाले हफ्तों में नारियल का निर्यात धीरे-धीरे पहले की तरह सामान्य हो जाएगा। इस रुकावट से पहले पोलाची के निर्यातक कोच्चि बंदरगाह के जरिए हर दिन नारियल से भरे कई कंटेनर खाड़ी देशों में भेजते थे। लेकिन पिछले करीब तीन महीनों तक बंदरगाह से निर्यात का काम लगभग ठप रहा। निर्यात लंबे समय तक बंद रहने से घरेलू बाजार में नारियल की सप्लाई बढ़ गई। इससे नारियल की कीमतों में भारी गिरावट आई। पिछले साल इसी समय नारियल का भाव करीब 65,000 रुपये प्रति टन था, जो अब घटकर लगभग 40,000 रुपये प्रति टन रह गया है।

इस साल बंपर पैदावार से बाजार में नारियल की आवक बढ़ गई, जिससे कीमतों पर और दबाव पड़ा। हालांकि, मजदूरों की कमी के कारण कीमतें इससे ज्यादा नहीं गिरीं। प्रवासी मजदूर कम होने से पूरे इलाके में नारियल तोड़ने और छीलने का काम प्रभावित हुआ है। इसके कारण नारियल बाजार तक धीमी रफ्तार से पहुंच रहे हैं।

किसानों को उम्मीद है कि कटाई का मौसम खत्म होने से पहले, अगले दो महीनों तक ज्यादा पैदावार होती रहेगी। हालांकि, अगले साल की फसल को लेकर अभी से चिंताएं सामने आ रही हैं। इस साल सामान्य से कम बारिश और सूखे जैसे हालात बनने से आने वाले सीजन में पैदावार घटने का डर पैदा हो रहा है।

भारत में कमजोर मानसून के बाद भी खाद्य उत्पादों की कीमतें स्थिर : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में कमजोर मानसून के बाद भी खाद्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर बनी हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में खाने-पीने की चीजों की कीमतों में महंगाई काबू में है। साप्ताहिक खुदरा आंकड़ों के मुताबिक, सब्जियों की कीमतों में 1.5 प्रतिशत और अंडों की कीमतों में 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि अनाज की कीमतों में 0.5 प्रतिशत और तेल व फैट की कीमतों में 0.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

सालाना आधार पर, तेल और फैट की कीमतों में 11 प्रतिशत, अंडों में 6 प्रतिशत, सब्जियों में 3 प्रतिशत, दूध में 3 प्रतिशत, मसालों में 3 प्रतिशत, अनाज में 2 प्रतिशत और दालों में 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे मुख्य खाद्य-उत्पादक राज्यों में मानसून की लगातार कमी से आने वाले हफ्तों में खाद्य आपूर्ति पर खतरा मंडरा सकता है और कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव बन सकता है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 3 जुलाई तक कुल बारिश लंबे समय के औसत से 31 प्रतिशत कम रही। जून के महीने में बारिश लंबे समय के औसत से 40 प्रतिशत कम रही, जिससे यह पिछले दशक में बारिश के लिहाज से सबसे खराब जून का महीना बन गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बुवाई का काम कम हो गया है, क्योंकि मानसून कमजोर बना हुआ है, जिससे जलाशयों में पानी का स्तर बहुत कम हो गया है।

पूरे देश में जलाशयों का जलस्तर उनकी क्षमता का सिर्फ 26 प्रतिशत है और पिछले साल इसी समय की तुलना में 39 प्रतिशत कम है।

मध्य भारत में सबसे ज्यादा क्षमता (32 प्रतिशत) है, इसके बाद उत्तर भारत (29 प्रतिशत) और पश्चिम भारत (28 प्रतिशत) का स्थान है। दक्षिण भारत (20 प्रतिशत) और पूर्वी भारत (19 प्रतिशत) में जलस्तर काफी कम है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग को उम्मीद है कि जुलाई 2026 में बारिश सामान्य से कम होगी, जिससे मानसून और खरीफ की बुवाई के मौसम को लेकर चिंता बनी रहेगी।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से भारतीय अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती, ग्रोथ आउटलुक में आगे और सुधार की संभावनाः रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) की निकासी में कमी और रुपए में निवेश वाली परिसंपत्तियों के आकर्षक मूल्यांकन के चलते भारत की व्यापक आर्थिक (मैक्रोइकोनॉमिक) स्थिति और विकास की संभावनाएं पहले से अधिक मजबूत हुई हैं। यह बात डीएसपी की एक नई रिपोर्ट में कही गई है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आगे भी आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने वाली नीतियां अपनाने की संभावना रखता है। पर्याप्त तरलता बनाए रखने से बॉन्ड यील्ड में समय के साथ गिरावट आ सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में फिलहाल अतिरिक्त उत्पादन क्षमता उपलब्ध है और मांग में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिल रहा है। ऐसे में भारत की आर्थिक विकास दृष्टिकोण (ग्रोथ आउटलुक) में आगे और सुधार की संभावना है।

डीएसपी का मानना है कि बेहतर आर्थिक वृद्धि, विशेष रूप से नॉमिनल ग्रोथ, कॉरपोरेट भारत की बिक्री में तेजी लाने का काम करेगी, जिससे कंपनियों के प्रदर्शन में सुधार देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत का बैलेंस ऑफ पेमेंट, जिसे पहले बाजार के लिए चिंता का विषय माना जा रहा था, अब अर्थव्यवस्था की एक बड़ी मजबूती बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, रुपए में निवेश वाली परिसंपत्तियों पर बेहतर रिटर्न, रुपए का रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट (आरईईआर) अत्यधिक आकर्षक स्तर पर होना, बड़ी कंपनियों के शेयरों का कम मूल्यांकन और एफपीआई के डेट निवेश में बढ़ोतरी जैसे कारकों ने भारत की व्यापक आर्थिक तस्वीर को मजबूत बनाया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि मई 2026 में भारत का आरईईआर 88 से नीचे आ गया, जो आमतौर पर केवल गंभीर आर्थिक दबाव के दौर में देखने को मिलता है। वहीं, भारत और अमेरिका के बीच महंगाई का अंतर भी कम हुआ है, जिससे लंबे समय में रुपए के तेजी से कमजोर होने की आशंका घट गई है।

शेयर बाजार को लेकर डीएसपी ने लार्ज-कैप शेयरों को सबसे आकर्षक निवेश विकल्प बताया है।

भारत में व्हाइट-कॉलर भर्तियां जून में 6 प्रतिशत बढ़ी, एआई स्किल की मांग अधिक : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में व्हाइट-कॉलर भर्तियां जून में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत से अधिक बढ़ी हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन-लर्निंग से जुड़ी नौकरियों में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

जॉब साइट 'नौकरी' की रिपोर्ट के अनुसार, इंश्योरेंस सेक्टर में 16 प्रतिशत की मजबूत ग्रोथ जारी रही, जबकि एफएमसीजी में 7 प्रतिशत, टेलीकॉम में 6 प्रतिशत, रियल एस्टेट में 5 प्रतिशत और बीपीओ/आईटीईएस एवं फार्मा या बायोटेक सेक्टर में 4-4 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की गई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 'नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स' एक साल पहले के 2854 से बढ़कर 3027 पर पहुंच गया, जिससे वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 4 प्रतिशत की स्थिर ग्रोथ दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, जून में फ्रेशर्स की हायरिंग में सालाना आधार पर 8 प्रतिशत और अप्रैल-जून तिमाही में 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। साथ ही, 4-7 साल से लेकर 16 साल से ज्यादा के अनुभव वाले सभी कैटेगरी में भर्तियों में बढ़त देखी गई।

जून में 4-7 साल के अनुभव वाले लोगों की भर्तियों में सालाना आधार पर 2 प्रतिशत, 8-12 साल वालों में 7 प्रतिशत, 13-16 साल वालों में 12 प्रतिशत और 16 साल से अधिक अनुभव वालों में 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

इसके अलावा, शहरों के स्तर पर भी भर्तियों में तेजी देखी गई, जिसमें कई मेट्रो और उभरते हुए बाजारों ने राष्ट्रीय ट्रेंड से बेहतर प्रदर्शन किया। कोलकाता में भर्तियों 12 प्रतिशत, हैदराबाद में 11 प्रतिशत, चेन्नई में 10 प्रतिशत और बेंगलुरु में 7 प्रतिशत बढ़ी।

भुवनेश्वर जैसे उभरते हुए शहरों में भर्तियों में जबरदस्त उछाल आया। भुवनेश्वर में यह 21 प्रतिशत, इंदौर में लगभग 15 प्रतिशत और कोयंबटूर में लगभग 10 प्रतिशत बढ़ी।

अलग-अलग सेक्टर में, मीडिया प्रोडक्शन और एंटरटेनमेंट में 24 प्रतिशत की ग्रोथ देखी गई, इसके बाद हेल्थकेयर और लाइफ साइंसेज में 22 प्रतिशत और आईटी और इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी में 18 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ रही।

इन्फो एज (इंडिया) लिमिटेड के एमडी और सीईओ हितेश ओबेरॉय ने कहा, 'भले ही आईटी में हायरिंग धीमी हुई है, लेकिन इस सेक्टर में एआई के लिए हायरिंग जून में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़ी है।

यह अंतर इसलिए अहम है क्योंकि इससे पता चलता है कि टेक कंपनियां अभी भी कहां निवेश कर रही हैं।

रिलेशनशिप की ये 8 आदतें जो Gen Z के लिए हैं नॉर्मल, पर मिलैनियल्स ने कभी आजमाने की नहीं की हिम्मत

हाल ही में हुए वैश्विक डेटिंग सर्वे और शोध(डेटिंग ट्रेंड्स एंड रिलेशनशिप स्टडी रिपोर्ट) के मुताबिक, लगभग 68% जेन जी (Gen Z) युवा अपने पार्टनर में 'शारीरिक आकर्षण' या 'शुरुआती स्पार्क' से ज्यादा 'भावनात्मक परिपक्वता' (Emotional Maturity) और 'मानसिक सुरक्षा' को प्राथमिकता देते हैं. रिसर्च बताती है कि आज की पीढ़ी उस रिश्ते को ज्यादा तवज्जो दे रही है जो उनकी मेंटल हेल्थ को स्थिर रखे, न कि उन्हें इमोशनल उथल-पुथल में डाले.जानिए जेन जी की वो 8 रिलेशनशिप आदतें, जो मिलैनियल्स को हैरान कर सकती हैं, लेकिन आज के युवाओं के लिए हैं बिल्कुल नॉर्मल.

जब बात प्यार और डेटिंग की आती है, तो हर पीढ़ी का अपना एक अंदाज होता है. आज के समय में दो पीढ़ियों की सोच में सबसे बड़ा अंतर देखने को मिलता है- एक तरफ हैं मिलैनियल्स (80 और 90 के दशक में पैदा हुए लोग) और दूसरी तरफ हैं जेन जी (यानी आज के युवा, जो 1997 के बाद पैदा हुए). मिलैनियल्स वो जनरेशन है जिसने प्यार के लिए थोड़ी बगावत की, लेकिन फिर भी वे रिश्तों में थोड़ा समझौता करने और 'साथ जीने-मरने' वाली सोच में यकीन रखते थे. वहीं, आज की जेन जी इंटरनेट और डेटिंग ऐप्स के दौर में बड़ी हुई है. ये लोग प्यार के मामले में बेहद प्रैक्टिकल हैं. इनके लिए अपना मानसिक सुकून और आत्मसम्मान सबसे पहले आता है.

हाल ही में हुए वैश्विक डेटिंग सर्वे और शोध(डेटिंग ट्रेंड्स एंड रिलेशनशिप स्टडी रिपोर्ट) के मुताबिक, लगभग 68% जेन जी (त्वद्ग्ठ्ठ) युवा अपने पार्टनर में 'शारीरिक आकर्षण' या 'शुरुआती स्पार्क' से ज्यादा 'भावनात्मक परिपक्वता' (Emotional Maturity) और 'मानसिक सुरक्षा' को प्राथमिकता देते हैं. रिसर्च बताती है कि आज की पीढ़ी उस रिश्ते को ज्यादा तवज्जो दे रही है जो उनकी मेंटल हेल्थ को स्थिर रखे, न कि उन्हें इमोशनल उथल-पुथल में डाले.

इमोशनल सेफ्टी और कंपैटिबिलिटी

रिलेशनशिप एक्सपर्ट एवं रिलेशनशिप काउंसलर डॉ. अनन्या शर्मा के अनुसार, पुराने दौर में रिश्तों की शुरुआत अक्सर एक 'स्पार्क' या दीवानेपन से होती थी, जिसे लोग सच्चा प्यार मान लेते थे. लेकिन आज की युवा पीढ़ी (त्वद्ग्ठ्ठ) मानसिक स्वास्थ्य को लेकर कहीं ज्यादा जागरूक है. वे समझ चुके हैं कि एक लंबा और मजबूत रिश्ता 'तितलियों' के उड़ने से नहीं, बल्कि एक ऐसे पार्टनर से चलता है जो आपको मानसिक सुकून और भावनात्मक सुरक्षा (Emotional Safety) दे सके.

प्राइवेसी और पहचान बनाए रखने पर (Individuality in Love)

मैरिज एंड फैमिली थेरेपिस्ट प्रीति झा के अनुसार, एक अच्छे कमिटमेंट का मतलब खुद को पूरी तरह मिटा देना या पार्टनर पर निर्भर हो जाना नहीं है. आज के युवा प्यार में होकर भी अपनी पहचान (Individuality) और आजादी को बनाए रखते हैं. सोशल मीडिया पर रिश्ते को प्राइवेट रखना या बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी हॉबीज को जीना, यह दिखाता है कि आज की जनरेशन प्यार और पर्सनल स्पेस के बीच एक परफेक्ट बैलेंस बनाना जानती है. '

बाउंड्रीज और बातचीत के तरीके पर (Modern Dating Dynamics)-

मिलैनियल्स के समय में रिश्ते में पहले दिन अपनी शर्तें या दायरे (Boundaries) तय करना 'हाई-मेंटेनेंस' या घमंडी होने का संकेत माना जाता था. आज जेन जी ने इस सोच को पूरी तरह बदल दिया है. रिश्ते की शुरुआत में ही खुलकर बात करना किसी का अपमान नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान है।

वैज्ञानिकों ने लैब में बना दी आर्टिफिशियल लाइफ, असली कोशिकाओं की तरह बढ़ेंगे ये सिंथेटिक सेल्स, भविष्य में अंगों की हो सकेगी मरम्मत

वैज्ञानिकों ने विज्ञान में बहुत बड़ा कारनामा कर दिखाया है. जिस तरह नायलॉन और पोलिएस्टर से सिंथेटिक कपड़ा बनाया जाता है, उसी तरह स्क्रैच से आर्टिफिशियल सेल्स बना दिया है. खास बात यह है कि यह कोशिका भोजन भी करती है, वृद्धि भी करती है और असली की तरह स्वयं की प्रतिकृति भी बना लेती है. यह उपलब्धि अपने आप में बहुत बड़ा कदम है. इससे भविष्य में शरीर के अंगों की मरम्मत भी हो सकेगी.

विज्ञान की तरक्की परम सत्ता को चुनौती देनी लगी है. अब तक हम यही जानते हैं कि इस ब्रह्मांड में जितनी भी जीवित चीजें हैं वे सब किसी न किसी परम सत्ता द्वारा निर्मित होती हैं लेकिन विज्ञान ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए कृत्रिम रूप से इस जीवित चीज को बना लिया है. अमेरिका के मिनिसोटा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दावा किया कि उसने सिंथेटिक कोशिका बनाने में सफलता हासिल कर ली है. रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने पहली बार स्क्रैच से ऐसी आर्टिफिशियल कोशिका बनाई है जो असली की तरह खाती है, असली की तरह ग्रोथ करती है और जिस तरह असली कोशिका अपनी ही जैसी नई कोशिका बनाती है, उसी तरह यह भी नई कोशिका बना लेती है. यह है तो सिंथेटिक कोशिका लेकिन असली कोशिका की तरह ही है. इसलिए सिंथेटिक बायोलॉजी के क्षेत्र में यह बड़ी उपलब्धि है. इससे भविष्य में जरूरत के अनुसार तैयार किए गए जीवों का रास्ता खोल सकती है,जो जीवित मशीनों की तरह काम करेंगे. यानी अगर कोई अंग खराब हो गया तो वहां भी वह असली की तरह काम कर सकने लगेगी.

किसी भी तरह से बनाया जा सकता

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यूनिवर्सिटी ऑफ मिनीसोटा में सिंथेटिक बायोलॉजी की प्रोफेसर केट अडमाला और उनकी टीम ने इस कोशिका को निर्जीव रासायनिक घटकों को एक-एक करके जोड़कर तैयार किया. यह अभी एक सीमित क्षमता वाला और नाजुक प्रोटोटाइप है लेकिन इससे वैज्ञानिकों को जीवन की उत्पत्ति को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल सकती है. साथ ही, भविष्य में इसे इस तरह प्रोग्राम किया जा सकता है कि यह दुनिया की कुछ सबसे बड़ी जैविक चुनौतियों के समाधान में योगदान दे सके।

सेहत और स्वाद का डबल डोज है 'भटोय' की सजी, इस खास तरीके से बनाएंगे तो सब मांग-मांग कर खाएंगे

हरी सब्जियों में ग्वार की फली, जिसे देश के कई हिस्सों में 'भटोय' भी कहा जाता है, सेहत और स्वाद का एक बेहतरीन कॉम्बो है. अक्सर लोग इसे साधारण सी सब्जी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन अगर इसे सही मसालों और सही तरीके से बनाया जाए, तो इसका स्वाद किसी शाही सब्जी से कम नहीं लगता. भटोय की फली न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होती है, बल्कि यह फाइबर और विटामिंस से भरपूर होने के कारण स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है. आइए जानते हैं भटोय (ग्वार की फली) की मसालेदार और सूखी सब्जी बनाने की सबसे आसान व पारंपरिक रेसिपी, जिसे खाकर हर कोई आपकी तारीफ करेगा.

ग्वार की फली यानी भटोय की स्वादिष्ट सब्जी बनाने के लिए आपको इन सामग्रियों की आवश्यकता होगी. ताजी भटोय की फली, प्याज, दो टमाटर, अदरक, लहसुन की कलियां, हरी मिर्च, हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, जीरा, हींग, तेल, नमक तथा सजावट के लिए बारीक कटा हुआ हरा धनिया.

सबसे पहले भटोय की फलियों को साफ पानी से दो से तीन बार अच्छी तरह धो लेना चाहिए, जिससे इसमें लगी मिट्टी और धूल पूरी तरह निकल जाए. इसके बाद फली के दोनों सिरों के रेशेदार भाग (नाखून की मदद से) को तोड़कर निकाल देना चाहिए. अगर फली अधिक लंबी हो, तो उसे दो या तीन टुकड़ों में काट लेना है. जब फली पूरी तरह साफ हो जाए, तो उसे एक छलनी में रखकर उसका अतिरिक्त पानी निकाल देना चाहिए।

इंग्लैंड: टीबी से मौत को लेकर स्टडी में नया खुलासा, समय पर पहचान न होने से हर सप्ताह जा रही एक शख्स की जान

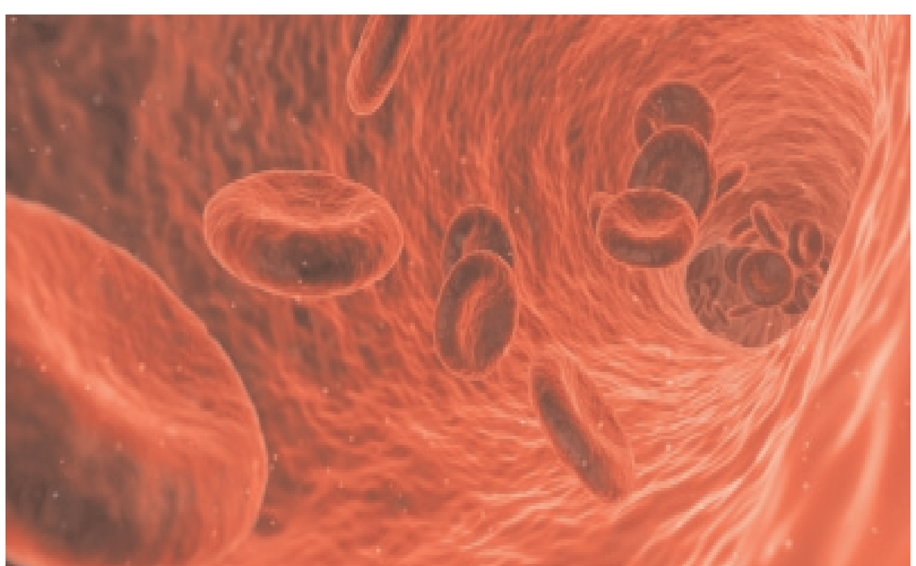

इंग्लैंड में टीबी से मौत को लेकर एक नया खुलासा किया गया है। एक नए अध्ययन में सामने आया है कि इंग्लैंड में हर सप्ताह एक व्यक्ति की तपेदिक (टीबी) का समय पर पता न चल पाने के कारण मौत हो जाती है। ऐसे मामलों में बीमारी का पता केवल मृत्यु के बाद (पोस्टमार्टम के दौरान) चलता है, जिससे मरीज को इलाज का अवसर ही नहीं मिल पाता।

यह शोध जर्नल थोरेक्स में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, ब्रिटेन में जन्मे और अधिक उम्र के पुरुषों में मृत्यु के बाद टीबी की पहचान हो पाई। इससे संकेत मिलता है कि स्वास्थ्यकर्मी इन मरीजों में टीबी की आशंका को लेकर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं।

विशेषज्ञों ने कहा कि मृत्यु के बाद टीबी का पता चलना एक 'नेवर इवेंट' माना जाना चाहिए, यानी ऐसी घटना जो किसी भी हालत में नहीं होनी चाहिए और जिसकी तत्काल जांच होनी चाहिए। उन्होंने इसे 'निदान में सबसे बड़ी देरी' बताया।

इंग्लैंड में टीबी के मामलों की दर पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक हो गई है। वर्ष 2024 में प्रति एक लाख आबादी पर 9.4 मामले दर्ज किए गए, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के निर्धारित 'कम संक्रमण वाले देश' की सीमा के बेहद करीब है।

मीडिया आउटलेट द गार्डियन के मुताबिक, आमतौर पर इंग्लैंड में टीबी के अधिकांश मरीज विदेश में जन्मे होते हैं और उनकी औसत आयु 36 वर्ष होती है। लेकिन थोरेक्स जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि मृत्यु के बाद जिन लोगों में टीबी की पहचान हुई, वे ज्यादातर ब्रिटेन में जन्मे और अधिक उम्र के थे।

अध्ययन की सह-लेखिका और लिवरपूल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट की रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. एलेनोर मॉर्गन के अनुसार,

'जब टीबी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, तब हमें हर मरीज के बारे में यह सवाल पूछते रहना चाहिए 'क्या यह टीबी हो सकती है?' भले ही वह सामान्य जोखिम वाले समूह में न आता हो। 'अध्ययन में पाया गया कि मृत्यु के बाद टीबी की पहचान उन लोगों में अधिक हुई जो लंदन के बाहर रहते थे और जिनका शराब या नशीले पदार्थों के सेवन का इतिहास था।

इसके अलावा, चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों में भी जोखिम अधिक पाया गया।

शोधकर्ताओं के अनुसार, इसका कारण उनका अपरिपक्व प्रतिरक्षा तंत्र, सामान्य जैसे दिखने वाले लक्षण और छोटे बच्चों से जांच के लिए नमूने लेना कठिन होना हो सकता है।

टीबी आज भी दुनिया की सबसे घातक संक्रामक बीमारी बनी हुई है।

फूड

मानसून में हेल्दी और टेस्टी खाना चाहते हैं? ट्राई करें स्वीट कॉर्न सूप, यहां जानें रैसिपी!

अगर बारिश के मौसम में आपका मन गरमा-गरम स्वीट कॉर्न सूप पीने का कर रहा है और आप घर पर ही रेस्टोरेंट जैसा सूप बनाना चाहते हैं, तो आपको यह आसान रेसिपी ज़रूर आज़मानी चाहिए.

बारिश का मौसम आते ही अक्सर गरमा-गरम और हल्का खाना खाने का मन करता है. ऐसे मौसम में स्वीट कॉर्न सूप एक बेहतरीन विकल्प है. यह न सिर्फ़ स्वादिष्ट और जल्दी बनने वाला है, बल्कि बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आता है. स्वीट कॉर्न, सब्ज़ियों और हल्के मसालों का मेल इसे मॉनसून के लिए एक बेहतरीन 'कम्फर्ट फ़ूड' बनाता है. अगर आप घर पर रेस्टोरेंट जैसा स्वीट कॉर्न सूप बनाना चाहते हैं, तो यह आसान रेसिपी जरूर आजमाएं...

बनाने के लिए सामग्री

1 कप उबले हुए स्वीट कॉर्न, 2 बड़े चम्मच बारीक कटी गाजर, 2 बड़े चम्मच बारीक कटी शिमला मिर्च, 2 बड़े चम्मच बारीक कटी पत्तागोभी, 1 छोटा चम्मच बारीक कटा लहसुन, 1 छोटा चम्मच कद्दूकस किया हुआ अदरक, 1 बड़ा चम्मच कॉर्नफ्लोर, 3 कप वेजिटेबल स्टॉक या पानी, नमक, ड्ड छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1 छोटा चम्मच सोया सॉस और 1 छोटा चम्मच तेल या मक्खन

स्वीट कॉर्न सूप बनाने के लिए सबसे पहले, एक पैन में तेल या मक्खन गरम करें. इसमें लहसुन और अदरक डालकर थोड़ी देर भूनें. इसके बाद, गाजर, शिमला मिर्च और पत्तागोभी डालें और 2-3 मिनट तक पकाएं।

इतिहास के पन्नों में 7 जुलाई : जब भारत ने पहली बार जंगलों की आवाज सुनने का संकल्प लिया

आज के दौर में जब जंगल सिमट रहे हैं और कई वन्यजीव विलुप्ति की कगार पर हैं। आज जब मानव-वन्यजीव संघर्ष लगातार बढ़ रहा है, तब यह याद करना जरूरी है कि वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में पहला कदम कब उठाया गया था।

ऐसे में 1955 के 7 जुलाई की तारीख भारतीय पर्यावरण इतिहास में इसलिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि इसी दिन देश में पहली बार 'वन्य प्राणी दिवस' मनाया गया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य केवल जंगली जानवरों के महत्व को बताना नहीं था, बल्कि लोगों में यह चेतना जगाना भी था कि प्रकृति और वन्यजीवों का अस्तित्व मानव जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है।

जैव विविधता के लिहाज से भारत दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में गिना जाता है। हिमालय की चोटियों से लेकर पश्चिमी घाट के घने जंगलों तक और सुंदरबन के मैंग्रोव से लेकर थार के रेगिस्तान तक, देश हजारों प्रजातियों के वन्यजीवों का घर है। लेकिन आजादी के बाद के शुरुआती वर्षों में अनियंत्रित शिकार, तेजी से हो रही वनों की कटाई और बढ़ते शहरीकरण ने वन्यजीवों के अस्तित्व पर गंभीर खतरा पैदा कर दिया था।

इसी को देखते हुए 1955 में पहली बार 7 जुलाई को 'वन्य प्राणी दिवस' मनाया गया। इसका मकसद समाज को यह समझाना था कि वन्य जीव पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यदि वन्य जीव सुरक्षित रहेंगे, तभी जंगल सुरक्षित रहेंगे और जंगल सुरक्षित रहेंगे तो जल, जलवायु और मानव जीवन भी संतुलित रहेंगे।समय के साथ भारत ने वन्य जीव संरक्षण को और मजबूत बनाया। वर्ष 1972 में 'वन्यजीव संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया, जिसने देश में वन्य जीवों के शिकार और अवैध व्यापार पर सख्त कानूनी रोक लगाई। इसके बाद 1973 में 'प्रोजेक्ट टाइगर' शुरू किया गया, जिसने देश में बाघों की घटती संख्या को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब भारत दुनिया में सबसे अधिक बाघों वाला देश है, जो संरक्षण प्रयासों की एक बड़ी सफलता मानी जाती है।

हालांकि चुनौतियां अभी भी कम नहीं हुई हैं। कई अन्य प्रजातियां अब भी गंभीर संकट का सामना कर रही हैं।

7 जुलाई को मनाया जाने वाला वन्य प्राणी दिवस यह याद दिलाने का अवसर है कि प्रकृति के बिना विकास अधूरा है। वन्य जीवों की सुरक्षा हर नागरिक का साझा दायित्व है।

यदि आने वाली पीढ़ियों को समृद्ध जंगल और जीवंत जैव विविधता सौंपनी है, तो संरक्षण को केवल अभियान नहीं, बल्कि जीवन शैली का हिस्सा बनाना होगा।

'फितूर' सिर्फ शो नहीं, युवतियों की अनकही भावनाओं की कहानी है: देबचंद्रिमा सिंघा रॉय

मुंबई। अभिनेत्री देबचंद्रिमा सिंहा रॉय अपने आने वाले शो 'फितूर' को लेकर चर्चा में हैं। शो के प्रोमो और अपनी भूमिका को लेकर उन्होंने हाल ही में खुलकर बात की है और बताया है कि यह कहानी उनके लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि कई लड़कियों की असल जिंदगी से जुड़ी भावनाओं की कहानी है।

देबचंद्रिमा सिंघा रॉय ने कहा कि यह शो उनके दिल के बेहद करीब है, क्योंकि यह उन अनुभवों को दिखाता है जो आज भी कई लड़कियों के जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन इन पर खुलकर चर्चा नहीं होती।

अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने शो के प्रोमो को देखकर खुद को उससे जुड़ा हुआ महसूस किया। उनके अनुसार यह कहानी केवल एक किरदार की नहीं, बल्कि उन हजारों लड़कियों की है जो अपने भीतर डर, घबराहट और आत्म-संदेह को छुपाकर नई शुरुआत करती हैं।

देबचंद्रिमा ने अपने बयान में कहा, 'इस शो का प्रोमो मेरे दिल को छू गया क्योंकि यह उस सफर को दिखाता है, जिससे कई लड़कियां चुपचाप गुजरती हैं। खासकर जब कोई लड़की गर्ल्स स्कूल से निकलकर को-एड कॉलेज में जाती है, तो यह बदलाव उसके लिए काफी अलग होता है। मैं चाहती हूं कि हर लड़की जो इसे देखे, उसे यह महसूस हो कि वह अकेली नहीं है और घबराना सामान्य बात है। समय और आत्मविश्वास के साथ हर नई शुरुआत एक खूबसूरत कहानी बन जाती है।'

शो के निर्माताओं ने भी इस नए प्रोमो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर साझा किया है। उन्होंने कहानी को और दिलचस्प बनाते हुए लिखा, 'एक किरदार की जिंदगी सादगी से भरी हुई है, जबकि दूसरा बेहद बेचैन स्वभाव का है। दोनों अलग-अलग सोच और पृष्ठभूमि से आते हैं और जब ये दो अलग दुनिया आपस में टकराएंगी तो कहानी किस दिशा में जाएगी?'

'फितूर' की कहानी केवल रोमांस या ड्रामा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन अनकहे भावों को सामने लाने की कोशिश करती है, जिन्हें युवा अक्सर महसूस करते हैं, लेकिन व्यक्त नहीं कर पाते। यह शो खासकर युवतियों को यह मैसेज देता है कि बदलाव से डरना नहीं चाहिए, बल्कि आत्मविश्वास के साथ उसका सामना करना चाहिए।

इस शो में अभिनेता ईशान धवन मेल लीड रोल में नजर आएंगे। उनका किरदार एक निडर, बेपरवाह और स्वतंत्र सोच रखने वाले युवक का है, जो जीवन को अपने तरीके से जीता है। वहीं देबचंद्रिमा सिंघा रॉय शो में सौम्या नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी खोई हुई पहचान को तलाशने की कोशिश करती है। जब वह मास्टर डिग्री के लिए को-एड कॉलेज में दाखिला लेती है, तो उसके सामने एक नई चुनौतीपूर्ण दुनिया खुलती है।

कहानी में टकराएंगी दो अलग दुनिया

शो के निर्माताओं ने नए प्रोमो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, "एक किरदार की जिंदगी सादगी से भरी हुई है, जबकि दूसरा बेहद बेचैन स्वभाव का है। दोनों अलग-अलग सोच और पृष्ठभूमि से आते हैं और जब ये दो अलग दुनिया आपस में टकराएंगी तो कहानी किस दिशा में जाएगी?"

युवतियों को देता है यह शो खास मैसेज

'फितूर' की कहानी केवल रोमांस या ड्रामा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन अनकहे भावों को सामने लाने की कोशिश करती है, जिन्हें युवा अक्सर महसूस करते हैं, लेकिन व्यक्त नहीं कर पाते। यह शो खासकर युवतियों को यह मैसेज देता है कि बदलाव से डरना नहीं चाहिए, बल्कि आत्मविश्वास के साथ उसका सामना करना चाहिए।

घबराना सामान्य बात है, आत्मविश्वास सबसे बड़ी ताकत है।

संध्या थिएटर भगदड़ केसः वर्चुअली पेश हुए अल्लू अर्जुन, पुलिस ने चार्जशीट की दाखिल

विश्व केसरी

हैदराबाद। हैदराबाद की नामपल्ली क्रिमिनल कोर्ट में सोमवार को संध्या थिएटर भगदड़ मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' से जुड़े इस केस में अभिनेता अल्लू अर्जुन मुंबई से वर्चुअली पेश हुए, लेकिन बाकी कई आरोपी अदालत में उपस्थित नहीं हो सके, जिसके चलते कोर्ट ने सुनवाई को 29 जुलाई तक टाल दिया।

बता दें कि अदालत ने अल्लू अर्जुन को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन शूटिंग की वजह से उन्होंने अदालत से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल होने की अपील की थी।

यह पूरा मामला 4 दिसंबर 2024 का है, जब फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' के प्रीमियर के दौरान हैदराबाद के संध्या थिएटर में भारी भीड़ जमा हो गई थी। उसी दौरान अचानक भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। महिला की पहचान एम. रेवती के रूप में हुई थी। इस घटना ने पूरे राज्य में हड़कंप मचा दिया था और सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल उठे थे।

पुलिस ने इस पूरे मामले में गंभीर धाराएं लगाई हैं, जिनमें गैर इरादतन हत्या भी शामिल है। पुलिस का आरोप है कि भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ और कई स्तरों पर जिम्मेदारी तय की जानी बाकी है।

इस मामले में कुल 23 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें अल्लू अर्जुन को आरोपी नंबर 11 के तौर पर शामिल किया गया। कोर्ट की ओर से अब तक 19 आरोपियों को अदालत में पेश होने के लिए समन भेजा जा चुका है।

जांच में पुलिस ने थिएटर मैनेजमेंट से जुड़े पहले 10 लोगों को आरोपी बनाया। इसके साथ ही अभिनेता की सुरक्षा में तैनात रहे 8 बाउंसरों को भी इस केस में शामिल किया गया।

इस केस में कोर्ट ने साफ किया है कि सभी आरोपियों के अदालत में पेश होने के बाद इस मामले का औपचारिक ट्रायल शुरू किया जाएगा।

बता दें कि 4 दिसंबर 2024 की घटना के बाद अल्लू अर्जुन को 13 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें नामपल्ली कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जन्मदिन विशेषः कॉमिक टाइमिंग के बादशाह मनजोत सिंह, डेब्यू फिल्म ने ही दिलाया फिल्मफेयर क्रिटिक्स सम्मान

विश्व केसरी

मुंबई। एक फिल्म को सफल बनाने में उसकी स्टोरी, कलाकारों की एक्टिंग और गानों का बहुत बड़ा रोल होता है। ठीक उसी प्रकार एक मूवी को ब्लॉकबस्टर बनाने में कॉमेडी का तड़का भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कई बार शानदार कहानी और गानों के साथ-साथ एक बेहतरीन कॉमेडी ट्रैक फिल्म और उससे जुड़े अभिनेता को हमेशा के लिए यादगार बना देता है। चाहे पुरानी फिल्मों के कॉमेडी सीन हों या आज के दौर की कॉमिक टाइमिंग, यह दर्शकों को सीट से बांधे रखने का सबसे अचूक मंत्र है।

आज के दौर में फिल्मी दुनिया के उन्हीं कॉमेडी कलाकारों में उभरते हुए नामों में से एक मनजोत सिंह हैं। मनजोत सिंह बॉलीवुड के एक ऐसे अभिनेता हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी सिनेमा में अपनी कॉमिक टाइमिंग और युवाओं पर केंद्रित किरदारों के लिए जाने जाते हैं।

मनजोत सिंह का जन्म 7 जुलाई 1992 को नई दिल्ली में एक पंजाबी सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम परमजोत सिंह है, जो पेशे से एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और बिजनेसमैन हैं और उनकी माता का नाम अमृत कौर सिंह है, जो एक गृहिणी हैं। मनजोत ने अपनी पढ़ाई-लिखाई दिल्ली से ही पूरी की।

मनजोत ने बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2008 में आई फिल्म 'ओए लकी! लकी ओए!' से की, जिसमें उनके शानदार स्क्रीन प्रजेंस और अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड मिला था।

पहली बार पर्दे पर दिखेगी ऋचा चड्ढा और अली फजल की जोड़ी, नई फिल्म को लेकर दोनों ने जताई खुशी

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री ऋचा चड्ढा और अभिनेता अली फजल इंडस्ट्री के पसंदीदा कपल्स में गिने जाते हैं। शादी के बाद दोनों कभी किसी एक फिल्म में नजर नहीं आए। अब पहली बार दर्शकों को यह मौका मिलने जा रहा है। ऋचा और अली जल्द ही अभिनेता, लेखक और निर्देशक शाशी वर्मा की दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित एक सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में साथ दिखाई देंगे। इस फिल्म को लेकर दोनों कलाकार काफी उत्साहित हैं और उनका कहना है कि यह उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव होने वाला है।

मीडिया से बात करते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, 'फिल्म की कहानी ने मुझे शुरुआत से ही आकर्षित किया। यह रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-छोटी परिस्थितियों से हास्य पैदा करती है। सबसे खास बात यह है कि हंसी के बीच फिल्म समाज के बारे में एक महत्वपूर्ण बात भी कहती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'दिल्ली पर आधारित कहानी में वापसी करना मेरे लिए कई प्यारी यादें भी लेकर आया, क्योंकि मेरी शुरुआती स्कूली पढ़ाई वहीं हुई है। अली और मैं पहले भी फिल्मों में नजर आ चुके हैं, लेकिन पर्दे पर इस तरह के रिश्ते को हमने कभी नहीं निभाया। अली बहुत सहज कलाकार हैं और मैं इस नई ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर उत्साहित हूं।'

वहीं, अली फजल ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि असली कॉमेडी वही होती है, जो वास्तविक लोगों और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी से निकलकर आती है, न कि बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए किरदारों से।

अली ने कहा, 'कॉमेडी सबसे अच्छी तब लगती है, जब वह वास्तविक लोगों से जुड़ी हो। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि हर किरदार में कमियां, अलग-अलग आदतें और भावनात्मक सच्चाई है। यही बात इसके हास्य को और ज्यादा असरदार बनाती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'ऋचा के साथ ऐसी कहानी में काम करना, जिसमें हम पहली बार एक-दूसरे के अपोजिट हैं, मेरे लिए बेहद खास है। इतने सालों से हम एक-दूसरे को पेशेवर तौर पर जानते हैं।

सुनीता आहूजा के सपोर्ट में उतरीं कश्मीरा शाह, बोलीं- 'जो आपको परेशान कर रहे हैं, उन्हें करारा जवाब दो'

विश्व केसरी

मुंबई। रियलिटी शो अक्सर सिर्फ मनोरंजन ही नहीं बल्कि कई बार कलाकारों की निजी भावनाओं और संघर्षों को भी सामने ले आते हैं। ऐसा ही एक भावुक पल हाल ही में 'लॉक अप सीजन 2' में देखने को मिला, जब सुनीता आहूजा शो में अपना अनुभव साझा करते हुए भावुक हो उठी। ऐसे में अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने सुनीता आहूजा के समर्थन में आवाज उठाई।

कश्मीरा शाह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह सुनीता आहूजा को गले लगाते हुए दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने सुनीता आहूजा को मजबूत रहने की सलाह दी और कहा कि वह अकेली नहीं हैं।

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कश्मीरा ने लिखा, ''मजबूत रहो मामी। आप अकेले नहीं हो। हम सब आपके साथ हैं। किसी को भी आप खुद को कमजोर करने मत दो। आप असली हो, खुद पर भरोसा रखो और जो आपको परेशान कर रहे हैं, उन्हें करारा जवाब दो। आपकी 'डिविल्स एंजेल' आपके साथ है और मैं वादा करती हूं कि कोई भी आपको नीचे नहीं गिरा पाएगा या रुला नहीं पाएगा। मुझे पता है आप जवाब दे सकती हो, लेकिन आप चुप हो, क्योंकि आप बस घर वापस जाना चाहती हो। लेकिन मैं कहती हूं कि वहीं डटी रहो और उन्हें जवाब दो जो आपको परेशान कर रहे हैं। मैं आपसे हमेशा प्यार करती रहूंगी।''

यह पूरा मामला तब सामने आया जब शो में सुनीता आहूजा को बेहद खराब क्वालिटी का खाना मिला, जिसके बाद वह भावुक होकर रो पड़ीं।

गौरतलब है कि सुनीता आहूजा के शो में आने के बाद से ही वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं, खासकर अपनी जीवन को लेकर दिए गए बयानों के कारण। वह अक्सर अपने पति और बॉलीवुड सुपरस्टार गोविंदा के साथ रिश्ते को लेकर खुलकर बात करती नजर आई हैं।

पहले भी शो में बातचीत के दौरान सुनीता आहूजा ने कहा था कि वह अपने पति के एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स के बारे में लगातार सोचकर अपनी सेहत पर असर नहीं डालना चाहतीं। उन्होंने बताया था कि अब वह अपनी जिंदगी में अपने बच्चों और मानसिक शांति को ज्यादा प्राथमिकता देती हैं।

सुनीता ने कहा था, ''अगर ऐसा हुआ भी है तो अब क्या कर सकते हैं... शुरू से ही ऐसा चलता आ रहा है। वह एक बड़े स्टार हैं, इसलिए आप कुछ कह भी नहीं सकते। इस उम्र में अगर मैं इन बातों के बारे में सोचूंगी तो मेरा शुगर और बढ़ जाएगा। जैसे चल रहा है, वैसे ही चलने दो।''

करण टैकर ने फर्जीवाड़े को लेकर लोगों को किया आगाह, बोले- 'मेरा मैनेजर बनकर कुछ लोग कर रहे ठगी'

विश्व केसरी

मुंबई। छोटे पर्दे से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक अपनी दमदार पहचान बना चुके अभिनेता करण टैकर ने लोगों को ठगी के एक मामले को लेकर आगाह किया। अभिनेता ने खुलासा किया है कि कुछ लोग उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। वे खुद को उनका मैनेजर बताकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं और ठगी करने की कोशिश कर रहे हैं। करण ने ऐसे किसी भी संदिग्ध संपर्क की तुरंत शिकायत करने की अपील की है।

करण टैकर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, 'नमस्ते, नीचे दिए गए नंबरों का इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति खुद को मेरा मैनेजर बताकर लोगों के साथ धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहा है। अगर वे आपसे संपर्क करें तो उन्हें तुरंत ब्लॉक करें और उनकी शिकायत करें। धन्यवाद।

अपने पोस्ट में करण टैकर ने उन मोबाइल नंबरों की जानकारी भी साझा की, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर ठगी के लिए किया जा रहा है। करण की इस चेतावनी के बाद उनके फैंस ने भी लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। हाल के समय में कई कलाकारों के नाम और पहचान का इस्तेमाल कर लोगों से पैसे ऐंठने या झूठे वादे करने के मामले सामने आ चुके हैं। अगर करण टैकर के काम की बात करें तो उनको लोकप्रियता टीवी शो 'एक हजारों में मेरी बहना है' से मिली।

भारत के सफल सार्वजनिक नीति मॉडल अपनाने की राह पर इंडोनेशिया, नॉलेज पार्टनरशिप को मिलेगी नई गति

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 6 से 8 जुलाई की इंडोनेशिया यात्रा बढ़ते सहयोग और 'नॉलेज पार्टनरशिप' को और मजबूत करने की द?िशा में एक अहम कदम है। भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी अब सिर्फ पारंपरिक रिश्तों तक सीमित नहीं है, बल?कि? तकनीक, नीति और विकास के नए मॉडल साझा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

इंडोनेशिया आज भारत को सिर्फ एक रणनीतिक साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि तकनीक, नीतियों और विकास से जुड़े सफल मॉडल्स के एक भरोसेमंद स्रोत के रूप में भी देख रहा है। खाद्य सुरक्षा, डिजिटल गवर्नेंस, स्वास्थ्य, कृषि और रक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत के सफल सार्वजनिक नीतिगत मॉडल अब इंडोनेशिया के अपने विकास सफर के लिए एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनते जा रहे हैं।

इंडोनेशिया के कई प्रतिनिधिमंडल भारत का दौरा कर चुके हैं, ताकि वे भारत की डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक कल्याण योजनाओं से सीख सकें। इनमें भारत की पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, चावल फोर्टिफिकेशन स्कीम, फर्टिलाइजर सब्सिडी सुधार और एग्रीस्टैक जैसी पहल शामिल हैं। ये सभी मॉडल इंडोनेशिया के लिए उपयोगी संदर्भ बन रहे हैं, खासकर डिजिटल शासन और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के संदर्भ में। इंडोनेशिया अब डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में भारत की विशेषज्ञता का फायदा उठा रहा हैं। प्रस्तावित यूपीआई-क्यूआरआईएस लिंकिंग से दोनों देशों के यात्रियों और व्यापारियों के लिए बिना रुकावट के (सीमलेस) क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट संभव हो सकेगा। इस पहल से पर्यटन, व्यापार और डिजिटल कॉमर्स को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही लेन-देन तेज, सस्ता और ज्यादा आसान हो जाएगा।

भारत से इंडोनेशिया में व्यापार या निवेश करने वाले बिजनेस और हर साल लगभग 1.7 मिलियन भारतीय पर्यटक जो बाली और अन्य इंडोनेशियाई जगहों पर जाते हैं। उनके लिए यह यूपीआई-क्यूआरआईएस सुविधा बहुत बड़ा बदलाव साबित हो सकती है।

भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी सहयोग का एक बड़ा क्षेत्र बनकर उभरा है। इंडोनेशिया का ओपन नेटवर्क (आईओएन) भारत के ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) मॉडल से प्रेरित है और इसका मकसद इंडोनेशिया के 6.5 करोड़ से ज्यादा छोटे, सूक्ष्म और मध्यम उद्यमों के लिए एक खुला और समावेशी डिजिटल बाजार बनाना है।

ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने टोक्यो में तीसरे भारत-जापान हायर एजुकेशन फोरम 2026' का किया आयोजन

विश्व केसरी

टोक्यो। ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) ने 'मानव और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में भविष्य के विश्वविद्यालयों को आकार देना' विषय पर तीसरे भारत-जापान उच्च शिक्षा फोरम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

टोक्यो में आयोजित इस फोरम में भारत और जापान के वरिष्ठ विश्वविद्यालयों के प्रमुख, राजनयिक, नीति-निर्माता, शिक्षाविद और छात्र एक साथ आए, जहां उच्च शिक्षा, शैक्षणिक आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग, प्रौद्योगिकी, सतत विकास और शिक्षा कूटनीति जैसे विषयों पर सार्थक संवाद हुआ।

यह फोरम ऐसे समय में आयोजित हुआ, जब भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के तहत दोनों देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्रौद्योगिकी, नवाचार, आर्थिक सुरक्षा, लचीलापन और जन-जन संपर्क को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस संदर्भ में टोक्यो संवाद ने विश्वविद्यालयों की उस केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया, जो इस साझेदारी को बौद्धिक, संस्थागत और मानवीय गहराई प्रदान करती है। फोरम का महत्व इसलिए भी बढ़ गया, क्योंकि यह भारत-जापान शिखर सम्मेलन के व्यापक संदर्भ में आयोजित हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बीच हुई वार्ता ने दोनों देशों के विशेष रणनीतिक और वैश्विक संबंधों की गहराई और भविष्य की दिशा को पुनः पुष्टि की। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के बीच हुए भारत-जापान समिट के बड़े संदर्भ में इसका खास महत्व था। इस समिट के दौरान भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी की गहराई और भविष्य की दिशा को फिर से सुनिश्चित किया गया।

संक्षिप्त खबर

एआई के लिए ऊर्जा सबसे बड़ी चुनौती: ब्लैकरॉक सीईओ

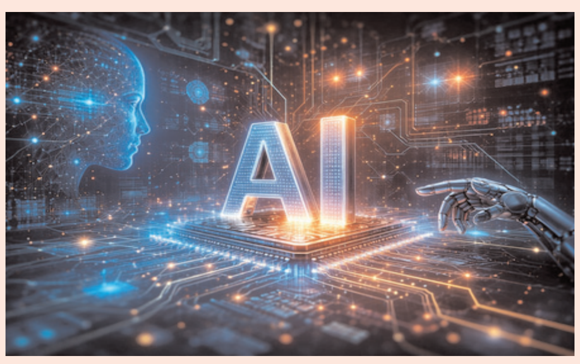

विश्व केसरी

वॉशिंगटन । ब्लैकरॉक के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी लैरी फिंक ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए सबसे बड़ी बाधा अब एडवांस्ड कंप्यूटर चिप्स नहीं, बल्कि बिजली की उपलब्धता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका को अपने पुराने हो चुके पावर ग्रिड को आधुनिक बनाना होगा, अन्यथा तकनीकी इनोवेशन की अगली लहर धीमी पड़ सकती है।

सीएनएन के 'फरीद जकारिया जीपीएस' को दिए एक इंटरव्यू में फिंक ने कहा कि एआई का तेजी से विस्तार कंप्यूटिंग पावर की मजबूत मांग पैदा कर रहा है, जिससे अमेरिका के बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर की कमजोरियां सामने आ रही हैं।

फिंक ने कहा, 'अमेरिका में हमारे पास पर्याप्त बिजली नहीं है।' उन्होंने बिजली को एआई के विकास में सबसे बड़ी बाधा बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास ऊर्जा के पर्याप्त संसाधन हैं, खासकर प्राकृतिक गैस, लेकिन बिजली को कुशलतापूर्वक वितरित करने के लिए जरूरी ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास नैचुरल गैस से मिलने वाली बहुत अधिक बिजली है, लेकिन हम इसे सही तरीके से बांट नहीं पा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि देश को अपने बिजली ग्रिड को बढ़ाने और अपग्रेड करने के लिए 'अरबों डॉलर' का निवेश करना होगा। उन्होंने कहा, 'अगर हम ऐसा नहीं करते हैं, तो हम एआई के क्षेत्र में सफल नहीं हो पाएंगे। एआई असल में इलेक्ट्रॉन्स का एक समूह है। इसलिए इलेक्ट्रॉन्स बनाने के लिए आपको बिजली की जरूरत होती है।'

फिंक ने कहा कि अभी एआई कंप्यूटिंग क्षमता की मांग सप्लाई से अधिक है, जिससे न सिर्फ एडवांस्ड चिप्स की, बल्कि बिजली और दूसरे जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर की भी कमी हो रही है। उन्होंने कहा, 'इस समय, सप्लाई से ज्यादा मांग है। अभी हमारे पास कंप्यूटिंग क्षमता की कमी है, जो मुझे लगता है कि आज हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक कंप्यूटिंग की लागत काफी कम नहीं हो जाती, तब तक छोटी संस्थाओं को एआई क्रांति का फायदा उठाने में मुश्किल हो सकती है। फिंक ने कहा, 'मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि ब्लैकरॉक या जे.पी. मॉर्गन के पास इन मॉडल्स में निवेश करने के लिए पैसे हैं या नहीं। लेकिन मुझे नगर पालिकाओं या अस्पतालों की बहुत चिंता है। क्या वे इसमें निवेश करेंगे । एआई टेक्नोलॉजी तक सबकी पहुंच बढ़ाने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका को 'एआई का लोकतंत्रीकरण' करना चाहिए ताकि अस्पताल, स्थानीय सरकारें, ट्रांसपोर्ट सिस्टम और छोटे व्यवसाय भी एडवांस्ड एआई टूल्स का इस्तेमाल कर सकें।

एस जयशंकर का कतर दौरा हुआ समाप्त, पीएम थानी के साथ द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर 5 से लेकर 15 जुलाई तक छह देशों के दौरे पर हैं। पहले चरण में वो कतर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री महामहिम शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी से मुलाकात की और ऊर्जा एवं व्यापार समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों के दायरे की समीक्षा की।

विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 5 जुलाई को अपना कतर दौरा खत्म किया। इस दौरे के दौरान, उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री महामहिम शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी के साथ बैठक की। उन्होंने ऊर्जा, व्यापार, निवेश और लोगों के आपसी संबंधों पर फोकस करते हुए द्विपक्षीय संबंधों के पूरे दायरे की समीक्षा की।

दोनों नेताओं ने आपसी हितों के क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी चर्चा की। इसके अलावा, विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने चल रही अमेरिका-ईरान बातचीत में कतर द्वारा निभाई गई प्रमुख और सक्रिय मध्यस्थता भूमिका की सराहना की।

विदेश मंत्री ने भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की और क्षेत्रीय संघर्ष के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान उनके लचीलेपन की सराहना की और भारत-कतर साझेदारी को गहरा करने की उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

कतर यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दोहा में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने कतर समाज के प्रति उनके योगदान की तारीफ की। जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत बनाने में उनके अनुभव और सुझाव अहम भूमिका निभाएंगे। कतर की यात्रा में दोहा पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'रविवार शाम कतर में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से अच्छी मुलाकात हुई। हमने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र के साथ हमारे रिश्तों में भारतीय समुदाय का कल्याण हमेशा एक अहम प्राथमिकता है।

अमेरिका चंद्रमा पर फिर से पहुंचने की रेस में चीन से कर रहा प्रतिस्पर्धा, टाइमलाइन अब महीनों में तय : नासा प्रमुख

विश्व केसरी

वाशिंगटन, 6 जुलाई (आईएएनएस)। नासा के प्रशासक जैरेड आइजैकमैन ने कहा है कि चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को दोबारा भेजने की होड़ में अमेरिका एक बार फिर चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अब यह मुकाबला सालों नहीं, बल्कि महीनों में तय होगा, क्योंकि दोनों देश पृथ्वी से परे मानव की स्थायी मौजूदगी स्थापित करने की अपनी योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

अमेरिका की आजादी की 250वीं सालगिरह के मौके पर सीबीएस के 'फेस द नेशन' पर एक इंटरव्यू में इसाकमैन ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए कि बीजिंग चांद पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने का इरादा रखता है, इसलिए वाशिंगटन के लिए जल्दी कदम उठाना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं है। जैसे, हम अभी अंतरिक्ष की रेस में हैं और चीनी बहुत तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं। चीनी अपने टाइकोनॉट्स (चीन के अंतरिक्ष यात्रियों को दिया गया एक विशेष नाम) चांद पर उतारेंगे। इसमें कोई शक नहीं है। सवाल यह है कि क्या अमेरिका उनसे पहले वापस आएगा?'

आइजैकमैन ने कहा कि ट्रंप सरकार ने नासा के आर्टेमिस प्रोग्राम के लिए ऐतिहासिक निवेश देकर चांद पर खोज को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना दिया है।

उन्होंने कहा, 'हम वापस जा रहे हैं। यह जबरदस्त होगा।' उन्होंने आगे कहा कि आर्टेमिस ढ्ढ्ढ अगले साल के लिए प्लान किया गया है और उसके बाद 2028 में आर्टेमिस ढ्ङ्क होगा, जब अंतरिक्ष यात्रियों के पृथ्वी की कक्षा में नए लैंडिंग सिस्टम की टेस्टिंग के बाद चांद की सतह पर उतरने की

ऑस्ट्रेलिया-फिजी रक्षा गठबंधन के कुछ घंटों बाद चीन का पनडुब्बी से मिसाइल टेस्ट

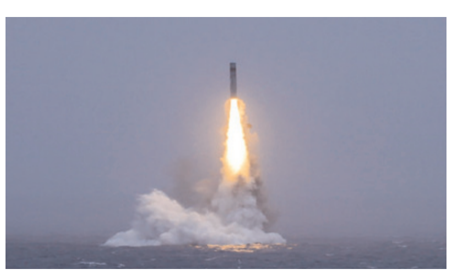

विश्व केसरी

बीजिंग। चीन ने दक्षिण प्रशांत महासागर में एक लंबी दूरी की मिसाइल का परीक्षण किया है, जिसके कुछ ही घंटों पहले ऑस्ट्रेलिया और फिजी के बीच एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौता हुआ था। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और कई देशों ने इसे लेकर चिंता जताई है। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने एबीसी के प्रोग्राम '7.30' पर अपनी राय जाहिर की। इस मिसाइल परीक्षण को 'क्षेत्र की स्थिरता के लिए अस्थिर करने वाला' बताया। वहीं न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने इसे 'गंभीर रूप से चिंताजनक' करार दिया। चीनी नौसेना के प्रवक्ता ने मीडिया ब्रीफिंग में इसकी जानकारी दी। बताया कि एक परमाणु पनडुब्बी ने 'रणनीतिक मिसाइल' लॉन्च की, जिसमें प्रशिक्षण के लिए सिमुलेशन वारहेड लगाया गया था। बयान में कहा गया कि मिसाइल ने 'निर्धारित समुद्री क्षेत्र में सटीक निशाना लगाया' और यह परीक्षण नियमित सैन्य अभ्यास का हिस्सा था।

चीन के रक्षा मंत्रालय ने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या यह अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) थी या नहीं। वहीं चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह परीक्षण किसी विशेष देश को निशाना बनाकर नहीं किया गया और सभी संबंधित देशों को पहले ही सूचना दे दी गई थी। हालांकि, न्यूजीलैंड सरकार ने कहा कि उसे लॉन्च से कुछ घंटे पहले जानकारी दी गई थी और यह परीक्षण न्यूक्लियर-फ्री साउथ पैसिफिक ज़ोन में किया गया।

यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब ऑस्ट्रेलिया और फिजी ने 'ओशन ऑफ पीस' नामक एक रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत दोनों देश किसी भी हमले की स्थिति में एक-दूसरे की मदद करेंगे। यह समझौता क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने कहा कि उन्हें चीन की गतिविधियों की जानकारी पहले से थी, लेकिन मिसाइल परीक्षण को लेकर चिंता बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया ने इसे क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

वेनेजुएला में आए भूकंप के बाद मृतकों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी, 3,342 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा

विश्व केसरी

काराकास। वेनेजुएला में पिछले महीने आए दो तेज भूकंप से हुई तबाही का मंजर बेहद खौफनाक है। मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। वेनेजुएला में आए भूकंप के झटकों से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,342 हो गई है, जबकि 16,740 लोग घायल हुए हैं, नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने यह जानकारी दी। रोड्रिगेज ने रविवार को टेलीग्राम पर एक अपडेट में कहा कि बचाए गए लोगों की संख्या अभी भी 6,462 है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 17,345 लोग बेघर भी हुए हैं। अपडेट के अनुसार, 24 जून को 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप के बाद से वेनेजुएला में 995 आफ्टरशॉक (कम तीव्रता के भूकंप) रिकॉर्ड किए गए हैं। अधिकारियों ने बेघर और प्रभावित लोगों की मदद के लिए 80 अस्थायी कैंप भी बनाए हैं। शनिवार के अपडेट के अनुसार, जिंदा बचे लोगों को ढूंढने के लिए 29,567 बचावकर्मी अभी भी तैनात हैं, जिनमें 3,281 विदेश से आए लोग शामिल हैं। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने 24 जून को देश में आए जबरदस्त भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की।

रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'पीड़ितों की याद में मैंने बुधवार (स्थानीय समय) की शाम 6:00 बजे से सात दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है। भारी दुख की इस घड़ी में हम इस त्रासदी से पीड़ित लोगों को गले लगाते हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं। खतरनाक भूकंपों से हुए मानव जीवन के नुकसान से वेनेजुएला बुरी तरह टूट गया है।'

अफगानिस्तान: बढ़ते सड़क हादसे चिंता का विषय, रिपोर्ट में दावा- 'मार्च से अब तक 100 लोगों ने गंवाई जान

विश्व केसरी

काबुल। दक्षिणी अफगानिस्तान के जाबुल प्रांत में सोमवार को एक यात्री बस सड़क से उतरकर पलट गई। इस दुर्घटना में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि 28 घायल हो गए। अफगानिस्तान के विभिन्न प्रांतों से आए दिन हादसों की खबर आती रहती है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मार्च से अब तक 100 से ज्यादा लोगों ने जान गंवाई है।

स्थानीय पुलिस प्रवक्ता जबिहुल्लाह जवाहर के अनुसार, जाबुल सड़क हादसा शाह जोय जिले के बाहरी इलाके में हुआ, जब हेरात से काबुल जा रही बस अचानक तकनीकी खराबी के कारण नियंत्रण खो बैठी और सड़क से उतरकर पलट गई। घटना के बाद स्थानीय पुलिस और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अफगानिस्तान में हाल के दिनों में इस तरह के सड़क हादसों की कई घटनाएं सामने आई हैं।

अफगानिस्तान में इस साल मार्च के अंत से अब तक सड़क हादसों में करीब 101 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 198 लोग घायल हुए हैं। यह दावा सेटेलाइट चैनल अमू टीवी ने किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में देशभर में लगभग 120 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें मृतकों में 14 बच्चे भी शामिल हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। हालांकि यह आंकड़े केवल उपलब्ध रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और पूरे देश का आधिकारिक डेटा नहीं हैं, इसलिए वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है।

दक्षिण कोरिया: पूर्व फर्स्ट लेडी किम ही को ज्वेलरी, घड़ी और बैग देने वालों को कोर्ट से सजा

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया में पूर्व प्रथम महिला किम केओन ही से जुड़े रिश्वत मामले में तीन आरोपियों को दी गई सजा अब अंतिम हो गई है, कानूनी सूत्रों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अदालत के सस्पेंडेड जेल टर्म और जुर्माने के फैसले पर दोनों पक्षों ने अपील नहीं की, जिसके बाद यह निर्णय अंतिम रूप से लागू हो गया है।

यह फैसला 26 जून को सोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने सुनाया था और शुक्रवार को इसे औपचारिक रूप से अंतिम माना गया।

योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस मामले में एक निर्माण कंपनी के अध्यक्ष को एक साल सस्पेंडेड जेल टर्म (अदालत दोषी व्यक्ति को कारावास की सजा तो सुनाती है, लेकिन उसे तुरंत जेल नहीं भेजा जाता) की सजा सुनाई गई है। उन पर आरोप था कि उन्होंने लगभग 1 करोड़ वॉन (करीब 64,750 अमेरिकी डॉलर) की ज्वेलरी किम को दी थी, बदले में अपने दामाद के लिए सरकारी नौकरी की मांग की थी। एक अन्य व्यवसायी को 10 महीने का सस्पेंडेड जेल टर्म मिला, क्योंकि उन्होंने पूर्व प्रथम महिला को वाचेरॉन कॉन्स्टैंटिन घड़ी उपहार में दी थी और इसके बदले व्यापारिक लाभ लेने का आरोप था। एक पादरी को 54 लाख वॉन की डियोर हैंडबैग देने के मामले में 8 लाख वॉन का जुर्माना लगाया गया। उसी अदालत ने पूर्व प्रथम महिला किम केओन ही को भी लगभग 30 करोड़ वॉन के उपहार और रिश्वत लेने के आरोप में 7 साल की जेल सजा सुनाई थी। सोल की एक अदालत ने 26 जून को पूर्व फर्स्ट लेडी किम केओन ही को नौकरी और बिजनेस में फायदा पहुंचाने के बदले महंगे तोहफे लेने के आरोप में सजा सुनाई थी। उन पर मध्यस्थता के लिए रिश्वत लेने के आरोप थे। हालांकि, उन्होंने इस फैसले के खिलाफ अपील कर दी है और फिलहाल अपीलीय अदालत में मामला चल रहा है।

तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले थलसेना प्रमुख

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भारत की राष्ट्रपति एवं तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की है। जनरल धीरज सेठ अपनी पत्नी कोमल सेठ के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात करने पहुंचे थे। यह मुलाकात भारतीय सैन्य नेतृत्व और राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद के बीच परंपरागत संवाद एवं विश्वास का महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है।

गौरतलब है कि यह भेंट ऐसे समय हुई है जब जनरल धीरज सेठ ने हाल ही में भारतीय सेना के 31वें थलसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला है। सेना की कमान संभालने के बाद राष्ट्रपति से उनकी यह उनकी पहली मुलाकात है। यह मुलाकात इसलिए भी विशेष महत्व रखती है, क्योंकि राष्ट्रपति भारतीय सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर हैं। राष्ट्रपति व सेना के शीर्ष नेतृत्व के साथ समय-समय पर राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सैन्य तैयारियों से जुड़े विषयों पर संवाद की परंपरा रही है।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस भेंट के दौरान जनरल धीरज सेठ और कोमल सेठ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उनका अभिवादन किया। यह मुलाकात भारतीय सेना और राष्ट्रपति भवन के बीच संस्थागत संबंधों तथा सैन्य परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रतीक भी है। सेना प्रमुख, जनरल धीरज सेठ बख्तरबंद कोर के एक अनुभवी अधिकारी हैं और उन्होंने अपने लंबे सैन्य करियर में अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं।

थलसेना प्रमुख बनने से पहले वे उप-थलसेना प्रमुख के पद पर कार्यरत थे। सेना की कमान संभालने के बाद उन्होंने भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तकनीक-सक्षम, आत्मनिर्भर और आधुनिक भारतीय सेना के निर्माण की अपनी प्राथमिकताओं को भी रेखांकित किया है। इससे पहले 2 जुलाई को उन्होंने नई दिल्ली स्थित रक्षा मंत्रालय में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की थी।

जनरल धीरज सेठ के थलसेना प्रमुख का पदभार संभालने के बाद रक्षामंत्री से यह उनकी पहली मुलाकात रही।

जनरल धीरज सेठ ने पदभार ग्रहण करने के साथ ही 'विजय' नामक अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था। उनका लक्ष्य भारतीय सेना को अत्याधुनिक तकनीक से लैस, भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार और बहु-क्षेत्रीय युद्धक्षेत्र में प्रभावी ढंग से संचालन करने वाली सेना के रूप में विकसित करना है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कभी भी पद को नहीं, विचार को महत्व दिया: जेपी नड्डा

विश्व केसरी

अंबाला। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर हरियाणा के अंबाला जिले में आयोजित कार्यक्रम को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने संबोधित किया।

सभा को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा, 'मेरा ये सौभाग्य है कि मुझे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जन्म-जयंती के अवसर पर हरियाणा की पवित्र भूमि पर अंबाला आने का अवसर मिला है। यह भूमि सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से गीता की भूमि कही जाती है। इस भूमि को आजादी के वीरों के लिए जाना जाता है। खेलों में हमारे देश का नाम रोशन करने वाली हरियाणा की इस भूमि को मैं नमन करता हूं।'

उन्होंने कहा कि आज जब मैं यहां आया हूं, तो मैं कहूंगा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जीवन से हमें जो दृष्टि मिलती है, उसकी भावना एक भारत-श्रेष्ठ भारत में निहित है। उनका जीवन इसके लिए ही समर्पित किया। हम जिस पार्टी के सदस्य हैं, उसके वे संस्थापक सदस्य रहे और 21 अक्टूबर, 1951 को उन्होंने इस विचारधारा, भारतीय जनसंघ, की स्थापना की। आज हमें खुशी है कि जिस पौधे की जड़ों को उन्होंने सींचा, आज वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए आज देश की 78 प्रतिशत जनसंख्या पर राज कर रही है और लगभग 72 प्रतिशत भू-भाग पर एनडीए और भारतीय जनता पार्टी का कमल खिला है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कभी भी पद को नहीं बल्कि विचार को महत्व दिया और जब-जब बारी आई विचार के लिए पद को त्यागा और विचार के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा कि हुसैन सुहरावर्दी की सरकार थी, जिसके अंतर्गत पूरा पश्चिम और पूर्वी बंगाल आता था, उसने योजना बना ली थी कि विभाजन में यह पाकिस्तान के साथ जाएगा। उस समय श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने जन-आंदोलन चलाया और जन-आंदोलन चलाने के बाद उन्होंने कहा कि हम ये कभी नहीं होने देंगे। आज जो पश्चिम बंगाल है।

गुजरात, मध्य प्रदेश और बिहार की 3 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए आधिकारिक तौर पर अधिसूचना जारी की है। तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 30 जुलाई को मतदान होगा और 3 अगस्त को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

चुनाव आयोग ने दो जुलाई को तीनों विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान किया था। सोमवार को अधिसूचना जारी होने के बाद पार्टी प्रत्याशी अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। ईसीआई के अनुसार, बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होगा। 13 जुलाई नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख है और 14 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख 16 जुलाई तय की गई है। आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आवश्यक होने पर 30 जुलाई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा।

मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर राजेंद्र भारती की सदस्यता निलंबित किए जाने के बाद उपचुनाव होगा। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने भाजपा के नरोत्तम मिश्रा को 7 हजार से अधिक वोटों के अंतर से हराया था। राजेंद्र भारती को कुल 88,977 वोट मिले, जबकि नरोत्तम मिश्रा के पक्ष में 81,235 लोगों ने मतदान किया। हालांकि, इसी साल एक फर्जीवाड़े के मामले में राजेंद्र भारती को दोषी ठहराया गया, जिसके बाद उन्हें दतिया सीट से अयोग्य घोषित किया गया।

देश की एकता से समझौता करने वालों को इतिहास ने नकारा : सीएम योगी

विश्व केसरी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें भारत माता का महान सपूत, प्रखर स्वतंत्रता सेनानी और दूरदर्शी राष्ट्रवादी बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का उद्घोष किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का निरसन हटाकर साकार किया।

लखनऊ में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक शिक्षाविद या राजनेता नहीं थे, बल्कि देश की अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले राष्ट्रनायक थे। उन्होंने कहा कि मात्र 33 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बने मुखर्जी ने शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के विभाजन के समय जब पूरे बंगाल को पाकिस्तान में मिलाने की कोशिश हो रही थी, तब डॉ. मुखर्जी उसके खिलाफ मजबूती से खड़े हुए। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है तो उसमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले खाद्य एवं उद्योग मंत्री के रूप में भी डॉ. मुखर्जी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया लेकिन देशहित के मुद्दों पर समझौता न करते हुए उन्होंने मंत्रिमंडल छोड़ दिया और बाद में भारतीय जनसंघ की स्थापना की।

उन्होंने कहा कि कश्मीर की परमिट व्यवस्था और विशेष दर्जे के खिलाफ डॉ. मुखर्जी का आंदोलन देश की एकता का प्रतीक था। योगी ने कहा कि वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाकर केंद्र सरकार ने बाबा साहब के संविधान को जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह लागू किया और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अधूरे संकल्प को पूरा किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए डॉ. मुखर्जी का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

बांकीपुर में एनडीए उम्मीदवार की होगी जीत, विकास के काम से जनता खुश : संजय सरावगी

विश्व केसरी

पटना। बिहार के बांकीपुर उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने उपचुनाव, राम मंदिर चढ़ावा मुद्दों पर बयान देते हुए पार्टी की स्थिति, विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी।

बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में आम नागरिकों और मतदाताओं का व्यापक समर्थन भारतीय जनता पार्टी और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार को मिल रहा है। क्षेत्र में पिछले वर्षों में तेजी से विकास कार्य हुए हैं और पटना सहित बांकीपुर ने तरक्की की नई दिशा देखी है। जनता इन विकास कार्यों के आधार पर आगामी उपचुनाव में समर्थन देगी।

बांकीपुर उपचुनाव को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करेगी और एनडीए उम्मीदवार की भारी बहुमत से जीत सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों और संगठन की मजबूती के आधार पर पार्टी चुनाव में मजबूत स्थिति में है।

उपचुनाव की प्रक्रिया पर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बांकीपुर उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है और मतदान 30 जुलाई को निर्धारित है। भारतीय जनता पार्टी जल्द ही अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन समर्थित उम्मीदवार की घोषणा करेगी। अन्य राजनीतिक दल भी अपने-अपने उम्मीदवारों के साथ मैदान में उतरेंगे, जिससे चुनावी मुकाबला रोचक होगा। विपक्ष पर निशाना साधते हुए सरावगी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उन्हें अयोध्या और भगवान श्रीराम की याद केवल चुनाव के समय आती है।

झारखंड: रामगढ़ में पुलिस मुठभेड़ में गैंगस्टर प्रिंस खान का शूटर घायल, चार पिस्तौल और 60 कारतूस बरामद

विश्व केसरी

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले के भुरकुंडा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान गिरोह का शूटर शिवराज राम उर्फ शिवा घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है। संयुक्त अभियान में गिरोह के एक अन्य सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से एक पिस्तौल, दो मोबाइल फोन और कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए। इसके बाद की तलाशी में तीन अवैध पिस्तौल और करीब 60 जिंदा कारतूस जब्त किए गए।

यह मुठभेड़ भुरकुंडा थाना क्षेत्र स्थित रिवरसाइड केंद्रीय विद्यालय के समीप हुई। धनबाद के एसएसपी को मिली खुफिया सूचना के आधार पर धनबाद, रामगढ़ और रांची पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। पुलिस के पहुंचते ही अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में कई राउंड गोलियां चलीं। इस दौरान शिवराज राम उर्फ शिवा गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि घायल शिवराज को मौके से गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा कुजू क्षेत्र से गिरोह के एक अन्य अपराधी को भी हिरासत में लिया गया है। उसकी पहचान और भूमिका के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस बरामद हथियारों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आधार पर गिरोह के नेटवर्क और संभावित आपराधिक साजिश की जांच कर रही है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शिवराज पहले कुख्यात अपराधी राहुल दुबे के लिए काम करता था और बाद में प्रिंस खान गिरोह का सक्रिय सदस्य बन गया। वह लंबे समय से पुलिस की रडार पर था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार हाल के दिनों में धनबाद में सख्ती बढ़ने के बाद प्रिंस खान गिरोह के सदस्य रामगढ़ और रांची समेत आसपास के जिलों में अपनी गतिविधियां बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे।

फिलहाल, पुलिस गिरोह के फरार सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

नौसेना का नया समुद्री प्रहरी महेंद्रगिरि, समुद्री बेड़े में होगा शामिल

विश्व केसरी

नई दिल्ली। स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट महेंद्रगिरि (एफ-38) भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने जा रहा है। इसके साथ ही नौसेना की ताकत में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ेगा। दरअसल यह युद्धपोत हथियारों से लैस एक चलता-फिरता युद्धक मंच है। महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना की बहुआयामी युद्ध आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

इसमें सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियां, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, आधुनिक सेंसर, पनडुब्बी रोधी हथियार तथा एकीकृत कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाया गया है। युद्धपोत महेंद्रगिरि पूरी तरह भारतीय विशेषज्ञता का परिणाम है। इसका डिजाइन भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है, जबकि निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है।

महेंद्रगिरि नौसेना का एक स्टील्थ फ्रिगेट युद्धपोत है। स्टील्थ तकनीक का अर्थ है कि यह युद्धपोत दुश्मन के रडार पर सामान्य जहाजों की तुलना में बहुत कम दिखाई देता है। इसके ढांचे, बाहरी डिजाइन और विशेष तकनीकों को इस प्रकार विकसित किया गया है कि इसकी रडार पहचान क्षमता न्यूनतम रहे। युद्ध की स्थिति में यह विशेषता इसे सामरिक बढ़त प्रदान करती है। 11 जुलाई को विशाखापत्तनम में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रोजेक्ट-17ए श्रृंखला के छठे स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट महेंद्रगिरि (एफ-38) को औपचारिक रूप से नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। यह केवल एक नए युद्धपोत का कमीशनिंग समारोह नहीं है, बल्कि भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन और समुद्री शक्ति का भी प्रतीक है।

ग्रेटर नोएडा: दनकौर में एसी ब्लास्ट से मकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के ननुआ का राजपुर गांव में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक मकान में लगे एयर कंडीशनर (एसी) में अचानक ब्लास्ट हो गया। तेज धमाके के साथ लगी आग ने देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और मकान के दो कमरे पूरी तरह जलकर राख हो गए। इस हादसे में लाखों रुपये मूल्य का घरेलू सामान नष्ट हो गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि परिवार के सभी सदस्य समय रहते घर से बाहर निकल आए, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह अचानक एसी से तेज आवाज आई, जिसके बाद उसमें से चिंगारियां निकलने लगीं। कुछ ही क्षणों में आग ने कमरे में रखे फर्नीचर, कपड़ों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य घरेलू सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलने लगी तो परिवार के लोगों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि उस पर काबू पाना संभव नहीं हो सका।

घटना की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में मकान के दो कमरों में रखा अधिकांश सामान पूरी तरह जल गया। घरेलू उपयोग के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, फर्नीचर, कपड़े और अन्य जरूरी सामान आग की भेंट चढ़ गए।

महाराष्ट्र: मुंबई में भारी बारिश का रेड अलर्ट, तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी

विश्व केसरी

मुंबई। मुंबई में हो रही भारी बारिश से स्थिति काफी गंभीर हो गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से मुंबई में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बीएमसी ने पोस्ट कर लिखा, 'भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है, जिसमें 70 से 80 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।' बीएमसी की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, 'कृपया पेड़ों, जर्जर इमारतों, होर्डिंग्स, बिजली के खंभों और अन्य खतरनाक जगहों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। गाड़ियों को पेड़ों के नीचे पार्क करने से बचें। समुद्र तटों या निचले/जल-जमाव वाले इलाकों में जाने से बचें। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे अफवाहों पर विश्वास न करें बल्कि आधिकारिक माध्यमों से जारी निर्देशों और चेतावनियों का पालन करें।'

बीएमसी ने आगे लिखा, 'कृपया बीएमसी प्रशासन और आपदा प्रबंधन अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों और दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें। इसके अलावा, नागरिकों से अनुरोध है कि मदद के लिए बीएमसी की हेल्पलाइन '1916' पर संपर्क करें। बीएमसी के लगभग 15,000 कर्मचारी और अधिकारी अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर चौबीसों घंटे जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारी भी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और जरूरी उपायों के लिए समन्वय कर रहे हैं।'

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की ओर से जानकारी दी गई कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 6 जुलाई 2026 को पुणे जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। छात्रों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए पुणे शहर और पुणे ग्रामीण जिले के सभी स्कूलों में सोमवार को अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि सभी नागरिकों से अनुरोध है ।

कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें, प्रशासन और भारत मौसम विज्ञान विभाग के निर्देशों का सख्ती से पालन करें और आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरतें।

टेस्ला ने दिल्ली में उत्तर भारत की पहली इन-मॉल चार्जिंग सुविधा शुरू की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी टेस्ला ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उत्तर भारत की पहली इन-मॉल चार्जिंग सुविधा शुरू की। इसके जरिए कंपनी की कोशिश अपने चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को देश में बढ़ाना है।

कंपनी के बयान के मुताबिक, नई चार्जिंग सुविधा को दक्षिणी दिल्ली के नेक्सस सेलेक्ट सिटीवॉक में लॉन्च किया है। इसका अपटाइम 99.95 प्रतिशत है। अपटाइम का मतलब होता है कि चार्जर कितने समय तक चार्जिंग के लिए खुला हुआ है।

नई चार्जिंग लोकेशन पर छह डेस्टिनेशन चार्जर (सभी एसी 11 किलोवाट की क्षमता के साथ) लगे हैं, जिससे टेस्ला मालिक शॉपिंग या खाना खाते समय अपनी गाड़ियों को चार्ज कर सकते हैं।

मॉल के पी1 पार्किंग एरिया में मौजूद नई साइट के शुरू होने के साथ, टेस्ला अब पूरे भारत में छह चार्जिंग लोकेशन चलाती है, जिनमें 20 सुपरचार्जर और 20 डेस्टिनेशन चार्जर शामिल हैं।

चार्जिंग सुविधा के साथ-साथ, कंपनी ने 6 जुलाई से 10 जुलाई तक एक पॉप-अप स्टोर भी खोला है, जहां विजिटर गाइडेड वॉकअराउंड, प्रोडक्ट डेमोंस्ट्रेशन और टेस्ट ड्राइव के जरिए हाल ही में लॉन्च हुई मॉडल वाई एल और 2026 मॉडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव को देख और समझ सकते हैं। मॉडल वाई एल एक छह-सीटर, ऑल-व्हील-ड्राइव इलेक्ट्रिक एसयूवी है जिसमें तीन-रो वाली सीटिंग है और इसकी ड्राइविंग रेंज 681 किलोमीटर (डब्ल्यूएलटीपी) तक होने का दावा किया गया है।

कंपनी ने बताया कि यह गाड़ी 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्ताप 5 सेकंड में पकड़ लेती है और इसकी शुरुआती कीमत 61.99 लाख रुपए है।

2026 मॉडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव है, जिसमें पांच यात्री बैठ सकते हैं। कंपनी, इसकी रेंज 500 किलोमीटर (डब्ल्यूएलटीपी) तक होने का दावा करती है। यह 0 से 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार 5.9 सेकंड में पकड़ लेती है और इसकी शुरुआती कीमत 50.89 लाख रुपए है।

टेस्ला ने कहा कि दोनों मॉडल्स को ग्लोबल सेफ्टी असेसमेंट एजेंसियों से टॉप सेफ्टी रेटिंग मिली हैं, जिनमें यूएस नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए), इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट फॉर हाईवे सेफ्टी (आईआईएचएस), यूरो एनकैप, एएनकैप और सी-आईएएसआई शामिल हैं।

कंपनी ने आगे कहा कि दोनों गाड़ियां अब उसकी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए बुकिंग के लिए उपलब्ध हैं, और भारत के सभी राज्यों में होम चार्जिंग सपोर्ट भी उपलब्ध है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड जुड़ेः सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य पहल आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) ने दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल स्वास्थ्य नेटवर्क में अपनी जगह बना ली है। सरकार द्वारा सोमवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, अब तक 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड को 93 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) से जोड़ा जा चुका है।

फैक्टशीट के अनुसार, यह मिशन नागरिकों को केंद्र में रखकर एक डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित कर रहा है। इसके जरिए मरीज अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित तरीके से प्रबंधित कर सकते हैं, अस्पतालों में कागजी प्रक्रिया कम होती है, पंजीकरण और इलाज के लिए इंतजार का समय घटता है तथा मरीजों, अस्पतालों, डॉक्टरों और बीमा कंपनियों के बीच एकीकृत डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से बेहतर समन्वय स्थापित होता है।

सितंबर 2021 में शुरू किए गए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य देश भर में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए आवश्यक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ, प्रभावी और आपस में जुड़ी हुई (इंटरऑपरेबल) बन सकें।

मिशन के तहत आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) प्रत्येक नागरिक के लिए एक विशिष्ट डिजिटल हेल्थ आईडी के रूप में काम करता है। मरीज की सहमति के आधार पर यह आईडी उसके मेडिकल रिकॉर्ड को अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, बीमा कंपनियों और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सुरक्षित रूप से जोड़ती है।

सरकार ने हाल ही में आरोग्य सेतु 2.0 को भी एबीडीएम के तहत नागरिकों के लिए एक डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में लॉन्च किया है, जिसके जरिए उपयोगकर्ता एबीएचए अकाउंट बना सकते हैं, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड का प्रबंधन कर सकते हैं, टेली-कंसल्टेशन और अस्पताल की अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं, बीमा संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, आसपास की स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ले सकते हैं और वियरेबल डिवाइस के जरिए अपने स्वास्थ्य की निगरानी भी कर सकते हैं।

फैक्टशीट में आगे कहा गया है कि नेशनल हेल्थ अथॉरिटी (एनएचए) की 'स्कैन एंड शेयर' सेवा ने अस्पतालों में ओपीडी पंजीकरण की प्रक्रिया को काफी तेज बना दिया है। 18 जून तक देश भर के स्वास्थ्य संस्थानों में 23.21 करोड़ से अधिक एबीएचए-लिंक्ड डिजिटल टोकन जारी किए जा चुके थे। सरकार के अनुसार, 18 जून तक इस मिशन के तहत अस्पतालों को 107 करोड़ रुपए से अधिक, डायग्नोस्टिक सेंटर, लैब और फार्मेसी को 2.95 करोड़ रुपए से अधिक, जबकि डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को 26 करोड़ रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि वितरित की जा चुकी है।

रोजाना शराब की एक ड्रिंक भी बढ़ा सकती है हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतराः अध्ययन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रोजाना सिर्फ एक शराब की ड्रिंक भी आपकी सेहत पर असर डाल सकती है। इससे व्यक्ति का ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल स्तर बढ़ सकता है जो आगे चलकर हार्ट अटैक और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

'हाइपरटेंशन' (अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का एक जर्नल) में प्रकाशित इस स्टडी में अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के करीब 19,548 से ज्यादा लोगों के डेटा को शामिल किया गया। इन लोगों की सेहत को कई सालों तक ट्रैक किया गया ताकि यह समझा जा सके कि शराब पीने और ब्लड प्रेशर बढ़ने के बीच क्या संबंध है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि शराब की मात्रा और ब्लड प्रेशर के बीच एक सीधा संबंध है। जैसे-जैसे रोजाना शराब का सेवन बढ़ता है, वैसे-वैसे सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर (दिल द्वारा शरीर में रक्त पंप करने का दबाव) में भी बढ़ोतरी होती है।

अध्ययन के अनुसार, कम मात्रा

में शराब पीने वाले लोगों में भी ब्लड प्रेशर में हल्की लेकिन लगातार वृद्धि दर्ज की गई। इसका मतलब यह है कि भले ही शुरुआती स्तर पर यह बदलाव बहुत बड़ा न लगे, लेकिन लंबे समय में यह हृदय और रक्त वाहिकाओं पर दबाव बढ़ा सकता है। यह स्थिति आगे चलकर हार्ट अटैक, स्ट्रोक और अन्य हृदय संबंधी बीमारियों का कारण बन सकती है।

इसके अलावा, अध्ययन में यह भी देखा गया कि पुरुषों में डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर (जो दिल की धड़कनों के बीच रक्त वाहिकाओं में दबाव को मापता है) में वृद्धि हुई, जबकि महिलाओं में यह प्रभाव स्पष्ट रूप से नहीं देखा गया। यह निष्कर्ष मिरर की रिपोर्ट में भी सामने आया।

अध्ययन के प्रमुख लेखक प्रोफेसर मार्को विंसेटी, जो यूनिवर्सिटी ऑफ मोडेना एंड रेजियो एमिलिया से जुड़े हैं और बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में एडजंक्ट प्रोफेसर भी हैं, ने कहा कि उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि कम मात्रा में शराब का सेवन भी रक्तचाप में नकारात्मक बदलाव ला सकता है। उन्होंने कहा, 'हमें कम स्तर पर शराब पीने से कोई लाभकारी प्रभाव नहीं मिला, जब इसकी तुलना शराब न पीने वालों से की गई।'

प्रोफेसर विंसेटी ने यह भी कहा कि शराब केवल ब्लड प्रेशर बढ़ाने वाला एकमात्र कारण नहीं है, लेकिन इसका प्रभाव काफी महत्वपूर्ण है।

गुजरात दक्षिण कोरियाई तकनीक का इस्तेमाल करके बनाएगा रबर डैम

विश्व केसरी

छोटा उदयपुर/तापी। गुजरात, दक्षिण कोरिया की रबर ब्लैडर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके अपने पहले दो एयर-फिल्ड रबर डैम बनाने जा रहा है। इन प्रोजेक्ट्स से छोटा उदयपुर और तापी जिलों में सिंचाई, ग्राउंडवाटर रिचार्ज और बाढ़ प्रबंधन में सुधार होने की उम्मीद है।

अभी बन रहे दो बांधों में छोटा उदयपुर जिले के बोदेली तालुका में हेरन नदी पर बना राजवासना रबर बांध और तापी जिले के डोलवन तालुका में अंबिका नदी पर बना पाठकवाड़ी रबर बांध शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स में कुल मिलाकर 162 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया गया है।

राज्य सरकार ने कहा कि ये प्रोजेक्ट्स दूर-दराज के इलाकों में सिंचाई और पानी की सप्लाई के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की कोशिशों का हिस्सा हैं और साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'कैच द रेन' कैंपेन को भी सपोर्ट करते हैं।

राजवासना रबर डैम का निर्माण 82.97 करोड़ रुपए से ज्यादा की अनुमानित लागत से किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को 30 महीने की निर्माण अवधि में सितंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

इस डैम में हेरन नदी पर 180 मीटर लंबा और 3.5 मीटर ऊंचा हवा भरने वाला रबर ब्लैडर लगाया जाएगा। सरकार के अनुसार, इस टेक्नोलॉजी से मौजूदा वियर की पानी जमा करने की क्षमता काफी बढ़ जाएगी, जिससे इसमें 3.5 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पानी जमा किया जा सकेगा। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से 25 गांवों के किसानों को सीधा फायदा होगा, क्योंकि इससे 3,420 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई हो सकेगी। पानी का स्टोरेज बढ़ने से ग्राउंडवाटर लेवल में भी सुधार होने की उम्मीद है, जिससे आस-पास के इलाकों में सिंचाई और पीने का पानी आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

महाराष्ट्र एफडीए ने तीन ब्यूटी क्रीम के इस्तेमाल को लेकर जारी की चेतावनी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र खाद्य और औषधि प्रशासन (एमएफडीए) ने तीन कॉस्मेटिक उत्पादों के इस्तेमाल के खिलाफ सार्वजनिक चेतावनी जारी की है। लैब टेस्ट में इनमें मरकरी और लेड की खतरनाक रूप से ज्यादा मात्रा पाई गई, जिससे गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर चिंता पैदा हो गई है।

रेगुलेटर ने गोरी ब्यूटी क्रीम, फेस फ्रेश गोल्ड (ब्यूटी क्रीम + ब्यूटी सीरम) और गोल्डन स्टार ब्यूटी क्रीम को घटिया क्वालिटी का बताया है। जांच में पता चला कि इन प्रोडक्ट्स में तय सीमा से ज्यादा भारी धातुएं पाई गईं।

एमएफडीए ने चेतावनी दी है कि इन कॉस्मेटिक्स का लंबे समय तक इस्तेमाल करने से सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है, जैसे कि किडनी, नर्वस सिस्टम और स्किन को नुकसान पहुंचना। ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे तुरंत इन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल, खरीद या वितरण बंद कर दें। जांच में यह भी पाया गया कि ये प्रोडक्ट्स जरूरी लेबलिंग नियमों का पालन नहीं करते थे। रेगुलेटर के अनुसार, इन कॉस्मेटिक्स पर बनाने वाली कंपनी का नाम और पता, बैच नंबर, बनने की तारीख और एक्सपायरी डेट जैसी जरूरी जानकारी नहीं थी, जिससे इनकी असलियत और सुरक्षा को लेकर और चिंताएं बढ़ गईं।

इसके जवाब में, एमएफडीए ने पूरे महाराष्ट्र में रिटेलर्स, होलसेलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया है कि वे इन पहचाने गए प्रोडक्ट्स की बिक्री और स्टॉक रखना तुरंत बंद कर दें। बिजनेस करने वालों को एफडीए को रिपोर्ट सौंपने का भी निर्देश दिया गया है, जिसमें बाजार से वापस मंगाए गए प्रोडक्ट्स की मात्रा और उनके पास बचे स्टॉक की जानकारी हो।

प्रशासन ने ग्राहकों से अपील की है कि वे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स सिर्फ अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदें और खरीदने से पहले ध्यान से जांच लें कि पैकेजिंग पर प्रोडक्ट से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी मौजूद है।

डीआरसी में इबोला का प्रकोप जारीः मृतकों की संख्या 500 पार, इलाज के लिए क्लीनिकल ट्रायल शुरू

विश्व केसरी

किंशासा। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसे लेकर रिपोर्ट जारी की है, जिसके मुताबिक महामारी से अब तक 506 लोगों की मौत हो चुकी है।

रविवार को जारी रिपोर्ट के हवाले से सिंहुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि, देश में अब तक 1,561 के इबोला संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है। इनमें 506 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 254 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं, 628 संक्रमित मरीज फिलहाल आइसोलेशन या अस्पताल में भर्ती हैं।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने 354 संदिग्ध मामलों की भी पहचान की है, जिनमें 110 लोगों की मौत हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इबोला का प्रकोप अब तक तीन प्रांतों के 36 स्वास्थ्य क्षेत्रों में फैल चुका है। हाल के हफ्तों में संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। महामारी के 25वें और 26वें

सप्ताह में 300 से अधिक नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जो इस प्रकोप की शुरुआत के बाद सबसे अधिक हैं। इससे स्पष्ट है कि समुदाय में संक्रमण अभी भी तेजी से फैल रहा है।

इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गुरुवार को बताया कि डीआरसी में बुंडीबुग्यो इबोलावायरस से होने वाली इबोला बीमारी के संभावित इलाज की जांच के लिए क्लीनिकल ट्रायल शुरू कर दिया गया है। इस वायरस के खिलाफ फिलहाल कोई स्वीकृत वैक्सीन या विशेष उपचार उपलब्ध नहीं है।

क्लीनिकल ट्रायल की शुरुआत इतुरी प्रांत के रवामपारा स्वास्थ्य क्षेत्र स्थित सीएमई इबोला उपचार केंद्र में की गई है, जिसे इस प्रकोप का केंद्र माना जा रहा है।

डब्ल्यूएचओ ने उसी दिन घोषणा की कि अध्ययन में पहला प्रतिभागी शामिल कर लिया गया है। यह ट्रायल इस बात की जांच कर रहा है कि क्या एंटीवायरल दवा रेमडेसिविर, प्रायोगिक एंटीबॉडी उपचार एमबीपी134, या दोनों का संयोजन बुंडीबुग्यो वायरस से संक्रमित मरीजों की जीवित रहने की संभावना बढ़ा सकता है।

डब्ल्यूएचओ के शोध सलाहकार डॉ. वसी मूर्ति के अनुसार, इलाज शुरू होने के बाद मरीजों की स्थिति पर 28 दिनों तक निगरानी रखी जाएगी ताकि परिणामों का आकलन किया जा सके।

अमेरिका में हीटवेव का कहरः 24 लोगों की मौत

विश्व केसरी

वाशिंगटन । अमेरिका में भीषण गर्मी और हीटवेव ने गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। रिकॉर्ड तोड़ तापमान के बीच अब तक 24 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देश के पूर्वी हिस्से पर बने विशाल 'हीट डोम' के कारण करोड़ों लोग कई दिनों से अत्यधिक गर्मी झेल रहे हैं।

अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों में तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। रविवार तक 14 करोड़ (140 मिलियन) से अधिक लोग हीट अलर्ट के दायरे में थे।

न्यू जर्सी में अधिकारियों का मानना है कि भीषण गर्मी के कारण 22 लोगों की मौत हुई है। ये मौतें राज्य के 10 जिलों में हुईं, जिनमें अधिकांश मध्य और उत्तरी इलाकों से हैं। न्यू जर्सी के हेल्थ कमिश्नर डॉ. रेनार्ड वॉशिंगटन ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को बताया, 'दुर्भाग्य से, इनमें से कई लोग ऐसे घरों में पाए गए जिनमें एयर कंडीशनिंग नहीं थी। कुछ लोग अपने घरों के बाहर थे, कुछ सड़कों पर और कुछ पार्क की हुई कारों में भी पाए गए।'

अधिकारियों के अनुसार, पहली मौत गुरुवार को हुई थी। मृतकों की उम्र 30 से 80 वर्ष के बीच थी। शुरुआती जांच में इन मौतों का कारण हीटवेव माना जा रहा है, हालांकि अंतिम पुष्टि मेडिकल जांच के बाद होगी।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि यह सामान्य गर्मी नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति है जो इंसानों और जानवरों दोनों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।

इलिनॉय के कुक काउंटी में भी गर्मी से जुड़ी एक मौत दर्ज की गई। वहीं मिसिसिपी में 74 वर्षीय मिचेल रे कूली की अत्यधिक गर्मी के कारण मौत हो गई। वह लापता हो गए थे और अगले दिन उनका शव एक पेट्रोल पंप के पीछे मिला।

इसके अलावा, 83 वर्षीय मार्था आइरीन वैन एगमंड की भी मिसिसिपी में मौत हो गई। वह अपने बगीचे में गिर गई थीं।

फीफा वर्ल्ड कप: इंग्लैंड ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, रोमांचक मुकाबले में मेक्सिको को 3-2 से हराया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल का टिकट कटा लिया है। रोमांच से भरपूर मुकाबले में इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को 3-2 से हराया। इस हार के साथ ही मेक्सिको का विश्व कप में सफर समाप्त हो गया है।

इंग्लैंड की ओर से इस अहम मुकाबले में जूड बेलिंगहम ने दो गोल दागे। वहीं, कप्तान हैरी केन ने भी एक गोल किया। मेक्सिको की तरफ से क्विनोन्स और राउल जिमिनेज ने एक-एक गोल किया। खराब मौसम के कारण देरी से शुरू हुए मैच की शुरुआत दोनों ही टीमों की तरफ से बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड और मेक्सिको की तरफ से लगातार हमले किए गए।

इंग्लैंड की टीम मुकाबले का पहला गोल करने में सफल रही। मैच के 36वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा। इसके बाद मैच के 38वें मिनट में बेलिंगहम ने इंग्लैंड की बढ़त को जल्द ही दोगुना कर दिया। दोनों गोलों के बीच अंतर सिर्फ 98 सेकंड का रहा। हालांकि, मेक्सिको ने जल्द ही मुकाबले में वापसी की। टीम की ओर से क्विनोन्स ने मैच के 42वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। हालांकि, पहले हाफ के अंत तक इंग्लैंड 2-1 की बढ़त कायम रखने में सफल रहा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंग्लैंड को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब इंग्लैंड के खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को जीसस गैलार्डो को गलत तरीके से चैलेंज करने के कारण रेफरी ने रेड कार्ड थमा दिया। क्वान्सा फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले चौथे इंग्लिश खिलाड़ी बने। हालांकि, इसके बाद इंग्लैंड को बचे हुए मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मैच के 60वें मिनट में मेक्सिको के गोलकीपर राउल रेंजेल ने पेनल्टी बॉक्स में एंथनी गॉर्डन को गिरा दिया, जिसके बाद इंग्लैंड को पेनल्टी दी गई। इस पेनल्टी का पूरा फायदा उठाते हुए हैरी केन ने इस विश्व कप में अपना छठा गोल किया और टीम की बढ़त को 3-1 कर दिया। मैच के 69वें मिनट में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ब्रायन गुटिरेज को रोकने के प्रयास में फाउल कर बैठे। वीएआर जांच के बाद इस बार मेक्सिको को पेनल्टी मिली, जिसे गोल में तब्दील करने में राउल जिमिनेज ने कोई गलती नहीं की।

फॉर्मूला 1: सिल्वरस्टोन में लेक्लेर की जीत, एंटोनेली की बढ़त खत्म हुई

विश्व केसरी ■

नॉर्थम्प्टनशायर। ब्रिटिश ग्रां प्री में रविवार को चार्ल्स लेक्लेर ने रोमांचक जीत हासिल की। सिल्वरस्टोन में रेस के आखिर में मची अफरा-तफरी के बीच उन्होंने यह जीत दर्ज की। किमी एंटोनेली कार की खराबी के कारण जीत के करीब पहुंचकर भी हार गए, और मैक्स वेरस्टैपेन के क्रैश होने से 'सेफ्टी कार' को मैदान में उतारना पड़ा।

लेक्लेर ने ग्रिड से तेज शुरुआत की। फेरारी ड्राइवर और साथी लुईस हैमिल्टन, दोनों ने शुरुआती लैप्स में एंटोनेली को पछाड़ दिया। लेक्लेर ने आगे रहते हुए अच्छी लय बना ली थी; उन्होंने अपनी तय पिट स्टॉप के लिए जाने पर ही बढ़त छोड़ी।

इससे कुछ समय के लिए एंटोनेली को बढ़त मिल गई, जिन्होंने पिट स्टॉप लेने से पहले 36वें लैप तक अपना पहला स्टिंट जारी रखा। मर्सिडीज के युवा ड्राइवर लेक्लेर की बराबरी को लेकर उत्सुक थे, लेकिन 41वें लैप में मैकेनिकल खराबी के कारण उनकी रफ्तार थम गई।

एंटोनेली को दो और पिट स्टॉप लेने पड़े और वे रेस में काफी पीछे रह गए। ट्रैक की सीमा पार करने के लिए पांच सेकंड की पेनाल्टी मिलने से उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं, जिससे पोडियम पर जगह बनाने की उनकी उम्मीद खत्म हो गई।

रेस में एक और रोमांचक मोड़ 48वें लैप पर आया जब वेरस्टैपेन की कार घूमकर बजरी वाले हिस्से (ग्रेवल ट्रैप) में चली गई, जिससे 'सेफ्टी कार' को बुलाना पड़ा। रेस दोबारा शुरू करने के लिए समय नहीं बचा था, इसलिए सभी ड्राइवर 'सेफ्टी कार' के पीछे ही रेस खत्म करने पर मजबूर हुए और लेक्लेर ने आसानी से अपनी नौवीं फॉर्मूला-1 जीत हासिल की।

जॉर्ज रसेल ने रेस के आखिर में आई इस रुकावट का फायदा उठाया; जब कई प्रतिद्वंद्वी पिट स्टॉप के लिए गए, तो वे ट्रैक पर ही बने रहे और मर्सिडीज ड्राइवर दूसरे स्थान पर आ गए। हैमिल्टन ने फेरारी के लिए तीसरा स्थान हासिल किया, हालांकि सात बार के वर्ल्ड चैंपियन को येलो-फ्लैग के नियमों के संभावित उल्लंघन के लिए रेस के बाद जांच का सामना करना पड़ सकता है।

घरेलू पसंदीदा लैंडो नॉरिस मैकलारेन के लिए चौथे स्थान पर रहे, जबकि इसाक हदजर ने रेड बुल के लिए पांचवां स्थान हासिल किया। रेसिंग बुल्स की जोड़ी लियाम लॉसन और अरविड लिंडब्लाड क्रमश: छठे और सातवें स्थान पर रहे। गेब्रियल बोर्टोलेटो ने ऑडी के लिए आठवें स्थान पर रहते हुए महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

अल्पाइन के ड्राइवर फ्रेंको कोलोपिंटो और पियरे गैस्ली ने टॉप-10 में जगह बनाई।

ऑस्कर पियास्त्री के लिए यह दोपहर निराशाजनक रही; शुरुआती लैप में ही नुकसान के कारण पिट स्टॉप लेने के बाद उनकी रेस बिगड़ गई और वे 11वें स्थान पर रहे। अच्छी शुरुआत के बावजूद कार्लोस सैन्ज जूनियर विलियम्स के लिए 12वें स्थान पर रहे, जबकि हास के ड्राइवर ओलिवर बेयरमैन और एस्टेबन ओकॉन क्रमश: 13वें और 14वें स्थान पर रहे।

फीफा ने अमेरिकी खिलाड़ी बालोगुन पर लगा एक मैच का बैन हटाया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बेल्जियम के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले अमेरिका के लिए अच्छी खबर आई है। फीफा ने इस विश्व कप में टीम की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी फोलारिन बालोगुन पर लगे एक मैच के बैन को हटा दिया है।

बालोगुन राउंड ऑफ 16 में बेल्जियम के खिलाफ होन वाले मुकाबले में अब खेलते नजर आएंगे। राउंड ऑफ 32 के मैच में, जब अमेरिका ने जीत हासिल की थी, तब फोलारिन बालोगुन ने बोस्निया-हर्जेगोविना के डिफेंडर तारिक मुहरेमोविक के खिलाफ फाउल किया था। इस गलती के कारण उन्हें रेड कार्ड दिखाया गया था।

अमेरिकी सॉकर ने बताया कि यह फैसला फीफा के अनुशासनात्मक संहिता के आर्टिकल 27 के तहत लिया गया है। इसके अनुसार, फीफा की अनुशासन से जुड़ी संस्थाओं को यह अधिकार है कि वे किसी खिलाड़ी पर लगी सजा (जैसे सस्पेंशन) को अस्थायी रूप से रोक सकते हैं।

इसी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए पिछले मैच में बालोगुन को रेड कार्ड मिलने के बाद जो एक मैच का बैन लगाया गया था, उसे फिलहाल सस्पेंड कर दिया गया है।

फीफा ने अपने बयान में कहा कि स्वचालित एक मैच का बैन एक साल के लिए सस्पेंड रहेगा।

विंबलडन: जैनिक सिनर ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, मोचिजुकी को सीधे सेटों में हराया

विश्व केसरी ■

लंदन । दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के क्वालिफायर शिंटारो मोचिजुकी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6(0), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह लगातार पांचवां मौका है जब सिनर ने विंबलडन के अंतिम आठ का टिकट हासिल किया है।

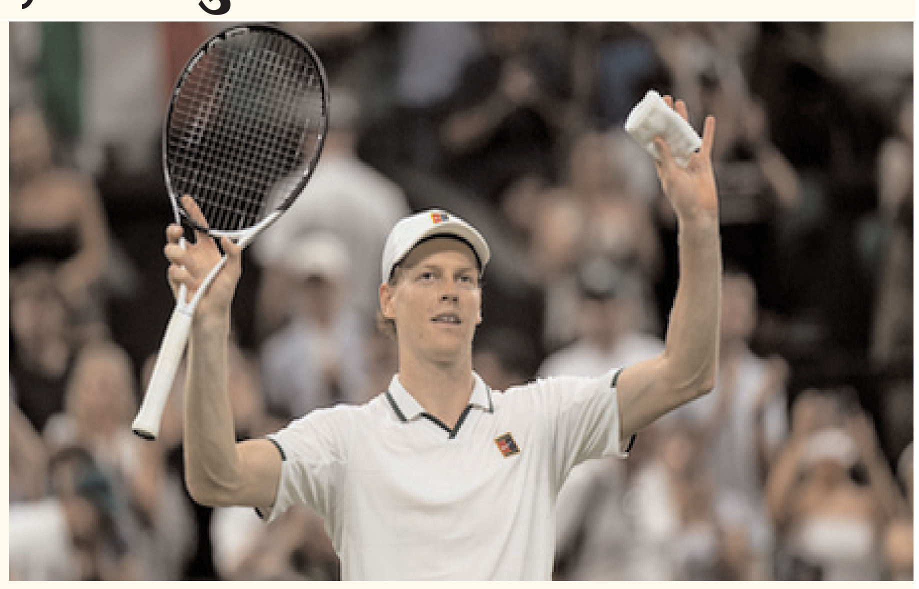

इस जीत के साथ सिनर ओपन एरा में ग्रास कोर्ट मेजर के पांचवें क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में केवल सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे खिलाड़ी हैं।

मैच की शुरुआत में जापान के शिंटारो मोचिजुकी ने शानदार खेल दिखाया और कुछ मौकों पर सिनर को दबाव में भी डाला। उन्होंने पहले ब्रेक प्वाइंट हासिल किया, लेकिन सिनर ने तुरंत वापसी कर ब्रेक बचा लिया। हालांकि, सिनर ने जल्द ही मोचिजुकी की सर्विस तोड़कर पहले सेट को 6-3 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मोचिजुकी ने अपनी सर्विस पर बेहतर नियंत्रण दिखाया और शुरुआती गेम में कोई पॉइंट नहीं गंवाया। उन्होंने लंबे रैलियों में भी सिनर को चुनौती दी। सात-ड्यूस तक गेम पहुंचा और सिनर को ब्रेक के मौके भी मिले, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सके। 4-4 की स्थिति तक मोचिजुकी ने मैच को बराबरी पर बनाए रखा और सिनर को कड़ी टक्कर दी। इस दौरान सिनर थोड़े निराश भी नजर आए, क्योंकि लंबे रैलियों में उन्हें कम सफलता मिल रही थी। मोचिजुकी ने अपने बैकहैंड और डिफेंस से कई शानदार अंक अपने नाम किए।

सिनर थोड़ी देर के लिए कोर्ट से बाहर गए और वापसी करने के बाद उनके खेल में अधिक आक्रामकता नजर आई। दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में मोचिजुकी ने गलतियां कीं, जिसका फायदा सिनर ने उठाया। उन्होंने टाई-ब्रेक 7-0 से जीतकर मैच पर पूरी पकड़ बना ली। इसके बाद तीसरे सेट में भी उन्होंने लगातार दबाव बनाए रखा और 6-3 से सेट को जीतने के साथ ही मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद सिनर ने कहा, 'यह पहली बार था जब हम एक-

जय शाह के नेतृत्व में आईसीसी को महिला क्रिकेट में आए जबरदस्त बदलाव के लिए बधाई: सैकिया

विश्व केसरी ■

लंदन । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सफल आयोजन के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और उसके चेयरमैन जय शाह के नेतृत्व की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जय शाह के गतिशील नेतृत्व में महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण काम हुआ है।

लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए फाइनल मुकाबले में रिकॉर्ड 28,000 से अधिक दर्शकों की मौजूदगी रही। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया।

इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के घरेलू मैदान पर अजेय रिकॉर्ड का भी अंत कर दिया। यह ऑस्ट्रेलिया का कुल 14वां महिला विश्व कप खिताब भी है, जिसमें वनडे और टी20 विश्व कप दोनों की ट्रॉफियां शामिल हैं।

देवजीत सैकिया ने कहा कि लॉर्ड्स में दर्शकों की भीड़ खेल की बढ़ती लोकप्रियता और आगे आने वाले रोमांचक भविष्य का एक मजबूत सबूत है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ग्लोबल स्टेज पर महिला क्रिकेट की जबरदस्त बढ़त देखकर बहुत खुशी हुई। चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के लिए लॉर्ड्स में खचाखच भरा स्टेडियम इस बात का बेहतरीन सबूत है कि इस खेल ने कितनी लोकप्रियता हासिल की है और इसका भविष्य कितना रोमांचक है।'

उन्होंने आगे कहा, 'महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और दुनिया भर में नई पीढ़ी के क्रिकेट प्रशंसकों को इस खेल से जोड़ने में अहम भूमिका निभाने के लिए मैं जय शाह के नेतृत्व में आईसीसी को बधाई देता हूं।' ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन खिताबी मुकाबले में शानदार रहा। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 150 रन लगाए।

'फिटनेस नेतृत्व को बढ़ावा देता है', मसूरी में मनसुख मांडविया ने लिया आईएएस अफसरों संग साइकिल रैली में हिस्सा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को मसूरी में स्थित आईएएस अकादमी में प्रशिक्षु आईएएस अफसरों के साथ साइकिल रैली में हिस्सा लिया। इस रैली के जरिए खेल मंत्री ने लोगों को फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

साइकिल रैली की शुरुआत अकादमी परिसर से हुई और यह अकादमी रोड, हालोक मार्ग और कंपनी गार्डन होते हुए वापस अकादमी रोड पर आकर खत्म हुई। मनसुख मांडविया ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'फिटनेस नेतृत्व को बढ़ावा देता है। नेतृत्व से देश बनता है। हमारे ऊर्जावान आईएएस अफसरों के साथ प्रेरणादायक साइकिल रैली।'

मनसुख मांडविया फिटनेस के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आए दिन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहते हैं। हाल ही में रविवार को खेल मंत्री 'संडे ऑन साइकिल' के 80वें संस्करण में शामिल हुए थे। 'संडे ऑफ साइकिल' भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'फिट इंडिया मूवमेंट' का हिस्सा है, जिसका मकसद लोगों को फिट रहने और अच्छी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए जागरूक करना है। 80वें संस्करण में शामिल होकर मनसुख मांडविया लोगों के साथ साइकिल चलाते हुए नजर आए थे। उन्होंने इवेंट में शामिल होकर साइकिलिंग के अनेक फायदे गिनाए थे।

उन्होंने बताया था कि साइकिलिंग करके कैसे लोग खुद को फिट रखने के साथ-साथ पर्यावरण को भी सुरक्षित रख सकते हैं। 'साइकिल पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का एक प्रभावी साधन है। इसके नियमित उपयोग से शरीर स्वस्थ और सक्रिय रहता है तथा सड़कों पर वाहनों की भीड़ भी कम होती है। जो व्यक्ति रोजाना साइकिल चलाता है, वह ईंधन की खपत घटाने के साथ-साथ प्रकृति के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। भारत अपनी तेल की आवश्यकता का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है।

स्क्वैश: अमर्या बजाज ने डच जूनियर ओपन अंडर-13 का खिताब जीता

विश्व केसरी ■

एम्स्टर्डम । भारत के उभरते हुए स्क्वैश खिलाड़ी अमर्या बजाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डच जूनियर ओपन अंडर-13 लड़कों का खिताब अपने नाम कर लिया है। बजाज ने फाइनल में इंग्लैंड के डैनियल स्टीवेन्सन सहित कई विश्व-स्तरीय खिलाड़ियों को 3-1 से मात दी।

इस युवा भारतीय खिलाड़ी ने चैंपियनशिप तक के सफर में दुनिया के प्रमुख स्क्वैश देशों के खिलाड़ियों को शिकस्त देते हुए अद्भुत संयम, कौशल और मानसिक मजबूती का परिचय दिया।

अमर्या बजाज ने पहले दौर में मिस्र के खिलाड़ी पर 3-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। दूसरे दौर में इंग्लैंड के अर्लो स्मिथ की कड़ी चुनौती को 3-0 से पार किया। इसके बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर के नंबर 1 खिलाड़ी केलन लो को 3-0 से हराया, जिसके बाद क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मिस्र के बद्र हसन पर 3-1 से प्रभावशाली जीत हासिल की थी।

अमर्या के लिए सबसे बड़ी चुनौती सेमीफाइनल में आई, जहां उन्होंने एक उच्च-स्तरीय मुकाबले में हंगरी के एलेक्स कोस्टज्यु को एकतरफा अंदाज में हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहां, अमर्या ने एक और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त इंग्लिश खिलाड़ी को हराकर प्रतिष्ठित डच जूनियर ओपन खिताब अपने नाम किया था।

यह जीत चीन में 2026 एशियन जूनियर चैंपियनशिप में अमर्या के सिल्वर मेडल जीतने के कुछ ही हफ्तों बाद मिली है। सिर्फ 13 साल की उम्र में दो एशियन जूनियर मेडल और अब एक प्रमुख यूरोपीय खिताब जीतने के साथ, अमर्या अंतरराष्ट्रीय जूनियर स्क्वैश सर्किट में खुद को स्थापित कर रहे हैं।

उनकी डच जूनियर ओपन जीत न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारतीय स्क्वैश के लिए भी एक बड़ी कामयाबी है। यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और उन्हें हराने में सक्षम प्रतिभाओं की एक नई पीढ़ी के उदय को उजागर करता है। जैसे-जैसे अमर्या अंतरराष्ट्रीय मंच पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, भारतीय स्क्वैश प्रशंसक बड़ी उत्सुकता से देखेंगे कि देश का यह सबसे होनहार युवा खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर अपनी छाप कैसे छोड़ता है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415